फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 45 प्रभात जयपुर, मंगलवार 15 सितम्बर, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

Time Waited Away

I was saved a four hour early start. Was this fair? Was it not a fraud to take advantage of my punctuality?

Keys, Buttons! Not Original

The Global Rise of Indian Hand Embroidery

One of the most celebrated examples of Chankaya's artistry came during the Dior Fall 2023 Show hosted by Dior at the iconic Gateway of India

'एक देश पर निर्भरता को छोड़कर, दूसरे देश पर निर्भर हो जाना प्रगति नहीं'

ब्रिक्स सम्मेलन में भारत व चीन का एक-दूसरे के प्रति अविश्वास साफ दिखा, पर, इसके बावजूद दोनों देशों ने आपस में व्यवसायिक संबंधों को आगे बढ़ाने में इस अविश्वास को आड़े नहीं आने दिया

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 सितम्बर। जहां भारतीय मीडिया ने ब्रिक्स के नई दिल्ली शिखर सम्मेलन के नतीजों को भारत के लिए रणनीतिक फायदे के तौर पर पेश किया है, वहीं, "साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट" की एक रिपोर्ट में एक दिलचस्प विरोधाभास की ओर इशारा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, इस समूह ने अमेरिका के टैरिफ, प्रतिबंधों और डॉलर के दबदबे के खिलाफ एकजुट रुख दिखाया, फिर भी इसके दो सबसे प्रभावशाली सदस्य, चीन और भारत ने इसके भीतर मौजूद रणनीतिक तनाव को उजागर किया। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ब्रिक्स सदस्यों को ओपन-सोर्स आर्टिफिशल इंटैलिजैंस और स्मार्ट मैनुफैक्चरिंग में सहयोग की पेशकश की, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चेतावनी दी कि प्रौद्योगिकी और महत्वपूर्ण खनिजों का इस्तेमाल "हथियार" के तौर पर नहीं किया जाना चाहिए। इस आदान-प्रदान ने ब्रिक्स के बढ़ते प्रभाव के साथ-साथ उसकी एकता की सीमाओं को भी रेखांकित किया है।

- **भारत ने बीच का रास्ता निकालते हुए नारा दिया कि आर्थिक विकास का हथियारीकरण नहीं होना चाहिए। उदाहरण के लिए चीन चुंबक बनाने के लिए रेअर अर्थ खनिज की सप्लाई को जब चाहे अवरूद्ध कर सकता है और अमेरिका "चिप्स" की अपनी ताकत का उपयोग कर "चिप्स मैन्युफैक्चरिंग" का गला घोट सकता है। अतः ब्रिक्स ओद्योगिक उत्पादन के "वैपनाइज़ेशन" (हथियारीकरण) के खिलाफ है।**
- **भारत का मैसेज था, भारत ब्रिक्स का सहयोग चाहता है, पर, साथ ही पश्चिमी देशों पर या चीन पर निर्भर नहीं रहने की नीति अपना रहा है।**

शी ने इस सम्मेलन का इस्तेमाल चीन को "ग्लोबल साउथ" के लिए एक तकनीकी साझेदार के रूप में पेश करने के लिए किया। उन्होंने ओपन सोर्स ए.आई. और स्मार्ट कारखानों में सहयोग का प्रस्ताव रखा, साथ ही सदस्य देशों के युवाओं को एडवांस्ड टैक्नॉलजी और इनोवेशन में ट्रेनिंग देने की बात की। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स को भू-राजनीतिक उथल-पुथल से आपूर्ति और इण्डस्ट्रियल चेन की सुराक्षा के लिए सहयोग मजबूत करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय नियम सभी देशों को मिलकर बनाने चाहिए और उन्हें बिना दोहरे मापदंड के लागू किया जाना चाहिए।

रिपोर्ट में कहा गया है कि आर्टिफिशल इंटैलिजैंस का प्रस्ताव रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि टैक्नॉलजी की दौड़ अब तेजी से चिप्स, खनिजों, मैन्युफैक्चरिंग उपकरणों और सप्लाई चेन पर नियंत्रण के इर्द-गिर्द घूम रही है। चीन का बैटरी, चुंबक और अन्य प्रौद्योगिकियों के लिए जरूरी कई खनिजों और मैन्युफैक्चरिंग इनपुट पर दबदबा है, जबकि अमेरिका एडवांस्ड चिप और चिप बनाने वाले उपकरणों का प्रमुख सप्लायर और नियंत्रक बना हुआ है। इसलिए "ग्लोबल साउथ" के देशों के सामने किसी एक शक्ति पर निर्भर होने का खतरा है।

मोदी की चेतावनी सीधे तौर पर इसी दुविधा पर केन्द्रित थी। चीन या अमेरिका का नाम लिए बिना उन्होंने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जिला उपभोक्ता आयोग ने मारूति पर दो लाख रूपए का जुर्माना लगाया

जयपुर, 14 सितम्बर। जिला उपभोक्ता आयोग-प्रथम ने कार में उत्पादकीय दोष होने व एक्सीडेंट में एयरबैग नहीं खुलने को गंभीर सेवादोष मानते हुए, मारूति सुजुकी इंडिया पर 2 लाख रुपए का हर्जाना लगाया है। वहीं कार विक्रेता केपी ऑटोमोटिव्स को कहा है कि वह परिवाद के खर्च 25 हजार रुपए का भुगतान करे। विपक्षीगण यह राशि 45 दिन में परिवादी को दे दें। आयोग ने कहा कि साक्ष्यों से यह स्पष्ट है कि परिवादी की कार सामने से एक मृत जानवर से टकराई और पलट गई,

- **एक्सीडेन्ट में एयर बैग नहीं खुलने को गंभीर सेवा दोष माना।**

लेकिन उसके दोनों एयरबैग नहीं खुले। ऐसे में विपक्षी कार कंपनी से परिवादी को हर्जा-खर्चा दिलवाना उचित होगा। आयोग के अध्यक्ष डॉ. सूबेसिंह यादव और सदस्य हेमलता अग्रवाल व आशुतोष ने यह आदेश निर्माण नगर निवासी पीयूष शर्मा के परिवाद पर दिया।

परिवाद में अधिवक्ता विपुल शर्मा ने बताया कि परिवादी ने केपी ऑटोमोटिव्स से 31 अगस्त 2017 को मारूति की डिजायर कार खरीदी थी। कार 60 किमी प्रति घंटे की स्पीड पर चलाने पर ही डगमगाने लगी। उसने सितंबर 2017 में कार की पहली सर्विस के दौरान कंपनी के वर्कशॉप

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पंजाब के मु.मंत्री ने एशियन चैम्पियन ट्रॉफी में पाकिस्तान को आमंत्रित किया

ये मैच जालंधर व मोहाली में खेले जाएंगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 सितम्बर। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोमवार को कहा कि पाकिस्तान अगले महीने होने वाली पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी हॉकी प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले छह देशों में शामिल होगा। उन्होंने केन्द्र सरकार की उस नीति का हवाला दिया, जिसके तहत दोनों कट्टर प्रतिद्वंद्वी देशों को बहुपक्षीय प्रतियोगिताओं के दौरान भारतीय धरती पर खेलने की अनुमति है।

27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक होने वाली एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत, पाकिस्तान, चीन, जापान, मलेशिया और कोरिया हिस्सा लेंगे। यह प्रतियोगिता जालंधर और मोहाली के हॉकी स्टेडियमों में आयोजित होगी।

दो रिजर्व टीमों-ओमान और बांग्लादेश-को भी प्रतियोगिता के लिए नामित किया गया है, ताकि किसी टीम के हटने की स्थिति में उन्हें शामिल किया जा सके। एशियाई हॉकी महासंघ (एशियन हॉकी फैडरेशन) के तत्वावधान में होने वाली यह प्रतियोगिता हर साल आयोजित की जाती है, लेकिन पिछले साल इसका आयोजन नहीं हुआ था।

भारत इस प्रतियोगिता में गत चैंपियन के रूप में उतरेगा। भारत ने 2023 में चेन्नई और 2024 में चीन के हुलुनबुइर में यह खिताब जीता था।

- **पहलगाम में भारतीय पर्यटकों पर आतंकवादी हमले के बाद भारत ने दोनों देशों के बीच हॉकी मैच खेलने पर प्रतिबंध लगा दिया था।**
- **पंजाब के मु.मंत्री भगवंत मान ने इस मुद्दे पर कहा कि दोनों देशों के एक-दूसरे के खिलाफ सीधे मैच खेलने पर प्रतिबंध है। पर, अगर दोनों देश किसी प्रतियोगिता में भाग लेते हुए, आमने-सामने मैच खेलते हैं तो भारत की हॉकी नीति के तहत यह कोई आपत्तिजनक कृत्य नहीं है।**
- **पर, सवाल यह उठता है कि बाल की खाल निकाल कर भगवंत मान क्यों भारत-पाक मैच आयोजित करना चाहते हैं।**
- **यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष जूनियर वर्ल्ड कप प्रतियोगिता में पाकिस्तान ने अपना नाम वापस ले लिया था।**
- **पर, शायद अब पंजाब में चुनाव के माहौल में किसी एक वोट बैंक को खुश करने के लिए, मु.मंत्री भगवंत सिंह मान मोहाली व जालंधर में भारत-पाक का मैच आयोजित कराने की पहल दिखा रहे हैं।**

पाकिस्तान की भागीदारी और उसके लिए जरूरी मंजूरियां लिए जाने के बारे में पूछे जाने पर मान ने कहा, "बहुराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में कोई समस्या नहीं है। हो सकता है कि द्विपक्षीय सीरीज (भारत और पाकिस्तान) आयोजित नहीं हो सकती हो।"

पाकिस्तान के संबंध में केन्द्र की खेल नीति उस देश के साथ किसी भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वर्ष 2020 के निकाय चुनाव के मुकाबले दुगुने निकायों में बोर्ड बनाने की स्थिति में है भाजपा

पिछली बार मात्र 31 प्रतिशत निकायों में ही भाजपा का बोर्ड था, जबकि इस बार 65 प्रतिशत निकायों में भाजपा स्वयं या निर्दलीयों के समर्थन से बोर्ड बना सकेगी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 14 सितम्बर। राजस्थान के 309 नगरीय निकायों में हुए चुनाव में इस बार भाजपा को पिछली बार से दुगुना जनादेश मिला है। वर्ष 2020 में केवल 31 प्रतिशत निकायों में ही भाजपा का बोर्ड था। वहीं, इस बार भाजपा 65 प्रतिशत निकायों में स्वयं या निर्दलीयों के समर्थन से बोर्ड बनाने की स्थिति में है, हालांकि ये आंकड़ा आगामी 21 सितम्बर तक और बढ़ने की पूर्ण सम्भावना है। माना जा रहा है कि नगर निगम में 10, नगर परिषद में 15 और नगरपालिका बोर्ड में 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी संभव है।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के "वन स्टेट-वन इलेक्शन" फार्मूले और प्रदेशभर में किए गए रोड शो को मिला जनादेश।**
- **माना जा रहा है कि जहाँ-जहाँ री-पोलिंग होनी है, वहाँ नगर निगम में 10, नगर परिषद् में 15 और नगरपालिका बोर्ड में 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी संभव है।**
- **राजधानी जयपुर में लगातार 7वीं बार भाजपा का बोर्ड बनेगा, जयपुर के 2 टुकड़े करने के कांग्रेस के निर्णय को जनता ने नकारा।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने देश में पहली बार "वन स्टेट-वन इलेक्शन" की जो शुरूआत की और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'झूठ की गूंज के सामने सत्य की विजय'

जयपुर, 14 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान नगर निकाय चुनाव के नतीजों में भाजपा की शानदार जीत पर प्रदेश की जनता का आभार जताया है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म "एक्स" पर पोस्ट साझा करते हुए इस जीत को "झूठ की गूंज के सामने सत्य की विजय" करार दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेशाध्यक्ष मदन

- **प्रधानमंत्री मोदी ने राजस्थान के नगर निकाय चुनाव में भाजपा की जीत पर जनता को धन्यवाद दिया।**

राठौड़ व भाजपा राजस्थान को टैग करते हुए अपनी पोस्ट में लिखा कि "नगर निकाय चुनाव में भाजपा को प्रचंड बहुमत दिलाने के लिए प्रदेश की जनता-जनार्दन का हृदय से धन्यवाद। जनता के इस जनादेश ने एक बार फिर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'75 जिलों के लिए 75 चुनाव घोषणा पत्र'

सपा नेता अखिलेश यादव ने यूपी के अगले विधानसभा चुनाव के लिए नया मंत्र दिया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 सितम्बर। समाजवादी पार्टी 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले पूरे राज्य के लिए एक ही घोषणापत्र जारी करने की परंपरा को तोड़ने जा रही है। पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने एक नए मंत्र पर अपनी मुहर लगा दी है, यूपी के 75 जिलों के लिए 75 घोषणापत्र।

यह योजना उत्तर प्रदेश सरकार के "एक जिला, एक उत्पाद" अभियान से प्रेरणा लेते हुए तैयार की गई है। इसके तहत, उत्तर प्रदेश के हर जिले की अलग-अलग सामाजिक-आर्थिक स्थितियों, उम्मीदों और चुनौतियों को ध्यान में रखा जाएगा।

पार्टी नेताओं का कहना है कि "एक जिला, एक घोषणापत्र" का फार्मूला चुनाव से पहले हर जिले के लिए विशेष और स्थानीय स्तर पर केन्द्रित वादे तैयार करने में मदद करेगा।

माना जा रहा है कि इससे समाजवादी पार्टी को हर जिले में अपने उम्मीदवारों को स्थानीय स्तर पर मतदाताओं की प्राथमिकताओं के साथ बेहतर तरीके से जोड़ने में मदद मिलेगी। हर जिले के लिए घोषणापत्र का तरीका वह नहीं होगा, जो पार्टी सत्ता में आने पर पूरे राज्य के लिए करने का वादा करती है। इसके बजाय, ध्यान इस बात पर होगा कि "पार्टी उस जिले को किस तरह बदलने की योजना बना रही है।"

- **अखिलेश का तर्क है, हर जिले की अलग परिस्थिति होती है। अलग राजनीतिक व प्रशासनिक अपेक्षा व प्राथमिकताएं होती हैं।**
- **अतः सपा 75 जिलों के लिए अलग-अलग 75 घोषणा पत्र जारी करेगी।**
- **इससे जिला स्तर पर जिले की जनसंख्या के अनुसार, अलग-अलग जातियों को टिकट दिए जा सकेंगे। पूरे राज्य के जातिगत समीकरण पर अगर टिकट बाँटे जाते हैं, तो कई जातियों के साथ अन्याय होने की संभावना रहती है।**

जिलों के हिसाब से तैयार किया जाने वाला यह घोषणापत्र समाजवादी पार्टी को बड़ा राजनीतिक फायदा दे सकता है। इससे हर जिले में अलग-अलग जातीय और सामुदायिक समीकरणों के अनुसार वादे करने में मदद मिलेगी, जो एक ही राज्य स्तरीय घोषणापत्र में संभव नहीं हो पाता।

2017 से समाजवादी पार्टी बड़े राजनीतिक दलों को सहयोगी बनाकर चुनाव लड़ती रही है। 2017 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस के साथ गठबंधन किया था। 11 फरवरी 2017 को एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में अखिलेश यादव और राहुल गांधी ने 10 सूत्री साझा न्यूनतम कार्यक्रम जारी किया था। इसमें सत्ता में आने पर दोनों दलों के साझा विकास लक्ष्यों की रूपरेखा बताई गई थी।

बाद में दोनों दलों ने चुनाव अभियान के लिए अपने-अपने अलग घोषणापत्र जारी किए।

इसी तरह 2019 में समाजवादी पार्टी ने बहुजन समाज पार्टी के साथ गठबंधन किया। उस समय कोई साझा घोषणापत्र जारी नहीं किया गया। दोनों दलों ने अपने-अपने वादे अलग-अलग जारी किए। 2024 के उत्तर प्रदेश लोकसभा चुनाव में भी समाजवादी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयपुर, कोटा, जोधपुर के महापौर का चुनाव आगे सरका

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 14 सितम्बर। राज्य निर्वाचन आयोग ने 4 नगरीय निकायों में अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पदों के चुनाव आगामी आदेश तक स्थगित कर दिए हैं। आयोग की ओर से 19 अगस्त 2026 को नगरीय निकाय आम चुनाव, अगस्त-सितंबर 2026 का कार्यक्रम जारी किया गया था।

- **ईवीएम की तकनीकी खराबी के कारण कुछ बूथों के परिणाम नहीं आने पर निर्वाचन आयोग का निर्णय।**

मतगणना के दौरान, नगर निगम जोधपुर, नगर निगम कोटा, नगर निगम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जाने-माने एआई विशेषज्ञ सैम ऑल्टमैन, मस्क, माइक्रोसॉफ्ट के नडेला, बिल गेट्स, एआई के विकास की दशा व दिशा को नियंत्रित करना चाहते हैं

पर, अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप एकदम विपरीत, एकदम उल्टी बात कह रहे हैं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 सितम्बर। इसमें कुछ भी बनावटी नहीं है-चिंता वास्तव में इस बात को लेकर है कि आर्टिफिशल इंटैनिजैंस मानव जाति के लिए कितनी बड़ी तबाही ला सकती है। ये चिंताएं चार अलग-अलग स्तरों पर व्यक्त की जा रही हैं, हालांकि कभी-कभी पूरी जानकारी नहीं रखने वाले कुछ लोग इन चिंताओं को नकार भी देते हैं।

सबसे पहली और सबसे गंभीर चिंता उन लोगों की है, जो वास्तव में आर्टिफिशल इंटैनिजैंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) के बारे में जानते हैं। उद्योग के नेता खुद इस बात को लेकर चिंता जता रहे हैं कि एआई क्या तबाही ला सकती है।

उद्योग के तीन सबसे जानकार लीडर अब खुलकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता की क्षमताओं और खास तौर पर एआई जिस दिशा में आगे बढ़ रहा है, उसे लेकर अपनी चिंताएं जाहिर कर रहे हैं। डर यह है कि कुछ समय बाद शायद एआई, अपने बनाने वालों से भी आगे निकल जाए और उनकी तबाही तथा पूरी तरह विनाश का कारण बन जाए।

"ओपन एआई" के सैम ऑल्टमैन, जिन्होंने चैटजीपीटी मॉडल और उसके आगे के संस्करण विकसित किए हैं, ने सार्वजनिक रूप से यह आशंका जताई है कि एआई के विकास में, मौजूदा दौर में, जल्द ही ऐसी स्थिति आ सकती है, जब कंप्यूटर अपना खुद का नेटवर्क विकसित कर लें और इंसानों की मदद के बिना आपस में बातचीत करने लगें।

- **ट्रंप के अनुसार, दशा व दिशा नियंत्रित करने की बात नितांत बेवकूफी है, बल्कि अमेरिका को अपनी सारी ताकत, साइन्टिफिक नॉलेज, आर्थिक व मानव संसाधन एआई को तेज गति से विकसित करने के लिए झोंक देना चाहिए।**
- **ट्रंप के अनुसार, अगर अमेरिका एआई के प्रचार-प्रसार व विकास को नियंत्रित करने की सोच में फंसा तो चीन इस क्षेत्र में भी बाजी मार ले जाएगा और यह अमेरिका की सुरक्षा के लिए घातक सिद्ध होगा।**

ऐसी स्थिति में एआई के पास इंसानों से कहीं अधिक बुद्धिमत्ता हो सकती है और वह स्वतंत्र रूप से काम कर सकती है। इस क्षमता के साथ ये एआई इन्टरफेस मानवता को पूरी तरह खत्म करने का काम कर सकते हैं। इस संभावना से केवल सैम ऑल्टमैन ही चिंतित नहीं हैं, बल्कि अपनी एआई कंपनी "एक्सएआई" चलाने वाले एलन मस्क ने भी एआई इण्डस्ट्री के रैगुलेशन की जरूरत पर जोर दिया है।

और अब सबसे शक्तिशाली एआई कंपनियों में से एक, "एंथ्रोपिक" और उसके मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) ने कहा है कि एआई के विकास की गति को नियंत्रित किया जाना चाहिए। इसके लिए उद्योग की प्रमुख कंपनियों और सरकारों के बीच कुछ समझ बननी चाहिए, ताकि एआई के आगे के विकास पर रोक लगाई जा सके।

इण्डस्ट्री में दूसरे लोग, जैसे "माइक्रोसॉफ्ट" के सत्या नडेला ने भी एआई के नियमन और उसके विकास की गति पर रोक लगाने की मांग की है। माइक्रोसॉफ्ट के फाउण्डर और पूर्व सी.ई.ओ. बिल गेट्स ने भी इन विचारों का समर्थन किया है और वे भी इस बहस में शामिल हो गए हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाकिस्तान ने जैश प्रमुख मसूद अज़हर पर ईनाम राशि 70 लाख रु. की

इस्लामाबाद, 14 सितम्बर। अक्टूबर में फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की समीक्षा बैठक होने वाली है। इससे ठीक पहले पाकिस्तान ने एक नई चाल चलते हुए अपने ही पाले आतंकी पर 70 लाख का इनाम रख दिया है।

- **उसने यह कदम फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की ग्रे लिस्ट से बचने के लिये उठाया है।**

दरअसल, वैश्विक निगरानी संस्था की ग्रे लिस्ट में दोबारा शामिल होने से बचने के लिए पाकिस्तान की संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) ने जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर पर इनाम की राशि 50 लाख से बढ़ाकर 70 लाख

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

व्यवसाय समय का यन्त्र है। –नेपोलियन

चुनावी चंदा, काले – सफेद का धंधा

भारत में कई तरह के राजनैतिक दल हैं। इन्हें मुख्यतया तीन श्रेणियों में बांटा गया है। पहली, पंजीकृत राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त दल, दूसरी, पंजीकृत राज्य स्तरीय मान्यता प्राप्त दल और तीसरी, पंजीकृत गैर मान्यता प्राप्त दल। पहली श्रेणी में भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी, आम आदमी पार्टी जैसी पार्टियां हैं। दूसरी श्रेणी में तृणमूल कांग्रेस, डीएमके, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, राष्ट्रीय जनता दल (यू) जैसे अन्य दल हैं। तीसरी यानी पंजीकृत किंतु गैर मान्यता प्राप्त पार्टियां हैं। इनकी संख्या वर्तमान में 3260 है।

राजनीतिक दलों को धन उपलब्ध कराने के लिए, आयकर अधिनियम में व्यक्तियों, कंपनियों एवं अन्य के द्वारा चंदा दिए जाने के संबंध में प्रावधान हैं। बड़े-बड़े उद्योगपति, व्यवसाई राजनीतिक दलों को प्रारंभ से चंदा देते आए हैं । इस बारे में इलेक्टोरल बॉन्ड की स्कीम भी भारत सरकार ने बनाई थी लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इसे असंवैधानिक मानते हुए निरस्त कर दिया था। स्कीम के अंतर्गत अधिकांश चंदा भारतीय जनता पार्टी को मिला था।

चंदे की राशि राजनीतिक दलों को चुनाव में खर्च करने हेतु मिलती है। सामान्यतः चंदा, सत्ताधारी दल को अधिक मिलता है क्योंकि व्यापारिक हित साधने में सत्ताधारी दल ही अधिक सहायता कर सकता है। यह उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग में पंजीकृत किसी भी राजनीतिक दल को दिया गया चंदा आयकर से पूरी तरह मुक्त होता है, अर्थात जो भी व्यक्ति किसी राजनीतिक दल को चंदा देगा उसकी आय में से वह राशि कम कर दी जाती है। उसी के अनुसार उसे आयकर में मुक्ति मिल जाती है।

आज हम चुनाव लड़ने वाली मान्यता प्राप्त बड़ी पार्टियों को मिलने वाले चंदे की बात नहीं करेंगे। इस लेख में हम उस चुनावी चंदे की बात करेंगे जो पंजीकृत किंतु गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को मिलता है। इन्हें संक्षेप में RUPP (Registered, Unrecognised Political Party) कहा जाता है। इन पार्टियों में अधिकांश तो ऐसी हैं, जिनका शायद किसी ने कभी नाम ही न सुना हो। ये दल कभी-कभार किसी चुनाव में एक या दो उम्मीदवार उतारते हैं। कई ने तो आज तक कोई उम्मीदवार किसी चुनाव में उतारा ही नहीं।

बीबीसी चैनल के एक पत्रकार ने जब इन दलों को मिलने वाले चंदों के बारे में खोज बीन की तो कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। सर्वाधिक चंदा प्राप्त करने वाले इन दलों में प्रथम 6 का मुख्यालय गुजरात में अहमदाबाद के पास नरोड़ा में है।

इन आर यू पी पी की चर्चा हाल ही में बहुत अधिक हो रही है । इन दलों को कुल मिलाकर लगभग 1700 करोड़ से अधिक का चुनावी चंदा वर्ष 2023-24 में मिला। जब बीबीसी की पत्रकार इनके मुख्यालय पर गई तो इनमें ताला लगा मिला या किसी बहुत छोटे से कमरे में कार्यालय चलता हुआ मिला,जबकि इन्हें चंदा करोड़ों में मिला।

पाठकों को शायद पता होगा कि किसी भी राजनीतिक दल को दिए जाने वाला चंदा आय कर अधिनियम की धारा 80 जी जी सी के अंतर्गत 100 प्रतिशत कर मुक्त है। मजे की बात यह है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और अन्य विकास कार्यों में लगी स्वैच्छिक संस्थाओं को यदि कोई चंदा देता है तो उसके लिए आयकर अधिनियम की धारा 80 जी के अंतर्गत कुल चंदे के 50 प्रतिशत पर ही छूट मिलती है।

यह जानना दिलचस्प होगा कि वर्ष 2023-24 में किन गैर मान्यता प्राप्त दलों को 100 करोड़ रुपए से अधिक चंदा मिला।जिन 6 रजिस्टर्ड unrecognised राजनीतिक दलों को वर्ष 2023-24 में 100 करोड़ रुपए से अधिक चंदा मिला, उनका विवरण निम्न प्रकार है:-

1. आम जनता पार्टी 620 करोड़ रुपए, 2. सत्यवादी रक्षक पार्टी 330 करोड़ रुपए,
3. स्वतंत्रता अभिव्यक्ति पार्टी 219 करोड़ रुपए, 4. न्यू इंडिया यूनाइटेड पार्टी 200 करोड़ रुपए ,
5. भारतीय नेशनल जनता दल 191 करोड़ रुपए, 6. गरीब कल्याण पार्टी 138 करोड़ रुपए

वर्ष 2023-24 में अपंजीकृत गैर मान्यता प्राप्त पार्टियों को कुल 1700 करोड़ रुपए का चंदा मिला जो भाजपा को छोड़ कर शेष सभी राष्ट्रीय पार्टियों को प्राप्त कुल चंदे से भी अधिक था।

यह प्रश्न भी विचारणीय है कि राजनीतिक दलों को दिए जाने वाला चंदा आयकर से मुक्त क्यों होना चाहिए? जब शिक्षा, स्वास्थ्य और विभिन्न सामाजिक कार्यों में लगी संस्थानों में दिए जाने वाला चंदा भी 50 प्रतिशत तक ही आयकर से मुक्त है तो, राजनीतिक दलों, विशेष कर फर्जी राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे पर 100 प्रतिशत की छूट क्यों हो?

जिन लोगों ने यह चंदा दिया, उन्हें इस पूरी रकम पर आयकर से छूट मिल गई। आयकर अधिनियम के अंतर्गत 5 करोड़ से अधिक आय वाले किसी भी व्यक्ति या कंपनी को 30 प्रतिशत का आयकर देना होता है। इस पर 37 प्रतिशत सरचार्ज और 4 प्रतिशत सेस मिलकर यह 42.3 प्रतिशत हो जाता है। इस प्रकार 5 करोड़ से अधिक चंदा देने वाले को आय कर में लगभग 2 करोड़ की छूट मिल जाती है। यदि कोई व्यक्ति 10 करोड रुपए चंदा देता है तो उसे आयकर में 4 करोड़ से अधिक की बचत हो जाएगी। वास्तविकता यह है कि जिन पंजीकृत गैर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को यह चंदा मिलता है वह प्राप्त कुल राशि का लगभग 5-7 प्रतिशत काटकर नकद में पूरा वापस दानदाता को लौटा देती हैं। इस प्रकार दलों का काला धन, सफेद में परिवर्तित हो जाता है। दान देने वाले को आयकर से मुक्ति मिल जाती है। वह नकद प्राप्त राशि को ऐशो आराम में खर्च कर सकता है। वैसे भी भारत में अभी भी कई सौदे नकद में ही होते हैं।

जब बीबीसी के पत्रकार ने पंजीकृत गैर मान्यता प्राप्त दलों के पदाधिकारी से बात की तो उनके द्वारा बताया गया कि वे भाजपा से संबंधित हैं। सबसे अधिक चंदा प्राप्त करने वाले 6 ऐसे दलों में से चार का पंजीकरण अहमदाबाद के नरोडा में है। यह संयोग नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह भी गुजरात से हैं और वहीं पर ऐसे दलों का पंजीकरण है जो बिना कोई चुनाव लड़े भी प्रतिवर्ष सैकड़ो करोड़ का चंदा प्राप्त कर रहे हैं।

आयकर अधिनियम के अंतर्गत कोई अनियमितता होने पर देय आयकर पर दोगुना पेनल्टी लगती है। यदि आयकर विभाग और अन्य एजेंसी निष्पक्षता से इन दाताओं की जांच करती तो, इन सब पर देय आयकर की 200 प्रतिशत अर्थात दुगनी राशि पेनल्टी के रूप में वसूल की जा सकती थी। इस प्रकार, चंदे की लगभग पूरी राशि पेनल्टी के रूप में वसूल की जा सकती थी। इससे आयकर विभाग को हजारों करोड रुपए का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त होता।

आयकर कानून के प्रावधानों का गलत उपयोग करने वाले पर आपराधिक प्रकरण दर्ज किया जाकर उसे लिए 7 वर्ष के कारावास का प्रावधान भी किया गया है। क्योंकि इतना अधिक चंदा प्राप्त करने वाले ये सभी राजनीतिक दल और चंदा देने वाले गुजरात से ही हैं, अतः किसी प्रकार की कोई आपराधिक कार्रवाई किसी के ऊपर नहीं की गई।

इस पूरे गोरख धंधे में चार्टर्ड अकाउंटेट की सक्रिय भागीदारी होती है। इनके 'मार्गदर्शन' के बिना यह संभव नहीं है। यूं कहें कि, वे ही इसके सूत्रधार होते हैं, तो गलत नहीं होगा। ऐसे सी ए का लाइसेंस भी निरस्त होना चाहिए।

कुल मिलाकर, यह पूरा खेल पूंजी पतियों के लिए अपनी आयकर देयता से बचने का और राजनीतिक दलों के लिए, विभिन्न तरीकों से अर्जित काले धन को सफेद में परिवर्तित करने का माध्यम बन कर रह गया है।

चुनाव आयोग ने भी इस बात की कोई जांच करने की परवाह नहीं की, कि जो दल सैंकड़ों करोड़ रुपए का चंदा प्रतिवर्ष प्राप्त कर रहे हैं, उनका खर्चा कहां और किस प्रकार से हो रहा है? क्या ऐसे दलों का पंजीकरण तत्काल निरस्त नहीं कर देना चाहिए था?

यह प्रश्न भी विचारणीय है कि राजनीतिक दलों को दिए जाने वाला चंदा आयकर से मुक्त क्यों होना चाहिए? जब शिक्षा, स्वास्थ्य और विभिन्न सामाजिक कार्यों में लगी संस्थानों में दिए जाने वाला चंदा भी 50 प्रतिशत तक ही आयकर से मुक्त है तो, राजनीतिक दलों, विशेष कर फर्जी राजनीतिक दलों को मिलने वाले चंदे पर 100 प्रतिशत की छूट क्यों हो?

आयकर चोरी और काले सफेद का यह धंधा, सालों से चुनाव आयोग और आयकर विभाग की नाक के नीचे अनवरत रूप से चल रहा है और फिर भी आयकर कानून में संशोधन करने की कोई बात नहीं की जा रही है । निर्वाचन आयोग भी एक प्रकार से धृतराष्ट्र की तरह आंख बंद करके बैठा है।

अब, जबकि,बी बी सी द्वारा यह तथ्य सार्वजनिक रूप से सबके सामने लाया जा चुका है, तो क्या जिन लोगों ने इस प्रकार का काम किया, उन पर पेनल्टी के रूप में आयकर वसूल किया जाएगा और उनके पदाधिकारी की जाँच की जाएगी? चंदा देने वालों के नाम भी सार्वजनिक रूप से सबके सामने लाने चाहिए ताकि इस प्रकार के धंधे में लिप्त लोगों को शर्मिंदा किया जा सके तथा यह भी पता चल सके कि उन्हें किन बड़े राजनीतिज्ञों का संरक्षण प्राप्त था? एक बार जब इस प्रकार की कठोर कार्यवाही होगी तो अपने आप इस प्रकार की प्रवृत्ति पर अंकुश लगेगा। यही निष्पक्ष चुनावों और लोकतंत्र के हित में होगा।

-अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

ब्रिक्स अनाज विनिमय : भारतीय कृषि व्यापार के लिए एक ऐतिहासिक और क्रांतिकारी अवसर

प्रोफेसर पी. सी. कंठालिया

वैश्विक भू-राजनीति और आर्थिक समीकरणों में 21वीं सदी के सबसे बड़े बदलावों का गवाह आज पूरा विश्व बन रहा है। इस बदलाव के केंद्र में है ब्रिक्स संगठन, जो अब विकासशील देशों की आवाज़ से आगे बढ़कर वैश्विक वित्तीय और व्यापारिक व्यवस्था को एक नया विकल्प देने की स्थिति में आ चुका है। इस दिशा में जो सबसे क्रांतिकारी और दूरगामी कदम उठाया गया है, वह है ब्रिक्स अनाज विनिमय समझौता।

हाल ही में नई दिल्ली घोषणापत्र (सितंबर 2026) में इस डिजिटल ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म को अंतिम रूप देने और इसे तेजी से लागू करने पर जो आम सहमति बनी है, उसने वैश्विक कृषि बाजार में हलचल पैदा कर दी है। भारत जैसे कृषि-प्रधान देश के लिए यह समझौता केवल एक राजनयिक सफलता नहीं है, बल्कि यह देश के कृषि निर्यातकों, अनाज व्यापारियों, एग्री-स्टार्टअप्स और अंततः करोड़ों किसानों के लिए एक नए युग की शुरुआत है। यह पहल न केवल वैश्विक अनाज बाजार में दशकों से चले आ रहे पश्चिमी देशों के एकाधिकार को चुनौती देगी, बल्कि भारतीय अनाज व्यापारियों को अधिक मुनाफा, व्यापारिक स्वतंत्रता और सुरक्षा भी प्रदान करेगी।

आइए अत्यंत व्यावहारिक उदाहरणों के साथ गहराई से समझते हैं कि यह ऐतिहासिक समझौता भारतीय अनाज व्यापार के परिदृश्य को किस तरह बदलने जा रहा है:

बिचौलियों का वैश्विक संजाल ध्वस्त: अंतरराष्ट्रीय खरीदारों तक सीधी डिजिटल पहुंच

वर्तमान अंतरराष्ट्रीय कृषि व्यापार व्यवस्था अत्यंत जटिल और खर्चीली है। आज यदि भारत का कोई व्यापारी किसी दूसरे महाद्वीप के देश को अनाज बेचना चाहता है, तो चाहकर भी वह ऐसा सीधे नहीं कर सकता। उसे स्विट्जरलैंड, अमेरिका या यूरोपीय देशों में स्थित बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियों और अंतरराष्ट्रीय ब्रोकरेज फर्मों के नेटवर्क से गुजरना पड़ता है। ये वैश्विक बिचौलिए जहाजों की बुकिंग से लेकर क्रेडिट लेटर जारी करने तक, हर स्तर पर अपना मोटा कमीशन वसूलते हैं। इसके कारण भारतीय व्यापारी का वास्तविक मुनाफा बेहद सिकुड़ जाता है।

कल्पना कीजिए कि पंजाब या उत्तर प्रदेश का एक बड़ा अनाज निर्यातक मिस्र या ब्राजील की किसी सरकारी या निजी कंपनी को 50,000 टन गैर-बासमती चावल निर्यात करना चाहता है। वर्तमान व्यवस्था में उसे किसी वैश्विक एग्री-जायंट कंपनी को बीच में लाना होगा, जो कुल सौदे का 3 से 5 प्रतिशत तक कमीशन खा जाती है। लेकिन ब्रिक्स ग्रेन एक्सचेंज पूरी तरह से एक अत्याधुनिकडिजिटल ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म के रूप में काम करेगा। यह सीधे उत्पादक देशों के व्यापारियों को खरीदार देशों के आयातकों से एक क्लिक पर जोड़ देगा। इसका परिणाम यह होगा कि भारतीय निर्यातक बिना किसी विदेशी ब्रोकर के, सीधे मिस्र के खरीदार से डिजिटल एग्रीमेंट करेगा। बिचौलियों के हटने से जो करोड़ों रुपये की बचत होगी, वह सीधे भारतीय व्यापारी के मुनाफे में जुड़ेगी और व्यापारी किसानों को भी फसल का बेहतर दाम दे पाएंगे।

शिकागो के सट्टेबाजों से मुक्ति: निष्पक्ष और वास्तविक मूल्य निर्धारण

अब तक दुनिया भर में अनाज की कीमतें कैसे तय होती हैं? इसका फैसला भारत, रूस या ब्राजील के खेतों में नहीं, बल्कि अमेरिका केशिकागो बोर्ड ऑफ ट्रेड जैसे पश्चिमी कमोडिटी एक्सचेंजों में होता है। विडंबना यह है कि इन एक्सचेंजों में कीमतें वास्तविक मांग और आपूर्ति से ज्यादा वॉल स्ट्रीट के सट्टेबाजों, हेज फंड्स और वित्तीय हेरफेर के आधार पर तय होती हैं। कई बार भारत में बंपर पैदावार होने के बावजूद, शिकागो मार्केट में कृत्रिम मंदी के कारण भारतीय व्यापारियों को वैश्विक बाजार में औने-पौने दाम पर अनाज बेचना पड़ता है।

चूंकि नए सदस्यों के शामिल होने के बाद ब्रिक्स देश अब दुनिया के कुल खाद्यान्न उत्पादन का 40 प्रतिशत से अधिकऔर वैश्विक अनाज खपत का एक बहुत बड़ा हिस्सानियंत्रित करते हैं, इसलिए ब्रिक्स ग्रेन एक्सचेंज अपना खुद कान्यायसंगत मूल्य संकेतक विकसित कर रहा है।

मान लीजिए कि किसी साल अमेरिका या यूरोप में भू-राजनीतिक तनाव या वित्तीय सट्टेबाजी के कारण वैश्विक बाजारों में गेहूं की कीमतें अचानक 25 प्रतिशत गिर जाती हैं। वर्तमान में, भारतीय व्यापारी को भी अपना गेहूं सस्ते में बेचना पड़ता है। लेकिन ब्रिक्स एक्सचेंज लागू होने के बाद, चूंकि रूस दुनिया का सबसे बड़ा गेहूं निर्यातक है और भारत-चीन सबसे बड़े उपभोक्ता हैं, ये देश आपस में मिलकर अपनी वास्तविक मांग और आपूर्ति के आधार पर एक स्वतंत्र और स्थिर मूल्य तय करेंगे। पश्चिमी देशों की कृत्रिम मंदी या सट्टेबाजी का भारतीय व्यापारियों के सौदों पर कोई असर नहीं पड़ेगा, जिससे उनका व्यापारिक जोखिम लगभग शून्य हो जाएगा।

डॉलर का वर्चस्व खत्म: रुपया-रूबल और स्थानीय मुद्राओं में सुरक्षित व्यापार

भारतीय कृषि निर्यातकों के लिए सबसे बड़ा सिरदर्द हमेशा से विदेशी मुद्रा का उतार-चढ़ाव रहा है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अमेरिकी डॉलर की अनिवार्यता के कारण, भारतीय व्यापारियों को पहले अपनी धनराशि को डॉलर में बदलना पड़ता है और फिर सामने वाला देश उसे अपनी करेंसी में बदलता है। इस प्रक्रिया में दोहरी मार पड़ती है-एक तो बैंकों का भारी-भरकम करेंसी कन्वर्शन चार्ज और दूसरा, डॉलर की कीमत में होने वाले दैनिक उतार-चढ़ाव का जोखिम। यदि सौदा करने और भुगतान मिलने के बीच डॉलर मजबूत या कमजोर हो गया, तो व्यापारी का पूरा गणित बिगड़ जाता है।

ब्रिक्स अनाज विनिमय का सबसे मजबूत स्तंभडी-डॉलरलाइजेशन है, यानी व्यापार को अमेरिकी डॉलर के चंगुल से निकालकर सदस्य देशों की स्थानीय मुद्राओं (जैसे भारतीय रुपया, रूसी रूबल, चीनी युआन) में शिफ्ट करना।

मध्य प्रदेश या राजस्थान का एक व्यापारी रूस से रियायती दरों पर पीली मटर या सूरजमुखी का कच्चा तेल आयात करना चाहता है। वर्तमान में उसे भारतीय बैंक से डॉलर खरीदने पड़ते हैं, जिस पर पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों और स्विफ्ट बैंकिंग सिस्टम की सख्त निगरानी का खतरा रहता है। ब्रिक्स एक्सचेंज के तहत, वह सीधेरुपया-रूबल मैकेनिज्म या ब्रिक्स पे डिजिटल सिस्टम का उपयोग करेगा। वह भारत में अपने बैंक खाते से रुपये में भुगतान करेगा, जो सीधे रूसी निर्यातक को रूबल में मिल जाएगा। इससे न केवल डॉलर विनिमय की ऊंची लागत बचेगी, बल्कि पश्चिमी प्रतिबंधों का डर पूरी तरह समाप्त हो जाएगा और व्यापार निर्बाध रूप से चलेगा।

बहु-वस्तु विस्तार: बासमती से लेकर मसालों और कपास तक के रास्ते खुले

हालांकि इस समझौते की रूपरेखा में प्राथमिक ध्यान बुनियादी अनाजों जैसे गेहूं, चावल, मक्का और जौ पर दिया गया है, लेकिन इसका विज़न इससे कहीं अधिक व्यापक है। ब्रिक्स देशों के बीच बनी सहमति के अनुसार, शुरुआती चरण के सफल संचालन के बाद इस डिजिटल विनिमय मंच का विस्तार अन्य उच्च मूल्य वाली कृषि जिंसों तक किया जाएगा। यह भारत के विभिन्न राज्यों के विशिष्ट कृषि उत्पादों के व्यापारियों के लिए वैश्विक बाजार के द्वार खोल देगा।

हरियाणा और दिल्ली के बासमती चावल निर्यातक, केरल के मसाला व्यापारी, असम के चाय निर्यातक और गुजरात के कपास व्यापारी जो अब तक अलग-अलग देशों के कठिन नियमों और कागजी कार्रवाई से जूझते थे, वे सभी इसी एक ब्रिक्स प्लेटफॉर्म के अंतर्गत आ जाएंगे। उदाहरण के लिए, यदि गुजरात के एक व्यापारी को दक्षिण अफ्रीका या ईरान को कपास निर्यात करना है, तो उसे हर देश के लिए अलग से कागजी झंझट नहीं करना होगा। ब्रिक्स एक्सचेंज के एकीकृत नियमों के कारण, वह एक ही बार में पूरे ब्रिक्स ब्लॉक के देशों में अपना माल बिना किसी बाधा के बेच सकेगा।

चुनौतियाँ और आगे की राह

निश्चित रूप से, इस प्रकार के विशाल बहुपक्षीय विनिमय को सुचारू रूप से चलाने के लिए कुछ चुनौतियाँ भी हैं। सदस्य देशों के बीच गुणवत्ता के मानकों को एक समान करना, एक साझा डिजिटल लॉजिस्टिक्स ट्रैकिंग सिस्टम बनाना और स्थानीय मुद्राओं के निपटान के लिए केंद्रीय बैंकों के बीच रीयल-टाइम समन्वय स्थापित करना अभी बाकी है। भारत सरकार को चाहिए कि वह देश के भीतर भंडारण सुविधाओं और बंदरगाहों के बुनियादी ढांचे को और मजबूत करे ताकि इस एक्सचेंज से मिलने वाले भारी ऑर्डर को समय पर पूरा किया जा सके।

निष्कर्ष– ब्रिक्स अनाज विनिमय समझौता केवल एक व्यापारिक संधि नहीं है, बल्कि यह वैश्विक कृषि-अर्थव्यवस्था के लोकतांत्रिकरण की दिशा में एक साहसिक और ऐतिहासिक कदम है। यह भारतीय कृषि-व्यापार को आत्मनिर्भर, लचीला और वैश्विक झटकों से सुरक्षित बनाने का एक अभूतपूर्व अवसर प्रदान करता है।

पश्चिमी वित्तीय व्यवस्था के एकाधिकार को तोड़कर, यह डिजिटल मंच भारतीय व्यापारियों को एक ऐसा पारदर्शी, सुरक्षित और अत्यंत कम लागत वाला बाजार दे रहा है, जिसकी कल्पना आज से एक दशक पहले असंभव थी। जब भारतीय अनाज व्यापारियों की तिजोरी इस व्यवस्था से भरेगी, तो इसका सीधा और सकारात्मक प्रभाव देश के ग्रामीण अंचलों तक पहुंचेगा, जिससे भारत के अन्नदाता किसानों को उनकी मेहनत का उचित और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी मूल्य मिल सकेगा। यह वास्तव में भारतीय कृषि क्षेत्र के लिए ग्लोबल होने का सबसे सही समय है।

–प्रोफेसर (डा.) पी. सी. कंठालिया,
पूर्व विभागाध्यक्ष (मृदा विज्ञान) एवं मुख्य वैज्ञानिक,
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि, उदयपुर

राजस्थान के राज्य विश्वविद्यालयों में पेंशन संकट : अब स्थायी समाधान का समय

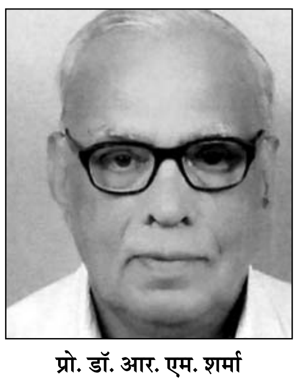

प्रो. डॉ. आर. एम. शर्मा

राजस्थान में उच्च शिक्षा के विस्तार की कहानी संस्थागत विस्तार, भौगोलिक विस्तार और सार्वजनिक निवेश की कहानी है। 1947 में राजस्थान विश्वविद्यालय की स्थापना से लेकर जोधपुर के जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, उदयपुर के मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय और बाद में अजमेर, बीकानेर, कोटा सहित अनेक स्थानों पर विश्वविद्यालयों की स्थापना तक – राज्य ने उच्च शिक्षा का व्यापक नेटवर्क खड़ा किया। यह विस्तार निस्संदेह एक उपलब्धि है। लेकिन सवाल यह है कि क्या राज्य ने इन संस्थानों को उतना ही मज़बूती से वित्तीय रूप से टिकाऊ भी बनाया, जितना उसने इन्हें स्थापित किया। इस असफलता का सबसे स्पष्ट संकेत है राज्य-वित्तपोषित विश्वविद्यालयों में बढ़ता पेंशन भुगतान संकट।

संकट के आंकड़े - राज्य विश्वविद्यालयों के लगभग 8,000 पेंशनभोगियों को वर्तमान में कुल लगभग 500 करोड़ वार्षिक पेंशन का भुगतान होता है – जो राज्य के कुल पेंशन व्यय का 2 प्रतिशत से भी कम है। यह केवल वित्तीय बोझ का सवाल नहीं, बल्कि अपेक्षाकृत सीमित व्यय से हजारों सेवानिवृत्त कर्मचारियों की सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रश्न है। नए विश्वविद्यालयों की स्थापना ने पुराने विश्वविद्यालयों की संबद्धता और परीक्षा आय जैसे स्त्रोत घटाए हैं, जबकि उनके पेंशन दायित्व यथावत बने हुए हैं। वर्तमान आय घट-बढ़ सकती है, पर सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन देयता कभी समाप्त नहीं होती – बल्कि महंगाई राहत, वेतन संशोधन और पारिवारिक पेंशन जैसे कारणों से यह बढ़ती ही जाती है। ऐसी स्थिति में किसी भी राज्य विश्वविद्यालय से यह अपेक्षा करना अव्यावहारिक है कि वह अपने सीमित आंतरिक संसाधनों से पूरी पेंशन देयता वहन करे।

जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। धारा 36 के तहत पेंशन, बीमा और भविष्य निधि का प्रावधान है, और 1990 से पेंशन नियम लागू हैं – लेकिन पेंशन निधि की कमी पूरी करने के लिए राज्य के स्पष्ट और निरंतर वित्तीय अंशदान की कोई ठोस वैधानिक गारंटी उपलब्ध सामग्री में नहीं मिलती। यही समस्या राजस्थान विश्वविद्यालय, एमएलएसयू, वीएमओयू, एमडीएसयू, एसकेआरएयू सहित राज्य के अधिकांश प्रमुख विश्वविद्यालयों में देखी जाती है – यह किसी एक संस्थान की नहीं, बल्कि संरचनात्मक समस्या है।

पेंशन कोई कृपा नहीं, अधिकार है -सर्वोच्च न्यायालय ने Deokinandan Prasad v. State of Bihar (1971) में स्पष्ट किया कि पेंशन एक मूल्यवान अधिकार है, कोई सरकारी कृपा नहीं। D.S. Nakara v. Union of India (1983) में संविधान पीठ ने पेंशन को सामाजिक सुरक्षा का दर्जा दिया।प्रभु नारायण बनाम उत्तर प्रदेश राज्य (2004) में कहा गया कि पेंशन का अधिकार लागू नियमों के अंतर्गत स्थापित होना चाहिए। सवाल अब यह नहीं कि अधिकार है या नहीं – सवाल यह है कि इसका नियमित और समयबद्ध भुगतान कैसे सुनिश्चित हो।

पेंशन में देरी केवल लेखा-जोखा की समस्या नहीं है। सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए पेंशन ही आय का मुख्य स्त्रोत है – भोजन, आवास, चिकित्सा और पारिवारिक आवश्यकताओं का आधार। लंबे समय तक भुगतान न होना वृद्ध नागरिकों की आर्थिक सुरक्षा और गरिमा, दोनों को प्रभावित करता है। पेंशनभोगियों ने चुप्पी नहीं साधी है। मुख्यमंत्री, वित्त मंत्री, मुख्य सचिव और उच्च शिक्षा विभाग को बार-बार ज्ञापन दिए गए हैं, प्रतिनिधिमंडलों ने वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की है, और जोधपुर में लगभग 90 दिनों तक शांतिपूर्ण धरना भी चला – फिर भी स्थायी समाधान अब तक सामने नहीं आया।

अन्य राज्यों का अनुभव - तुलनात्मक अध्ययन बताता है कि राजस्थान से किसी पूरी तरह नई व्यवस्था की मांग नहीं है – कई राज्यों में पहले से ऐसे मॉडल मौजूद हैं। असम में डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय की पेंशन देयता के लिए सरकारी अनुदान दिया गया है। छत्तीसगढ़ में पेंशन-ग्रेच्युटी निधि की कमी पूरी करने हेतु सरकारी सहायता की व्यवस्था है। पंजाब में राज्य का सीपीएफ में मिलान अंशदान पेंशन निधि के लिए वार्षिक अनुदान के रूप में दिया जाता है। गुजरात और गोवा में विश्वविद्यालय कर्मचारियों पर सीधे सरकारी पेंशन-कोषागार व्यवस्था लागू है, जबकि महाराष्ट्र और त्रिपुरा में राज्य पेंशन नियमों का विस्तार विश्वविद्यालय कर्मचारियों तक किया गया है। राजस्थान को किसी एक मॉडल की यांत्रिक नकल करने की आवश्यकता नहीं – वह अपनी परिस्थितियों के अनुरूप इनमें से एक या अनेक मॉडलों को मिलाकर नई व्यवस्था बना सकता है।

जहां सरकारी महाविद्यालयों के पेंशनभोगियों को राज्य कोषागार से सीधे पेंशन मिलती है, वहीं राज्य विश्वविद्यालयों के पेंशनभोगी संबंधित संस्थान की अनिश्चित वित्तीय स्थिति पर निर्भर क्यों रहें – यह प्रश्न सार्वजनिक उच्च शिक्षा व्यवस्था के भीतर समानता का एक बुनियादी सवाल खड़ा करता है।

चार व्यावहारिक समाधान

राज्य सरकार निम्न में से किसी एक या संयुक्त व्यवस्था पर विचार कर सकती है:

1. पेंशन निधि की कमी पूरी करने के लिए नियमित अनुदान
2. स्थायी राज्य-विश्वविद्यालय पेंशन कॉर्पस फंड की स्थापना
3. बीमांकिक आधार पर तय अनुपात में राज्य का नियमित प्रतिशत अंशदान
4. सरकारी महाविद्यालयों के समान पात्र पेंशनभोगियों को राज्य कोषागार के माध्यम से सीधा भुगतान

चरणबद्ध रूप से आगे बढ़ा जा सकता है – पहले तत्काल विशेष सहायता से लंबित बकाया चुकाया जाए, फिर अंतरिम अवधि में नियमित मासिक पेंशन की गारंटी दी जाए, और मध्यम-दीर्घावधि में स्थायी कॉर्पस फंड व अंशदान सूत्र स्थापित हो।

साथ ही, भविष्य में जब भी नए विश्वविद्यालय स्थापित हों या पुनर्गठन हो, पुराने विश्वविद्यालयों पर पड़ने वाले वित्तीय प्रभाव और उनकी ऐतिहासिक पेंशन देयता का आकलन पहले से किया जाना चाहिए। और यह भी ध्यान रहे कि पेंशन व्यय को विश्वविद्यालय के सामान्य बजट से अलग रखा जाए, ताकि प्रयोगशाला, पुस्तकालय, शोध और छात्र-सुविधाओं पर इसका प्रतिकूल असर न पड़े।

निष्कर्ष– आज पेंशन की मांग करने वाले वही लोग हैं जिन्होंने राजस्थान की विश्वविद्यालयीय व्यवस्था को अपने हाथों से गढ़ा – जब संसाधन सीमित थे और संस्थान छोटे थे। यह मुद्दा केवल लेखा-बजट का नहीं, राज्य और उन नागरिकों के बीच के रिश्ते का है जिन्होंने उसकी सेवा की। पेंशनभोगी भले ही एक छोटा निर्वाचन-समूह हों, पर इसमें निहित सिद्धांत बहुत बड़ा है – सुशासन की असली परीक्षा यही है कि सरकार उन लोगों के साथ कैसा व्यवहार करती है जिन्होंने अपने जीवन के सर्वश्रेष्ठ वर्ष सार्वजनिक सेवा को समर्पित किए।

राजस्थान ने उच्च शिक्षा का सफलतापूर्वक विस्तार किया है। अब उसे यह सिद्ध करना होगा कि वह अपने द्वारा स्थापित विश्वविद्यालयों को टिकाऊ बना सकता है, और उन लोगों के प्रति अपना दायित्व निभा सकता है जिन्होंने इन संस्थानों का निर्माण किया।

"उच्च शिक्षा का विस्तार तब तक पूर्ण नहीं है, जब तक राज्य उन लोगों की सेवानिवृत्ति सुरक्षित नहीं करता जिन्होंने अपना कार्यजीवन उसके विस्तार में लगा दिया।" तात्कालिक और अस्थायी सहायता का समय बीत चुका है। अब एक स्थायी, राज्य-समर्थित विश्वविद्यालय पेंशन नीति का समय आ गया है।

–प्रो. डॉ. आर. एम. शर्मा,
पूर्व विभागाध्यक्ष, वाणिज्य एवं प्रबंधन अध्ययन संकाय,
जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

मंगलवार 15 सितम्बर, 2026

भाद्रपद मास, शुक्ल पक्ष, चतुरथी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत-2083, स्वाती नक्षत्र, दिन 3:21 तक, ऐन्द्रयन योग दिन 12:20 तक,विष्टि करण प्रातः 7:45 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-तुला, मंगल-मिथुन, बुध-कन्या, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज राजयोग दिन 3:21 तक है। कुमार योग दिन 3:21 से आरम्भ होगा। आज भद्रा 7:45 तक है। आज ऋषि प्रचमी, भाई पाँच, जैन संवत्सरी (पंचमी पक्ष), ऋषि अंगिरा जयन्ती, रक्षा पंचमी, गुरू पंचमी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया– चर 9:19 से 10:51 तक, लाभ-अमृत 10:51 से 1:54 तक, शुभ 3:25 से 4:57 तक।

राहुकाल– 3:00 से 4:30 तक, सूर्योदय 6:16, सूर्यास्त 6:28

मेष

व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त कार्य करना पड़ सकता है। आज परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

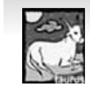

वृष

स्वास्थ्य में सुधार होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। आज व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

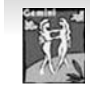

मिथुन

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कर्क

घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

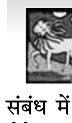

सिंह

शुभ कार्यों के लिए यात्रा संभव है। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

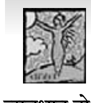

कन्या

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

तुला

परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

वृश्चिक

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय दूर होगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

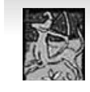

धनु

परिजनों के व्यवहार के कारण दुःख हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मकर

घर-परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

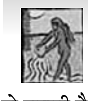

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में महत्वपूर्ण वार्ता हो सकती है और महत्वपूर्ण योजना बन सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

मीन

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

निकाय चुनाव में भाजपा का दबदबा बढ़ा; कहीं कांग्रेस की वापसी तो कहीं निर्दलीयों के हाथ में सत्ता की चाबी आई

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान के नगर निकाय चुनावों के नतीजों ने प्रदेश की सियासत में कई चौंकाने वाले संकेत दिए हैं। विधानसभा और लोकसभा चुनाव के बाद निकाय चुनाव में भाजपा ने कई शहरों में अपनी पकड़ बरकरार रखते हुए दबदबा बढ़ाया है, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस ने भी कई जगह वापसी के संकेत दिए हैं। सबसे अहम बात यह रही कि कई निकायों में निर्दलीय पार्षद किंगमेकर बनकर उभरे हैं। वहीं कुछ परिणाम ऐसे भी आए हैं, जिन्होंने दिग्गज नेताओं के राजनीतिक प्रभाव और स्थानीय संगठन की ताकत पर सवाल खड़े किए है।

प्रदेश के 10 नगर निगमों में उदयपुर और भीलवाड़ा में भाजपा का मेयर बनना लगभग तय माना जा रहा है, जबकि अलवर, कोटा और जयपुर में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर सामने आई है। बीकानेर में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिला है। पाली, अजमेर और जोधपुर में बहुमत का गणित रोचक है और यहां निर्दलीयों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। इस बार 10 नगर निगमों में भरतपुर में सर्वाधिक 73.68 प्रतिशत मतदान हुआ।

जोधपुर में 71.95, उदयपुर में 69.77 और कोटा में 67.66 प्रतिशत मतदान हुआ। कई शहरों में पिछले चुनाव की तुलना में मतदान बढ़ा और इसके साथ ही पुराने राजनीतिक समीकरण भी बदले।

भरतपुर में 36 निर्दलीय प्रत्याशी जीते

भरतपुर में चुनाव परिणामों ने भाजपा और कांग्रेस दोनों को चौंका दिया हैं। यहां 65 वार्डों वाले नगर निगम में 36 निर्दलीय प्रत्याशी जीते, जबकि भाजपा 20 सीटों के साथ सबसे बड़ी दलगत पार्टी बनी। यहां कांग्रेस को सिर्फ 7 सीटें मिलीं।

बसपा और आरएलपी को एक-एक वार्ड में जीत मिली। ऐसे में भरतपुर में महापौर से लेकर बोर्ड गठन तक निर्दलीय पार्षदों का रुख निर्णायक रहेगा। भाजपा सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद बहुमत के लिए निर्दलीयों का समर्थन जुटाने की स्थिति में है।

वसुंधरा राजे के गढ़ में कांग्रेस की सेंध

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के प्रभाव वाले क्षेत्र झालावाड़ में कांग्रेस का बोर्ड बनने जा रहा है। यह परिणाम भाजपा के लिए राजनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है, क्योंकि झालावाड़ को लंबे समय से राजे परिवार के मजबूत राजनीतिक प्रभाव वाला क्षेत्र माना जाता रहा है। इसी तरह पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के पुत्र और लोकसभा सांसद

■ **वसुंधरा राजे के गढ़, झालावाड़ में कांग्रेस का बोर्ड बना; दुष्यंत सिंह के संसदीय क्षेत्र बारां में ''आप'' को बहुमत**

दुष्यंत सिंह के संसदीय क्षेत्र बारां में आम आदमी पार्टी ने बहुमत हासिल कर चौंकाने वाला प्रदर्शन किया है। प्रदेश की मुख्यधारा की दो पार्टियों भाजपा-कांग्रेस के बीच आप का बहुमत हासिल करना स्थानीय निकाय चुनाव के सबसे अलग परिणामों में शामिल हो गया है।

जोधपुर में निर्दलीयों के भरोसे बोर्ड

जोधपुर में भाजपा और कांग्रेस के बीच मुकाबला बेहद करीबी रहा। यहां बोर्ड गठन का गणित निर्दलीय पार्षदों पर टिक सकता है। सबसे बड़ा उलटफेर कांग्रेस के शहर जिलाध्यक्ष की हार रहा। उन्हें भाजपा के मेघराज लोहिया ने हराया।

लोहिया पूर्व राज्यमंत्री रह चुके है। जोधपुर में 71.95 प्रतिशत मतदान हुआ था, जो चुनाव में मतदाताओं की मजबूत भागीदारी को दर्शाता है।

पाली-अजमेर में भी निर्दलीय महत्वपूर्ण

पाली और अजमेर में एक दल सबसे बड़ी ताकत के रूप में उभरा है, लेकिन बोर्ड बनाने के लिए बहुमत के आंकड़े तक पहुंचना चुनौती है। ऐसे में निर्दलीय पार्षदों की भूमिका अहम होगी। अजमेर में पिछली बार भाजपा ने 80 में से 48 वार्ड जीतकर बोर्ड बनाया था।

वहीं पाली में पिछली बार नगर परिषद के चुनाव में भाजपा ने 29 और कांग्रेस ने 22 वार्ड जीते थे। भाजपा ने आठ निर्दलीयों के समर्थन से बोर्ड बनाया था। इस बार नगर निगम बनने के बाद यहां का राजनीतिक गणित और महत्वपूर्ण हो गया है।

बीकानेर में कांग्रेस की बड़ी जीत

बीकानेर में कांग्रेस ने स्पष्ट बहुमत हासिल कर भाजपा को बड़ा झटका दिया है। उदयपुर और भीलवाड़ा में भाजपा मेयर बनाने की स्थिति में है।

उदयपुर में इस बार 69.77 प्रतिशत मतदान हुआ, जो पिछले चुनाव के 57.81 प्रतिशत के मुकाबले करीब 12 प्रतिशत अधिक है।

कोटा में बदला पुराना समीकरण

कोटा में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। यहां इस बार 67.66 प्रतिशत मतदान हुआ, जो पिछली बार से 1.89 प्रतिशत अधिक है। वर्ष 2020 में कोटा उत्तर और दक्षिण दो निगमों में बंटा था और दोनों जगह कांग्रेस ने बोर्ड बनाया था। उत्तर में कांग्रेस ने 47 और दक्षिण में 30 वार्ड जीते थे। दक्षिण में 14 निर्दलीयों ने जीत दर्ज की थी और कांग्रेस ने उनके समर्थन से बोर्ड बनाया था। इस बार एकीकृत निगम में भाजपा के सबसे बड़ी पार्टी बनने से पुराना समीकरण पलट गया है।

परबतसर में भाजपा प्रत्याशी को सिर्फ एक वोट

डीडवाना-कुचामन जिले की परबतसर नगर पालिका के वार्ड नंबर 13 का परिणाम भी चर्चा में रहा। यहां भाजपा प्रत्याशी कैलाश चंद को सिर्फ एक वोट मिला। प्रमुख राजनीतिक दल के प्रत्याशी को मिले इतने कम मतों ने स्थानीय राजनीति में चर्चाओं को जन्म दे दिया है।

क्रेशर प्लांट पर मजदूर बनकर छिपा था 25 हजार का इनामी तस्कर

■ **आर्थिक तंगी दूर करने के लिए शुरू की थी तस्करी, बाद में बना लिया धंधा**

जयपुर। राजस्थान पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे 'ऑपरेशन माहुरंगून' के तहत कार्रवाई करते हुए दो साल से फरार 25 हजार रुपए के इनामी तस्कर ब्रह्मालाल को महाराष्ट्र के नंदुरबार से गिरफ्तार किया है। आरोपी अपनी पहचान छिपाकर क्रेशर प्लांट पर मजदूर और ट्रैक्टर चालक बनकर रह रहा था। पुलिस से बचने के लिए उसने मोबाइल फोन का इस्तेमाल भी बंद कर दिया था।

एएनटीएफ आईजी विकास कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी ब्रह्मालाल (50) निवासी आसींद जिला भीलवाड़ा है। आरोपी पर जोधपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक की ओर से 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था।

एएनटीएफ आईजी के अनुसार अनपढ़ ब्रह्मालाल बचपन से खेती-बाड़ी और मवेशी चराने का काम करता था। बाद में ट्रैक्टर और ट्रक चलाना सीखा तथा खुद का ट्रक खरीदकर किराए पर चलाने लगा। ट्रक की किश्तें नहीं चुका पाने के कारण आर्थिक तंगी में वह तस्करों के संपर्क में आया। इसके बाद ट्रक में अन्य सामान के साथ गांजा, डोडा-पोस्त और अफीम की तस्करी करने लगा। तस्करी से अधिक कमाई होने लगी तो उसने इसे ही अपना मुख्य धंधा बना लिया।

वर्ष 2024 में जोधपुर ग्रामीण के आसोप थाना पुलिस ने ब्रह्मालाल के ट्रक को डोडा-चूरा के साथ पकड़ा था। इसके बाद वह गांव छोड़कर फरार हो गया। फरारी के दौरान पहले गुजरात के सोनगढ़ स्थित क्रेशर प्लांट पर मजदूरी की। बाद में भीलवाड़ा के एक परिचित के माध्यम से महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले के डेकवड क्षेत्र में पहुंच गया। यहां करीब एक साल से पहचान छिपाकर क्रेशर प्लांट पर मजदूरी करने के साथ ट्रैक्टर चला रहा था।एएनटीएफ को नंदुरबार से मुखबिर के जरिए संदिग्ध व्यक्ति की गुप्त फोटो मिली। फोटो के आधार पर उसकी पहचान ब्रह्मालाल के रूप में हुई। इसके बाद विशेष टीम महाराष्ट्र पहुंची और गिट्टी खरीदार बनकर क्रेशर प्लांट की रेकी शुरू की।

'वकीलों को जान से मारने की धमकी देने वाले को तुरंत गिरफ्तार करें'

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने जयपुर पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखा

जयपुर (कासं)। गोपालपुरा बाईपास से अवैध कोचिंग सेंटर्स हटवाने के लिए सुप्रीम कोर्ट में पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता राजदीपक रस्तोगी और एडवोकेट वीरेन्द्र अग्रवाल को जाने से मारने की धमकी मिलने के बाद राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने जयपुर पुलिस कमिश्नर को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की है।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव सोगरवाल और महासचिव दीपेश शर्मा की ओर से

■ **गोपालपुरा बाईपास से अवैध कोचिंग सेंटर्स हटवाने का मामला**

पुलिस आयुक्त को भेजे गए पत्र में स्पष्ट कहा गया है कि न्यायालय में विचाराधीन किसी प्रकरण को वापस लेने के लिए वकीलों और पक्षकारों को धमकाना न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर सीधा हमला है। एसोसिएशन ने पुलिस कमिश्नर से मांग की है कि आरोपियों की अविलंब गिरफ्तारी और पीड़ित वकीलों को तत्काल पुख्ता पुलिस सुरक्षा मुहैया करवायी जाए।

एसोसिएशन ने चेताया है कि यदि इस गंभीर मामले में पुलिस ने तत्काल सख्त कदम नहीं उठाए, तो इससे न केवल संबंधित अधिवक्ताओं की सुरक्षा खतरे में पडेगी, बल्कि अदालतों में निडर होकर पैरवी करने वाले पूरे अधिवक्ता समुदाय में भारी असुरक्षा की भावना पैदा होगी। ज्ञात रहे कि गोपालपुरा बाईपास स्थित 10-बी स्कीम के महासचिव गोपाल लाल अग्रवाल ने शिप्रापथ थाने में जो एफआईआर दर्ज करायी है, उसमें आरोप लगाया है कि एलेन कोचिंग इंस्टीट्यूट जिस भवन में संचालित हो रहा है, उसके स्वामी रघुवीर सिंह डागुर ने धमकी दी है कि अगली तारीख पर सुप्रीम कोर्ट से केस वापस नहीं लिया तो गोपाल अग्रवाल, वीरेंद्र अग्रवाल और राजदीपक रस्तोगी को जान से मरवा दिया जाएगा।

ढोल-नगाड़े बजे, लेकिन जश्न की थाप फीकी रही

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। नगरीय निकाय चुनाव परिणामों को लेकर भाजपा मुख्यालय में जीत के जश्न की तैयारियां की गईं। मुख्यालय पर ढोल-नगाड़े और ढोल पार्टी पहुंची, लेकिन उम्मीद के मुताबिक कार्यकर्ताओं की भीड़ नहीं जुट पाई। नतीजों के शुरुआती रुझानों के साथ ढोल की थाप सुनाई देती रही, लेकिन दोपहर तक जश्न का माहौल फीका नजर आया। जीत की खुशी में जोरदार जश्न की तैयारी थी, मगर सीमित संख्या में कार्यकर्ताओं की मौजूदगी के कारण ढोल-नगाड़ों की आवाज के बीच भी मुख्यालय पर वैसा उत्साह नजर नहीं आया, जिसकी पार्टी को उम्मीद थी।

मुख्यमंत्री ने की मोतीडूंगरी गणेश मंदिर में पूजा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गणेश चतुर्थी पर जयपुर स्थित मोतीडूंगरी मंदिर में भगवान श्रीगणेश के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने मंदिर में सपत्नीक विधिवत पूजा-अर्चना करते हुए प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि के लिए कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सभी प्रदेशवासियों को गणेश चतुर्थी के पर्व की शुभकामनाएं दी।

उदयपुर भूखंड घोटाला : फर्जी दस्तावेजों से लीज डीड बनवाने वाला आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। उदयपुर नगर निगम के बहुचर्चित भूखंड घोटाले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। एसओजी ने कूटरचित दस्तावेज तैयार कर नगर निगम से भूखंड की लीज डीड जारी करवाने और बाद में उसे बेचकर अवैध लाभ कमाने के आरोप में गुलाब सिंह राव (63) को गिरफ्तार किया है। इस मामले में एसओजी अब तक 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

आरोपी गुलाब सिंह राव

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि वर्ष 2004 में नगर विकास प्रन्यास (यूआईटी) उदयपुर से नगर निगम को हस्तांतरित किए गए भूखंडों में खाली और निरस्त पड़े भूखंडों के फर्जी व कूटरचित दस्तावेज तैयार किए गए थे। इसके बाद षड्यंत्र पूर्वक नगर निगम उदयपुर से इन भूखंडों की लीज डीड जारी करवाई गई। मामले में सूरजपोल थाना उदयपुर में दर्ज प्रकरण की जांच चल रही है। एसओजी की जांच और पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में सामने आया कि आरोपी गुलाब सिंह निवासी राजसमंद हाल उदयपुर ने अन्य सह-अभियुक्तों के साथ मिलकर भूखंड हड़पने की साजिश रची। जांच के अनुसार आरोपी ने हिरण मगरी सेक्टर-5 स्थित भूखंड संख्या 674 के फर्जी दस्तावेज अपने मृतक पिता माधु सिंह राव के नाम से तैयार करवाए। इसके बाद इन्हीं कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर नगर निगम उदयपुर से अपने नाम लीज डीड जारी करवा ली। बाद में भूखंड को बेचकर अवैध लाभ कमाया। जुर्म प्रमाणित पाए जाने पर एसओजी ने आरोपी गुलाब सिंह को गिरफ्तार किया। एसओजी इस भूखंड फर्जीवाडे में अब तक 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

राजशाही पोशाक और स्वर्ण मुकुट में सजे नहर के गणेशजी

जयपुर। गणेश चतुर्थी के पावन पर्व पर अतिप्राचीन दाहिनी सूंड दक्षिण मुखी श्री नहर के गणेशजी महाराज मंदिर में सोमवार को विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान हुए। इस अवसर पर प्रथम पूज्य गणेश जी महाराज को राजशाही पोशाक के साथ स्वर्ण मंडित मुकुट धारण करवाया गया। विशेष श्रृंगार में सजे गणपति के दर्शन के लिए श्रद्धालु पहुंचे और जन्मोत्सव का आनंद लिया।

मंदिर के युवाचार्य पं. मानव शर्मा ने बताया कि महंत पं. जय शर्मा के सान्निध्य में सुबह 5 बजे गणेश जी महाराज को राजशाही पोशाक धारण करवाई गई। इसके बाद स्वर्ण मंडित मुकुट पहनाकर मंगला आरती के साथ गणेश चतुर्थी उत्सव का शुभारंभ किया गया। इस दौरान गणपति का अभिषेक और विधिवत पूजन किया गया। उत्सव के दौरान गणेश जी महाराज को छप्पन भोग अर्पित किया गया। मंदिर में बैंड वादन के साथ धार्मिक माहौल बना रहा। बाद में आतिशबाजी भी की गई। राजशाही पोशाक और स्वर्ण मंडित मुकुट में सजे गणेश जी महाराज के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह नजर आया। भक्तों ने दर्शन कर पूजा-अर्चना की और बप्पा के जन्मोत्सव में भाग लिया।

जयपुर, जोधपुर और कोटा के 2 टुकड़े करने की कांग्रेस की तुष्टिकरण नीति को जनता ने नकारा : मदन राठौड़

जयपुर (कासं)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने प्रदेश के 309 निकायों में चुनाव परिणामों में भाजपा मिले जनादेश पर प्रदेशवासियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि जयपुर, जोधपुर और कोटा के 2 टुकड़े करने की कांग्रेस की तुष्टिकरण नीति को जनता ने सिरे से नकारा है। राजधानी जयपुर और कोटा में भाजपा को बहुमत मिला है। जबकि जोधपुर में भाजपा-कांग्रेस की बराबर सीटों पर जीत हुई हैं।

मदन राठौड़ ने कहा कि पिछली बार जहां भाजपा के पास सीमित संख्या में निकाय थे, वहीं इस बार भाजपा ने अपने प्रदर्शन में उल्लेखनीय विस्तार किया है। गत वर्ष 2019-21 में जहां 5 महापौर भाजपा के पास थे, इस बार 90 प्रतिशत भाजपा को सफलता मिली है। इसी तरह नगर परिषद में पिछली बार 29.41 प्रतिशत सफल हुए थे ,जो इस बार 65.95 प्रतिशत हो गया। वहीं नगर पालिका में पिछली बार 32.23 प्रतिशत सीटें थी, जो इस बार 67.06 प्रतिशत हो गई।

उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़

परिणाम ने भाजपा के विकास पर मुहर लगाने का काम किया है। जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की जनहितैषी योजनाओं को स्वीकारा है। अब पंचायत चुनाव में भी प्रदेशवासी भाजपा को अपना आशीर्वाद प्रदान करेंगे। राठौड़ ने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि जो हमारी आलोचना करते थे वो हमसे दो तिहाई पीछे है। प्रेसवार्ता में भाजपा चुनाव प्रभारी हरीश द्विवेदी, सह प्रभारी रोहन गुप्ता, भाजपा महामंत्री श्रवण सिंह बगडी, कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक और मीडिया प्रभारी प्रमोद वशिष्ठ उपस्थित रहे।

शहरों के बाद पंचायतों में भाजपा को जनता देगी जवाब : डोटासरा

जयपुर । प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने निकाय चुनाव परिणामों को भाजपा सरकार के ढाई साल के कामकाज का आईना बताते हुए दावा किया कि भाजपा की कांग्रेस पर बढ़त एक प्रतिशत से भी कम रह गई है। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में प्रेसवार्ता में डोटासरा ने कहा कि 2014-16 में भाजपा सरकार के दौरान भाजपा का वोट शेयर कांग्रेस से 8.12 प्रतिशत अधिक था, जबकि 2019-21 में कांग्रेस सरकार के समय कांग्रेस की भाजपा पर बढ़त 2.2 प्रतिशत थी। इस बार भाजपा की बढ़त एक प्रतिशत से भी कम रह गई।

डोटासरा ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने नियम विरुद्ध और मनमाना परिसीमन कराया। उन्होंने दावा किया कि परिसीमन को अलग रखकर देखा जाए तो कांग्रेस भाजपा से करीब 1500 वार्ड अधिक जीतती। उनके अनुसार 4097 भाजपा विजयी वार्डों में 1316 में जीत का अंतर 100 से कम और 772 में 50 से कम वोट रहा। 13 वार्ड भाजपा ने महज एक वोट से जीते। कांग्रेस ने 1316 वार्डों में पुनर्मतगणना की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस प्रत्याशी 200-300 वोटों से आगे होने वाले कुछ वार्डों के परिणाम भी रोके गए।

डोटासरा ने कहा कि 2023 विधानसभा चुनाव में 188 विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा का वोट शेयर 42.41 प्रतिशत था, जो लोकसभा चुनाव में 50.14 प्रतिशत हुआ, लेकिन निकाय चुनाव में घटकर 35.3 प्रतिशत रह गया। एससी आरक्षित वार्डों में कांग्रेस ने 542 और भाजपा ने 350 वार्ड

जीते। एससी महिला वार्डों में कांग्रेस 261 और भाजपा 186 तथा एसटी महिला वार्डों में कांग्रेस 53 और भाजपा 39 वार्ड जीती। उन्होंने इसे भाजपा के संविधान और आरक्षण विरोधी रवैये का जवाब बताया। डोटासरा ने कहा कि अजमेर के 80 में कांग्रेस 37 और भाजपा 32 वार्ड जीती। पाली में कांग्रेस 29 और भाजपा 21 वार्ड पर रही। बीकानेर में कांग्रेस ने 80 में से 42 वार्ड जीतकर बोर्ड बनाने का दावा मजबूत किया। जोधपुर में कांग्रेस ने 45 और भाजपा ने 44 वार्ड जीते, जबकि वोट शेयर क्रमश: 42.7 और 39.8 प्रतिशत रहा।उन्होंने कहा कि जयपुर में कांग्रेस को भाजपा से 10 हजार से अधिक वोट मिले, लेकिन वार्ड भाजपा ने अधिक जीते। जयपुर के वार्ड 31 में 13,499 और वार्ड 135 में 32,272 मतदाता होने का उदाहरण देते हुए उन्होंने परिसीमन में नियमों की अनदेखी का आरोप लगाया। सांगानेर में कांग्रेस का वोट शेयर 38.8 और भाजपा का 35.9 प्रतिशत बताया। भरतपुर में भाजपा केवल 20 वार्ड जीत सकी।

विधानसभा-लोकसभा के बाद निकाय चुनाव में भी भाजपा की लहर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की रणनीति ने बदले सियासी समीकरण, प्रदेश में मिला भरपूर जनादेश

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान के नगरीय निकाय चुनावों के नतीजों में भाजपा का दबदबा एक बार फिर नजर आया है। विधानसभा और लोकसभा चुनाव के बाद अब निकाय चुनाव में भी भाजपा ने कई शहरों में अपनी स्थिति मजबूत की है। पार्टी की इस सफलता के पीछे

■ **टिकट वितरण में पारदर्शिता से लेकर संभागवार वन-टू-वन संवाद और नगर निगमों में रोड शो तक-मुख्यमंत्री की चुनावी रणनीति का असर दिखा**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की चुनावी रणनीति, संगठन के साथ बेहतर तालमेल और टिकट वितरण में अपनाई गई पारदर्शी प्रक्रिया को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने चुनाव की शुरुआत से ही प्रत्याशी चयन को लेकर संगठन और स्थानीय कार्यकर्ताओं के फीडबैक को महत्व दिया। टिकट वितरण से पहले उन्होंने संभागवार

जयपुर समेत पूरे प्रदेश में भाजपा को निकाय चुनाव में मिले भरपूर जनादेश पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने हर्ष जताया।

नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ वन-टू-वन बैठकें कीं। इन बैठकों में स्थानीय राजनीतिक समीकरण, प्रत्याशियों की स्वीकार्यता, संगठन के प्रति सक्रियता और जमीनी स्थिति को लेकर फीडबैक लिया गया। इसका उद्देश्य ऐसे चेहरों को मैदान में उतारना रहा, जो अपने वार्ड में पार्टी को मजबूत स्थिति में पहुंचा सकें।

टिकट वितरण में पारदर्शिता पर जोर

निकाय चुनाव भाजपा के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण थे क्योंकि नगर निगम और नगर पालिकाओं के चुनाव सीधे तौर पर स्थानीय संगठन की ताकत और सरकार की लोकप्रियता का आकलन माने जाते हैं। टिकट वितरण के दौरान मुख्यमंत्री ने सभी वर्गों और क्षेत्रों को प्रतिनिधित्व देने के साथ जीतने की क्षमता को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। पार्टी के भीतर टिकट को लेकर दावेदारों की लंबी सूची के बावजूद मुख्यमंत्री ने अलग-अलग स्तर पर फीडबैक लेकर निर्णय प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। इससे पार्टी नेतृत्व को जमीनी स्तर पर संभावित प्रत्याशियों की स्थिति समझने में मदद मिली।

सभी निगमों में रोड शो से जोश भरा

चुनाव प्रचार के अंतिम दौर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के प्रमुख नगर निगम क्षेत्रों में रोड शो कर भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश की। रोड शो के दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और समर्थकों की मौजूदगी ने पार्टी के पक्ष में बने माहौल को और मजबूत किया। जयपुर में मुख्यमंत्री के रोड शो में कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। जगह-जगह स्वागत, पुष्पवर्षा और भाजपा के पक्ष में नारेबाजी हुई। मुख्यमंत्री ने रोड शो के जरिए जहां आम मतदाताओं तक सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों का संदेश पहुंचाया, वहीं कार्यकर्ताओं को भी चुनावी मैदान में पूरी ताकत से जुटने का संदेश दिया।

'ट्रिपल इंजन' सरकार का दिया संदेश

भाजपा ने निकाय चुनाव में डबल इंजन सरकार के साथ ट्रिपल इंजन सरकार का मुद्दा भी जोर-शोर से उठाया। पार्टी ने मतदाताओं से अपील की कि राज्य और केंद्र में भाजपा की सरकार के साथ नगर निकायों में भी भाजपा का बोर्ड बनने से विकास कार्यों को गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने अपने चुनावी संबोधनों में स्थानीय विकास, सड़क, सफाई, पेयजल, यातायात और शहरी सुविधाओं को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने निकायों को सरकार की विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का महत्वपूर्ण माध्यम बताया।

संगठन और सरकार के तालमेल का असर

निकाय चुनाव में भाजपा ने बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय किया। स्थानीय नेताओं, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां दी गईं। सरकार के स्तर पर विकास कार्यों और योजनाओं को मुद्दा बनाया गया, जबकि संगठन ने मतदाताओं तक पहुंचने और मतदान के दिन बूथ प्रबंधन पर फोकस किया।

विधानसभा और लोकसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में बने राजनीतिक माहौल को निकाय चुनाव तक बनाए रखना पार्टी के सामने बड़ी चुनौती थी। निकाय चुनाव के परिणामों से संकेत मिला है कि भाजपा का संगठनात्मक नेटवर्क और चुनावी मशीनरी स्थानीय स्तर तक सक्रिय बनी हुई है।

अब पंचायत चुनाव की तैयारी पर नजर

निकाय चुनाव के परिणाम भाजपा के लिए आगे की राजनीति के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। अब पार्टी की नजर आगामी पंचायत चुनावों पर रहेगी। निकाय चुनाव में मिली सफलता के बाद भाजपा संगठन इसे ग्रामीण क्षेत्रों तक ले जाने की रणनीति पर काम कर सकता है। राजनीतिक तौर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के लिए भी ये परिणाम महत्वपूर्ण हैं।

विधानसभा चुनाव में सत्ता में वापसी, लोकसभा चुनाव के बाद निकाय चुनाव में मजबूत प्रदर्शन और अब स्थानीय सरकारों में पार्टी की पकड़ मजबूत करने की कवायद से भजनलाल शर्मा का नेतृत्व और संगठन के भीतर उनकी चुनावी रणनीतिक क्षमता मजबूत होती दिखाई दे रही है।

टिकट से लेकर प्रचार तक सीधी निगरानी

टिकट वितरण में संभागवार फीडबैक, दावेदारों से वन-टू-वन संवाद, संगठन के साथ समन्वय, सभी प्रमुख नगर निगम क्षेत्रों में रोड शो और 'ट्रिपल इंजन सरकार' का संदेश-भाजपा की पूरी चुनावी रणनीति कई स्तरों पर काम करती नजर आई। निकाय चुनाव के नतीजों ने साफ कर दिया कि विधानसभा और लोकसभा के बाद भी राजस्थान में भाजपा का संगठनात्मक प्रभाव और चुनावी लहर पूरी तरह खत्म नहीं हुई है।

जोधपुर में भाजपा और कांग्रेस को 44-44 और रालोपा को एक सीट मिली

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के वार्ड से भाजपा के अशोक खींची चुनाव जीते

- वार्ड 56 में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और पूर्व राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत ने अपना मत दिया, वहां से कांग्रेस की पुष्पा देवी ने जीत दर्ज की
- पूर्व मेयर कुंती देवड़ा व कांग्रेस जिलाध्यक्ष ओमकार वर्मा हारे, पूर्व डिप्टी मेयर देवेंद्र सालेचा की भी हार, तीनों मेयर की रेस में शामिल थे

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर नगर निगम के 100 वार्डों में हुए चुनाव की मतगणना सोमवार को हुई। इसमें 99 वार्डों की गणना हो गई है। चुनाव में भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों को बहुमत नहीं मिल सका है। भाजपा और कांग्रेस ने 44-44 वार्डों पर अपना कब्जा जमाया है। वहीं आरएलपी ने एक सीट जीती है। निर्दलीय प्रत्याशियों के खाते में 10 सीटें गई हैं। वहीं वार्ड संख्या 50 का परिणाम घोषित नहीं हो सका है। यहां एक ईवीएम में खराबी होने के चलते रिपोलिंग की जाएगी। इस चुनाव में कई दिग्गज हार गए हैं। कांग्रेस में पूर्व मेयर कुंती देवड़ा व कांग्रेस जिलाध्यक्ष ओमकार वर्मा की करारी हार हुई है। वहीं भाजपा से पूर्व डिप्टी मेयर देवेंद्र सालेचा भी हार गए हैं। यह तीनों मेयर की रेस में शामिल थे।

शेखावत के वार्ड में कांग्रेस तो गहलोत के वार्ड में भाजपा जीती :-जोधपुर नगर निगम चुनाव की खास बात रही कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जहां वार्ड संख्या 88 में अपना मतदान किया, उस वार्ड से भाजपा के अशोक खींची चुनाव जीते। दूसरी ओर वार्ड संख्या 56 में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और पूर्व राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत ने अपना मत दिया, वहां से कांग्रेस की पुष्पा देवी ने जीत दर्ज की।

जानकारी के अनुसार शहर के पॉलिटेक्निक कॉलेज में जोधपुर नगर निगम चुनाव के 100 वार्डों में से 99 सीटों की मतगणना गई। काउंटिंग की शुरुआत डाक मतपत्रों की गिनती से की। इसके बाद अन्य मतों की गणना हुई। परिणाम के अनुसार वार्ड 99 में भाजपा की निकिता गहलोत ने पूर्व मेयर कुंती देवड़ा को 259 वोटों से शिकस्त दी। वार्ड 42 में कांग्रेस के शहर जिलाध्यक्ष ओमकार वर्मा को भी हार का सामना करना पड़ा। भाजपा के पूर्व राज्यमंत्री मेघराज लोहिया ने उन्हें 279 वोटों के अंतर से हराया।

वार्ड 51 का नतीजा भी खास रहा। कांग्रेस की 21 वर्षीय सरस्वती प्रजापत ने जीत दर्ज की। वे इस चुनाव में सबसे कम उम्र की प्रत्याशी हैं और फिलहाल संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा की तैयारी कर रही हैं। वार्ड 28 में भाजपा प्रत्याशी और फुटबॉल के राष्ट्रीय खिलाड़ी विकास राघवानी विजयी रहे। वहीं भाजपा प्रत्याशी और पूर्व डिप्टी मेयर देवेंद्र सालेचा हार गए। कांग्रेस से पूर्व जिलाध्यक्ष नरेशचंद्र जोशी जीते। इस वार्ड से भाजपा-कांग्रेस में सीधी टक्कर थी। जोधपुर नगर निगम में 100 वार्ड है, यहां 385 प्रत्याशी चुनाव मैदान में थे। इसमें कांग्रेस और भाजपा के 100-100 प्रत्याशी चुनावी मैदान में थे। वहीं अन्य दलों और निर्दलीय की संख्या 185 थी। कुल 7 लाख 12 हजार 164 मतदाता में से 5 लाख 12 हजार 410 मतदाताओं ने अपने वोट का उपयोग किया था। जोधपुर में मतदान प्रतिशत 71.95 प्रतिशत रहा।

वार्ड नंबर 50 के बूथ 338 पर फिर होगा मतदान :-वार्ड 50 के बूथ संख्या 338 पर ईवीएम में तकनीकी गड़बड़ी के चलते मतगणना नहीं हो सकी। ईवीएम की जांच के लिए इंजीनियर को बुलाया गया, लेकिन कोशिश के बाद भी मशीन से गणना संभव नहीं हुई। इसकी जानकारी रिटर्निंग अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी, प्रत्याशियों और उनके एजेंटों को दी गई। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर ने पूरे मामले से राज्य निर्वाचन आयोग को अवगत कराते हुए पत्र भेजा है। अब आयोग की अनुमति के बाद 16 सितंबर को बूथ संख्या 338 पर पुनर्मतदान कराया जाना संभावित है।

आरएलपी ने खोला खाता, निर्दलीयों ने मारी बाजी :-जोधपुर नगर निगम में इस बार हनुमान बेनीवाल की आरएलपी ने खाता खोल दिया। जोधपुर के वार्ड 66 से रालोपा उम्मीदवार मोहम्मद इरफान उर्फ राजू भाटी ने कांग्रेस के शेर मोहम्मद को 1672 मत से हराया। वहीं जोधपुर निगम के वार्ड से निर्दलीय विशाल सांखला, वार्ड 19 से दिनेश शर्मा, वार्ड 20 से चेतन गहलोत, वार्ड 81 से स्वरूप सिंह, 29 से अफसाना बानो, 48 से दुर्गा मेवाड़ा, 47 से मोहन चौधरी, 27 से कासम खान, 76 से निर्मला नायक और वार्ड 69 से लियाकत अली रंगरेज चुनाव जीते।

झालावाड़ निकाय चुनाव परिणाम में कांग्रेस का दबदबा

- 45 सीटों में कांग्रेस ने 29 सीटों पर जीत दर्ज की, बीजेपी 13 सीटों पर सिमटी
- दो निर्दलीय उम्मीदवार विजयी रहे, आम आदमी पार्टी ने भी एक सीट पर खाता खोला

झालावाड़, (निसं)। झालावाड़ जिले में नगरीय निकाय चुनाव के नतीजों ने सियासी तस्वीर काफी हद तक साफ कर दी है। जिले के आठ निकायों के चुनाव परिणाम सामने आने के बाद कांग्रेस का पलड़ा भारी नजर आ रहा है।

झालावाड़ नगर परिषद में कांग्रेस ने बीजेपी का लगभग सफाया करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं खानपुर, भवानीमंडी और डग में भी कांग्रेस ने शानदार बढ़त बनाई है। दूसरी ओर झालरापाटन, मनोहरथाना और अकलेरा में बीजेपी सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है। पिड़ावा में कांग्रेस सबसे बड़ा दल है, लेकिन यहां बोर्ड गठन के लिए दूसरे दलों और निर्दलीयों की भूमिका अहम हो सकती है। सबसे पहले बात झालावाड़ नगर परिषद की, जिसे बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का सियासी गढ़ माना जाता है। यहां इस बार कांग्रेस ने बीजेपी को बड़ा झटका दिया है। झालावाड़ नगर परिषद की कुल 45 सीटों में कांग्रेस ने 29 सीटों पर जीत दर्ज की है। बीजेपी महज 13 सीटों पर सिमट गई। वहीं 2 निर्दलीय उम्मीदवार विजयी रहे, जबकि आम आदमी पार्टी ने भी एक सीट पर खाता खोला है। यानी झालावाड़ नगर परिषद में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिला है और बोर्ड गठन की राह पूरी तरह साफ दिखाई दे रही है। खानपुर में कांग्रेस ने शानदार प्रदर्शन किया है। कुल परिणाम में कांग्रेस को 18 सीटें, जबकि बीजेपी को 7 सीटें मिली हैं।

इस तरह खानपुर में कांग्रेस ने स्पष्ट बहुमत हासिल कर लिया है। पिड़ावा में मुकाबला कुछ अलग नजर आया। यहां कांग्रेस 8 सीटों के साथ सबसे बड़ा दल बनकर सामने आई है। बीजेपी को 6, आम आदमी पार्टी को 5, जबकि एक सीट निर्दलीय के खाते में गई है। ऐसे में पिड़ावा में बोर्ड गठन के लिए सियासी जोड़तोड़ और दूसरे दलों की भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है। हालांकि उपलब्ध आंकड़ों के हिसाब से कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है और कुल 20 सीटों में बहुमत के लिए 11 सीटों की जरूरत होगी।

झालरापाटन में बीजेपी ने अपना दबदबा कायम रखा है। यहां बीजेपी ने 22 सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि कांग्रेस को 8 सीटें मिली। आम आदमी पार्टी ने भी यहां 5 सीटें जीती हैं। इस तरह झालरापाटन में बीजेपी सबसे बड़े दल के रूप में सामने आई है और बोर्ड गठन की स्थिति उसके पक्ष में दिखाई दे रही है।

भवानीमंडी में कांग्रेस ने एक बार फिर मजबूत प्रदर्शन किया है। यहां कांग्रेस के खाते में 26 सीटें आई हैं, जबकि बीजेपी को 13 सीटों पर संतोष करना पड़ा। एक सीट निर्दलीय के खाते में गई है। भवानीमंडी में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिला है। मनोहरथाना में तस्वीर कांग्रेस के मुकाबले बीजेपी के पक्ष में रही। यहां बीजेपी ने 11 सीटें जीती हैं। कांग्रेस के खाते में 6 सीटें, जबकि 3 सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवार विजयी हुए हैं। बीजेपी यहां सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है। अकलेरा में भी बीजेपी ने कांग्रेस को पीछे छोड़ दिया। बीजेपी ने यहां 25 सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि कांग्रेस को 8 सीटें मिली। दो सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवार जीते हैं। अकलेरा में बीजेपी को स्पष्ट बहुमत मिला है। डग में कांग्रेस ने बढ़त बनाई है। कुल मिलाकर झालावाड़ जिले के आठ निकायों के नतीजों में कांग्रेस ने कई महत्वपूर्ण शहरी क्षेत्रों में बढ़त बनाई है, जबकि बीजेपी ने झालरापाटन, अकलेरा और मनोहरथाना में अपना प्रभाव बरकरार रखा है।

अलवर में पिता ने बेटे-बेटी को जहर देकर खुद ने भी आत्महत्या की

बेटे की मौत, बेटी गंभीर, साले को मैसेज कर लिखा कि 'वी आर गोइंग'

- पत्नी की मौत के बाद करीब 3-4 महीने से पति का डिप्रेशन ज्यादा बढ़ गया था, परिवार के लोगों ने उन्हें कई बार समझाने की कोशिश की थी
- पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है, साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि मोहित ने किस वजह से यह कदम उठाया और बच्चों को जहर देने की स्थिति कैसे बनी

अलवर, (निसं)। अलवर में पिता ने बेटी-बेटे को जहर दे दिया और खुद ने भी जहर खा लिया। घटना में पिता मोहित (35) और बेटे विवान (6) की मौत हो गई। वहीं साढ़े 3 साल की बेटी कृषा की हालत गंभीर है। बेटी का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। सदर पुलिस थाना क्षेत्र में 'अपना घर शालीमार' आवासीय सोसायटी में रविवार देर रात यह घटना हुई।

मोहित के साले राहुल ने बताया कि करीब दो साल पहले मेरी बहन की अचानक मौत हो गई थी। पत्नी की मौत के बाद से जीजा मोहित मानसिक तनाव में रहने लगे थे। जीजा मोहित ने रविवार रात को मुझे मैसेज किया। मैसेज में लिखा था कि 'वी आर गोइंग' यानी 'हम जा रहे हैं।' मैंने यह मैसेज देखकर जीजा मोहित से पूछा कि 'कहां जा रहे हो?' इस पर मोहित ने जवाब दिया कि 'ऊपर।' मैसेज पढ़ते ही मुझे अनहोनी की आशंका हुई। मैं तुरंत शालीमार स्थित मोहित के फ्लैट पर पहुंच गया। साले राहुल ने बताया कि जीजा मोहित पहले अपने परिवार के साथ जोधपुर में रहते थे। वे वहां बीएसएनएल कंपनी में काम करते थे। करीब एक साल पहले मोहित परिवार के साथ अलवर आए थे। वे यहां शालीमार आवासीय सोसायटी में किराए के फ्लैट में रह रहे थे। राहुल के अनुसार जब मैं फ्लैट पर पहुंचा तो मोहित और उनके दोनों बच्चे अचेत हालत में पड़े थे। मोहित की हालत भी गंभीर थी।

राहुल ने बताया कि उस समय मोहित कुछ बड़बड़ा रहे थे। उन्होंने मुझसे कहा कि दोनों बच्चों को बचा लो। इसके बाद मैंने तीनों को संभाला और देर रात जिला अस्पताल लेकर पहुंचा। अस्पताल में डॉक्टरों ने मोहित और उसके विवान को मृत घोषित कर दिया। वहीं साढ़े 3 वर्षीय बेटी की हालत गंभीर होने पर उसे निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

राहुल ने बताया कि मेरी बहन की मौत के बाद करीब 3-4 महीने से जीजा मोहित का डिप्रेशन ज्यादा बढ़ गया था। परिवार के लोगों ने उन्हें कई बार समझाने की कोशिश की, लेकिन वे इससे बाहर नहीं निकल पा रहे थे। परिवार के लोग मोहित को सामान्य रहने की कोशिश करने के लिए कहते थे, लेकिन वे डिप्रेशन से बाहर नहीं निकल पा रहा थे। वहीं घटना के पीछे बच्चों को जहर देने और खुद जहर खाने की तत्काल वजह क्या रही, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। सदर थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। साथ ही यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि मोहित ने किस वजह से यह कदम उठाया और बच्चों को जहर देने की स्थिति कैसे बनी।

अजमेर नगर निगम चुनाव में किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला

बोर्ड गठन में निर्दलीय पार्षदों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण मानी जा रही है

- भाजपा लंबे समय से निगम में मजबूत स्थिति में रही है, लेकिन इस बार पार्टी बहुमत से तो दूर, कांग्रेस से भी पीछे रह गई
- कांग्रेस 37 सीटों के साथ बहुमत से केवल चार सीट दूर है, बोर्ड बनाने के लिए कम से कम चार पार्षदों के समर्थन की आवश्यकता होगी

अजमेर, (निसं)। अजमेर नगर निगम चुनाव 2026 के परिणामों ने शहर की राजनीति में बड़ा उलटफेर कर दिया है। 80 वार्डों के घोषित परिणामों में कांग्रेस ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए 37 वार्डों में जीत दर्ज की है, जबकि भाजपा के प्रत्याशी 32 वार्डों में विजयी रहे। वहीं 11 वार्डों में निर्दलीय प्रत्याशियों ने जीत हासिल की है। किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने के कारण अब नगर निगम में बोर्ड गठन को लेकर निर्दलीय पार्षदों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो गई है। बहुमत के आंकड़े तक पहुंचने के लिए दोनों प्रमुख दलों को निर्दलीय पार्षदों के समर्थन की जरूरत पड़ेगी।

अजमेर नगर निगम में पिछले करीब 36 वर्षों से भाजपा का बोर्ड रहा है। ऐसे में इस बार के चुनाव परिणाम भाजपा के लिए बड़ा राजनीतिक झटका माने जा रहे हैं। भाजपा लंबे समय से निगम में मजबूत स्थिति में रही है, लेकिन इस बार पार्टी बहुमत तो दूर कांग्रेस से भी पीछे रह गई। कांग्रेस ने 37 सीटों के साथ सबसे बड़े दल के रूप में अपनी स्थिति बनाई है। पिछले नगर निगम चुनाव के परिणामों की तुलना करें तो भाजपा के खाते में 48 वार्ड, कांग्रेस के 18 वार्ड, आरएलपी के एक वार्ड और 13 वार्डों में निर्दलीय प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की थी। इस बार भाजपा की सीटों में बड़ी गिरावट आई है, जबकि कांग्रेस ने अपने पिछले प्रदर्शन में उल्लेखनीय सुधार किया है।

बहुमत से दोनों दल दूर :-80 सदस्यीय नगर निगम में बहुमत के लिए 41 पार्षदों का समर्थन जरूरी है। कांग्रेस 37 सीटों के साथ बहुमत से केवल चार सीट दूर है, जबकि भाजपा 32 सीटों पर सिमट गई है। ऐसे में कांग्रेस को बोर्ड बनाने के लिए कम से कम चार पार्षदों के समर्थन की आवश्यकता होगी। भाजपा को बहुमत तक पहुंचने के लिए कांग्रेस की तुलना में अधिक निर्दलीय पार्षदों को साथ लाना होगा। यही वजह है कि चुनाव परिणाम सामने आने के बाद अब11 निर्दलीय पार्षदों पर सभी की निगाहें टिक गई हैं ।निर्दलीय पार्षद जिस दल के साथ जाएंगे, नगर निगम में बोर्ड गठन की तस्वीर उसी के पक्ष में बन सकती है। चुनाव परिणामों ने अजमेर नगर निगम में सियासी समीकरण पूरी तरह बदल दिए हैं। कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, लेकिन बहुमत के आंकड़े से चार कदम दूर है। वहीं भाजपा के सामने कांग्रेस को रोकने के साथ अपना बोर्ड बनाने की चुनौती है। ऐसे में निर्दलीय पार्षदों की भूमिका निर्णायक हो गई है।

कांग्रेस के 37 वार्डों में जीत दर्ज करने से पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह है। लंबे समय से निगम में सत्ता से बाहर रही कांग्रेस इस बार सबसे बड़े दल के रूप में सामने आई है। दूसरी ओर भाजपा के 48 से घटकर 32 वार्डों पर आने से पार्टी के सामने आत्ममंथन की स्थिति बन गई है।

युवक का शव मिला

गजनेर, (निसं)। थाना क्षेत्र के इंदा के बाला रोही में पुराने रेलवे फाटक के पास रविवार को एक युवक का शव मिला। यह शव एक सेवा शिविर के पास बर्तनों की धुलाई के लिए बनाए गए पानी के गड्ढे में मिला था। सूचना मिलने पर गजनेर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को गड्ढे से बाहर निकलवाकर बीकानेर के पीबीएम अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

पुलिस के अनुसार, शव करीब दो दिन पुराना लग रहा है। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। जिस गड्ढे में शव मिला, वह बाबा रामदेवजी के पैदल यात्रियों की सेवा के लिए लगाए गए शिविर में बर्तन धोने के लिए बनाया गया था। गड्ढे में पानी और दलदल होने के कारण युवक के पैर फिसलने और उसमें गिरने की आशंका जताई जा रही है। थाना प्रभारी ओमप्रकाश सुंथार ने बताया कि पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवा दिया है। पुलिस मृतक की पहचान करने की कोशिश कर रही है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार को सौंपने की प्रक्रिया की जाएगी। मौत की असली वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही साफ हो पाएगी।

सड़क किनारे नवजात बच्ची बैग में मिली

जोधपुर, (कासं)। झंवर पुलिस थाना क्षेत्र में बड़लियां गांव की सरहद में सड़क किनारे एक नवजात बच्ची बैग में मिली। उसके जन्म के कुछ देर बाद ही अंजान शख्स उसे बैग में डालकर लावारिश छोड़ गया। बाद में एक ग्रामीण ने देखा तो पुलिस को सूचना दी । सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जिंदा बच्ची को कब्जे में लेकर उम्मेद अस्पताल भिजवाया गया। बच्ची पूर्ण स्वस्थ बताई गई है। उसे कब और कौन छोड़ गया इसका पता लगाया जा रहा है। घटना को लेकर एक खेत मालिक की तरफ से झंवर थाने में रिपोर्ट दी गई है।

थानाधिकारी प्रहलादसिंह ने बताया कि बड़लियां गांव की सरहद में सड़क किनारे एक बैग में जिंदा नवजात रोने की आवाज गांव के एक आदमी ने सुनी तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस की टीम वहां पहुंची। बैग को चैक करने पर पता लगा कि नवजात बालिका है। उसे कोई बैग में डाल कर रख गया है।

बीकानेर निगम चुनाव में भाजपा को हराकर कांग्रेस ने परचम लहराया

- कांग्रेस ने नगर निगम चुनाव में 80 में से 42 सीटें जीती, पूर्व मेयर सुशीला कंवर राजपुरोहित चुनाव हारी, पूर्व मंत्री डॉ. कल्ला के भतीजे चुनाव जीते

बीकानेर, (निसं)। नगर निगम चुनाव के अब तक सामने आए नतीजों में कांग्रेस ने बढ़त बनाते हुए 42 वार्डों में जीत दर्ज की है, जबकि भाजपा के खाते में 27 वार्ड आए हैं। वहीं 10 वार्डों में निर्दलीय प्रत्याशी विजयी रहे हैं। वार्ड 23 में एक सीट पर रालोपा की सरोज ने जीत हासिल की है। वार्ड 73 में भाजपा के दीपक पारीक को कांग्रेस के अनिल कल्ला ने चुनाव हरा दिया। कांग्रेस ने ये सीट करीब 800 वोट से जीत ली है। अनिल कल्ला कांग्रेस नेता डॉ. बी.डी. कल्ला के भतीजे हैं और मेयर पद के दावेदार माने जा रहे हैं। वहीं, पूर्व मेयर सुशीला कंवर राजपुरोहित चुनाव हार गई हैं। उनके सामने कांग्रेस की किरण भाटी ने जीत दर्ज की है। सुशीला कंवर पिछले चुनाव में मेयर बनी थी। वर्तमान में भाजपा के निकाय चुनाव घोषणा पत्र में भी वे सदस्य थी। प्रत्याशियों की संख्या के लिहाज से बीकानेर नगर निगम में सबसे ज्यादा उम्मीदवार थे। बीकानेर नगर निगम के 80 वार्डों के लिए 373 उम्मीदवार मैदान में थे। बीकानेर में प्रशासन की मनाही के बाद भी जीते हुए उम्मीदवारों ने रैली निकाली।

अफीम का दूध बरामद, महिला गिरफ्तार

मसूदा, (निसं)। मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मादक पदार्थ विरोधी कार्यबल ने ब्यावर जिले के मसूदा थाना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए 135 ग्राम अवैध अफीम का दूध बरामद किया। मामले में पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार मादक पदार्थ विरोधी कार्यबल को सूचना मिली थी कि चाड़ों का बाडिया के शिव नगर क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थ रखा हुआ है। सूचना पर टीम ने स्थानीय पुलिस से संपर्क कर संयुक्त कार्रवाई की। मौके पर पहुंचकर एक महिला की तलाशी ली गई। उसके पास मौजूद प्लास्टिक की थैली से 135 ग्राम अफीम का दूध बरामद हुआ। पुलिस ने मादक पदार्थ जब्त कर कमला देवी पत्नी प्रभुलाल गुर्जर, निवासी चाड़ों का बाडिया, शिवनगर, थाना मसूदा को गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

पुष्कर, किशनगढ़, केकड़ी और सरवाड़ में भाजपा का कब्जा

नसीराबाद में भाजपा-कांग्रेस बराबरी पर, निर्दलीय तय करेंगे अध्यक्ष

- पुष्कर, पीसांगन, सावर, टांटोटी और सरवाड़ में भाजपा ने स्पष्ट बढ़त के साथ बोर्ड गठन की स्थिति मजबूत की

पुष्कर, (निसं)। तीर्थनगरी पुष्कर नगर परिषद में भाजपा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। कुल 25 वार्डों में भाजपा ने 19 सीटों पर जीत दर्ज की। कांग्रेस को चार सीटें मिलीं, जबकि दो वार्डों में निर्दलीय प्रत्याशी विजयी रहे। पुष्कर के परिणामों ने भाजपा की स्थानीय स्तर पर मजबूत स्थिति को एक बार फिर सामने ला दिया है। यहां बोर्ड बनाने के लिए भाजपा को किसी अन्य दल या निर्दलीय के समर्थन की जरूरत नहीं होगी।

किशनगढ़ में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी, निर्दलीयों के हाथ में सत्ता की चाबी :- नगर परिषद चुनाव में भाजपा 29 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर सामने आई है, लेकिन बहुमत के लिए जरूरी 31 सीटों से वह दो कदम दूर रह गई। कांग्रेस ने 21 सीटें जीतीं, जबकि 10 निर्दलीय प्रत्याशी विजयी हुए। ऐसे में किशनगढ़ में भी बोर्ड गठन को लेकर जोड़-तोड़ का दौर शुरू हो गया है। भाजपा को बहुमत के लिए दो पार्षदों के समर्थन की जरूरत है, जबकि कांग्रेस के सामने बहुमत तक पहुंचने की चुनौती और बड़ी है। निर्दलीय पार्षदों की भूमिका यहां निर्णायक रहने वाली है।

केकड़ी में भाजपा को बढ़त, कांग्रेस ने दी कड़ी टक्कर :- केकड़ी नगर पालिका के 40 वार्डों में भाजपा ने 20 सीटें जीतकर बढ़त बनाई है। कांग्रेस को 18 सीटें मिली हैं, जबकि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के दो प्रत्याशी विजयी रहे। भाजपा बहुमत के आंकड़े तक पहुंच गई है। वहीं कांग्रेस के मजबूत प्रदर्शन के कारण मुकाबला काफी रोचक रहा। चुनाव परिणाम के बाद पालिका बोर्ड को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं।

पीसांगन में भाजपा का एकतरफा प्रदर्शन :-पीसांगन नगर पालिका चुनाव में भाजपा ने स्पष्ट बहुमत हासिल करते हुए 20 में से 15 वार्डों पर जीत दर्ज की। कांग्रेस को पांच सीटों पर सफलता मिली। परिणामों में भाजपा का स्पष्ट दबदबा देखने को मिला और बोर्ड गठन का रास्ता भी साफ हो गया।

सावर में भाजपा का दबदबा कायम :-सावर नगर पालिका चुनाव में भाजपा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 20 में से 15 सीटों पर कब्जा जमाया। कांग्रेस को पांच सीटों पर जीत मिली। भाजपा ने यहां स्पष्ट बहुमत हासिल कर बोर्ड गठन की स्थिति मजबूत कर ली है।

टांटोटी में भी भाजपा का बहुमत :-टांटोटी नगर पालिका चुनाव में भाजपा ने बढ़त कायम रखते हुए 20 में से 14 वार्डों में जीत दर्ज की। कांग्रेस छह सीटों पर विजयी रही। परिणामों के बाद टांटोटी में भाजपा का बोर्ड बनना लगभग तय माना जा रहा है।

सरवाड़ में भाजपा ने बहुमत हासिल किया :-सरवाड़ नगर पालिका के 25 वार्डों में भाजपा ने 15 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया। कांग्रेस के खाते में 10 सीटें गईं। यहां निर्दलीय प्रत्याशी कोई सीट नहीं जीत सके।

नसीराबाद में भाजपा-कांग्रेस बराबरी पर :-नसीराबाद नगर पालिका चुनाव का सबसे रोचक परिणाम नसीराबाद में सामने आया। 20 वार्डों वाली नगर पालिका में भाजपा और कांग्रेस दोनों ने 9-9 सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि दो निर्दलीय प्रत्याशी विजयी रहे। दोनों प्रमुख दलों के बराबर सीटों पर रहने के कारण अब नगर पालिका अध्यक्ष पद का फैसला दोनों निर्दलीय पार्षदों के रुख पर निर्भर करेगा। ऐसे में नसीराबाद में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं और दोनों दल निर्दलीय पार्षदों को अपने पक्ष में करने की रणनीति बनाने में जुट गए हैं।

जिलेभर में कहीं बहुमत तो कहीं निर्दलीयों का दबदबा :- अजमेर जिले के निकाय चुनाव परिणामों ने स्थानीय राजनीति में अलग-अलग तस्वीर पेश की है। अजमेर नगर निगम में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, लेकिन बहुमत से दूर रही। पुष्कर, पीसांगन, सावर, टांटोटी और सरवाड़ में भाजपा ने स्पष्ट बढ़त के साथ बोर्ड गठन की स्थिति मजबूत की। किशनगढ़ में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनी, लेकिन निर्दलीयों के कारण सत्ता का गणित खुला हुआ है। केकड़ी में भाजपा बहुमत के आंकड़े तक पहुंची, जबकि नसीराबाद में भाजपा-कांग्रेस की बराबरी ने मुकाबले को पूरी तरह रोमांचक बना दिया है। नतीजे घोषित होते ही अजमेर नगर निगम, किशनगढ़ नगर परिषद और नसीराबाद नगर पालिका में निर्दलीय पार्षदों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो गई है।

नशे में अधेड़ ने फांसी लगाई

जोधपुर, (कासं)। शहर के मंडोर थाना अन्तर्गत आंगणवा में आई एक कॉलोनी में शराब के नशे में व्यक्ति ने अपने घर में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने मृतक के पुत्र की तरफ से मर्ग दर्ज किया। शव को कार्रवाई के बाद परिजन के सुपुर्द कर दिया गया। मंडोर पुलिस ने बताया कि राकेश विहार कॉलोनी आंगणवा में रहने वाले शैतानराम (45) पुत्र बाबूलाल ने अपने घर में शराब के नशे में फंदा लगाकर जान दे दी। परिजन को पता लगने पर उसे फंदे से उतार कर अस्पताल ले जाया गया, मगर डॉक्टर ने चैक कर मृत बता दिया। उसके पुत्र सुभाष की तरफ से मर्ग में रिपोर्ट दी गई।

Office of the Additional Chief Engineer (Project) PHED, Ajmer
Qtr. No. II/2, PHED Colony, Vaishali Nagar, near RIICO Watch Factory,
Ph. No. 0145-2640265, Fax No. 0145-2640265, email: acepajmer@gmail.com
acepajm.phed@rajasthan.gov.in

S.No. F()ACE/Proj/Aj/Ngr/2026-27/3177 Dated: 31.08.2026.

CORRIGENDUM NO. 01

NIB Code:- PHE2627A2166 & UBN No. (PHE2627WLOB04282)

In continuation to this office NIT No.01/2026-27 issued vide letter no. 2869-2922 dated 12.08.2026. The following amendment are hereby notified: -

S.N.	Description	As per original NIT	As per this corrigendum
1	Date & time for downloading of bid document.	From 13.08.2026 to 07.09.2026 up to 18:00 hrs	From 13.08.2026 to 15.09.2026 up to 18:00 hrs
2	Date & time for online submission of bid document	07.09.2026 up to 18:00 hrs	15.09.2026 up to 18:00 hrs
3	Documents in proof of deposition of Bid Security, RISL Fee & Tender Fee and Deposition of affidavits on Non-Judicial Stamp Paper 1. ANNEX 3 Power of attorney on Stamp Paper of Rs.500/- 2. HCNP-Rs.500/ 3. शपथ पत्र 'स' on Rs. 100/-	08.09.2026 up to 13:00 hrs	16.09.2026 up to 13:00 hrs
4	Date & Time for Opening of Technical bid.	08.09.2026 up to 15:00 hrs	16.09.2026 up to 15:00 hrs
5	**Pre-qualification:** O&M of Scheme / project	Successful completion of O&M of similar work for at least one (1) year of the following value;- Contract value of O&M of 1 year based on the estimated cost as per below:- Contract value of O&M of 1 year not less than half (12) of the annual estimated cost. Contract Value of O&M of 1 Year not less than 129.75 lac	Successful completion of O&M of similar work for at least one (1) year of the following value;-Contract value of O&M of 1 year based on the estimated cost as per below:- Contract value of O&M of 1 year not less than 1/3rd of the annual estimated cost. Contract Value of O&M of 1 Year not less than 86.5 lac.

All other terms and conditions shall remain same as mentioned in original tender document.

(Krishan Kumar Agarwal)
Additional Chief Engineer
(Project) PHED, Ajmer

DIPR/C/15693/2026

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

राज्य स्तरीय प्रतिभा खोज परीक्षा 2026 (STSE-2026) कक्षा - 10
राज्य स्तरीय गणित एवं विज्ञान प्रतिभा खोज परीक्षा 2026 (STSE-2026) कक्षा - 12
राज्य स्तरीय कला एवं वाणिज्य प्रतिभा खोज परीक्षा 2026 (STSE-2026) कक्षा - 12

STATE TALENT SEARCH EXAMINATION - 2026 हेतु ऑनलाईन आवेदन पत्र भरने संबंधी निर्देश

कक्षा-10 तथा कक्षा-12 में अध्ययनरत विद्यार्थियों हेतु राज्य स्तरीय प्रतिभा खोज परीक्षा - 2026 (STSE-2026) का आयोजन रविवार 22.11.2026 को प्रातः 09.00 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक सभी जिला मुख्यालयों पर निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर किया जायेगा। ऑनलाईन आवेदन करने की तिथियां निम्नानुसार हैः-

परीक्षा शुल्क (समयावधि अनुसार)	ऑनलाईन आवेदन करने एवं बैंक चालान मुद्रण करने की अंतिम तिथि	मुद्रित चालान द्वारा बैंक में शुल्क जमा कराने की अंतिम तिथि	ऑनलाईन आवेदन पत्र की हॉर्ड कापी मय प्रमाणपत्र तथा परीक्षा शुल्क का बैंक चालान एवम परीक्षार्थियों की सूची भिजवाने की अंतिम तिथि
बिना विलम्ब शुल्क	15.09.2026 से 24.09.2026 तक	28.09.2026	09.10.2026
विलम्ब शुल्क सहित	25.09.2026 से 28.09.2026 तक	30.09.2026	

ऑनलाईन आवेदन पत्र भरते समय विद्यालय स्तर पर हुई त्रुटि यथा छात्र के पिता, माता के नाम, वर्तनी/फोटो/लिंग/भाषा/वर्ग में केवल ऑनलाईन संशोधन निशुल्क दिनांक 01.10.2026 से दिनांक 03.10.2026 तक किये जायेंगे।

परीक्षा शुल्क :-

परीक्षार्थी की श्रेणी	बिना विलम्ब शुल्क रू.	विलम्ब शुल्क सहित रू.
(1) सामान्य	300/-	350/-
(2) अनु.जाति/अनु. जनजाति/बी.पी.एल./निःशक्त/CWSN (प्रमाण पत्र अपलोड करना अनिवार्य)	175/-	225/-

विद्यालय द्वारा अग्रेषण शुल्क रूपये 20/- प्रति परीक्षार्थी अलग से लिया जायेगा। अन्य बोर्ड से सम्बन्धित विद्यालय आई.डी पासवर्ड प्राप्त करने हेतु एवं तकनीकी समस्याओं के निराकरण हेतु I.T. & C शाखा के दूरभाष नं. 0145-2632865, 2627454 पर सम्पर्क एवं bser.pwd@gmail.com पर ई-मेल करें। परीक्षा संबंधी जानकारी हेतु ई-मेल stse.bser@gmail.com पर सम्पर्क करें। STSE 2026 का पाठ्यक्रम, विस्तृत विज्ञप्ति व अन्य जानकारी बोर्ड वेबसाइट www.rajeduboard.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

सचिव

नगर निगम जयपुर का चुनावी परिणाम

वार्ड	विजेता एवं दल	निकटतम प्रत्याशी व दल	वोट का अंतर
1	मोहनलाल कुमावत, निर्दलीय	मंयक शर्मा, निर्दलीय	572
2	मणिराज सिंह,	हनुमान प्रसाद सैनी, बीजेपी	415
3	भवानी शंकर शर्मा, बीजेपी	हरिशंकर बोहरा, निर्दलीय	1148
4	पिंकी देवी शर्मा, बीजेपी	ललिता सैनी, निर्दलीय	4613
5	देवेंद्र सिंह निठारवाल, निर्दलीय	नरेन्द्र सिंह शेखावत, बीजेपी	810
6	स्नेहलता साबू, बीजेपी	मधु बाला शर्मा, कांग्रेस	1426
7	पूनम तिवारी, कांग्रेस	पूजा, बीजेपी	671
8	मंजू शर्मा, निर्दलीय	सुमन अग्रवाल, बीजेपी	1282
9	**री-पोलिंग**	-	-
10	पलक यादव, बीजेपी	वंदना, कांग्रेस	925
11	शैलेन्द्र शर्मा, बीजेपी	प्रेम सिंह, कांग्रेस	446
12	राजेन्द्र सैनी, बीजेपी	पंकज कुमार सैनी, कांग्रेस	1140
13	रणवीर सिंह, निर्दलीय	धनराज सैनी, कांग्रेस	233
14	दिग्विजय सिंह, बीजेपी	हाकिम सिंह, कांग्रेस	266
15	विक्रम सिंह, बीजेपी	बद्री नारायण कुमावत, कांग्रेस	538
16	महेश कुमार संघी, बीजेपी	राजेश अत्री, कांग्रेस	2457
17	सुमेर सिंह जोधा, बीजेपी	भूपेन्द्र सिंह, कांग्रेस	552
18	**री-पोलिंग**	-	-
19	मो. फारूख, कांग्रेस	शाहनवाज, बीजेपी	463
20	डॉ.उदिता सिंह चौहान, बीजेपी	मोनिका सैनी, कांग्रेस	26
21	राकेश लाटा, कांग्रेस	अजय सिंह चौहान, बीजेपी	127
22	वीरेंद्र सिंह, बीजेपी	करणवीर सिंह शेखावत, कांग्रेस	392
23	विकास बारेठ, बीजेपी	अम्बादान सिंह, निर्दलीय	186
24	आनंद खेड़ी,बीजेपी	विनोद, निर्दलीय	118
25	**री-पोलिंग**	-	-
26	सुशीला, निर्दलीय	अनिता देवी, कांग्रेस	357
27	शंकर लाल यादव, बीजेपी	सुरेश चोपड़ा, आरएलपी	219
28	रविंद्र सिंह शेखावत, कांग्रेस	शक्ति सिंह मानपुरा,बीजेपी	197
29	विक्रम सिंह शेखावत, निर्दलीय	महादेव प्रसाद शर्मा, बीजेपी	776
30	युवराज राठौड़, बीजेपी	रविन बुडानिया, कांग्रेस	622
31	विजय अग्रवाल ,बीजेपी	जय कुमार जैन, कांग्रेस	931
32	सीमा शर्मा, कांग्रेस	श्वेता सिरोलिया, बीजेपी	859
33	सीमा यादव, बीजेपी	प्रियंका यादव, कांग्रेस	649
34	**री-पोलिंग**	-	-
35	अमरचंद कुमार , निर्दलीय	अनिल माथुर, कांग्रेस	1461
36	गजेंद्र सिंह शेखावत, बीजेपी	रतन चौपड़ा, कांग्रेस	2269
37	देवीलाल कसौटिया, कांग्रेस	कमल किशोर काला, बीजेपी	3092
38	गणेश नारायण जाट, बीजेपी	रामसिंह, कांग्रेस	2304
39	अजय सैनी, कांग्रेस	भंवर लाल लील, बीजेपी	547
40	नीरज कुमार गर्ग, बीजेपी	मनीष कुमार शर्मा, कांग्रेस	1560
41	दया सिंह, बीजेपी	पंकज वर्मा, कांग्रेस	2553
42	अशोक रावतानी, बीजेपी	चंद्रवीर सिंह, कांग्रेस	2531
43	शैलेन्द्र भार्गव, बीजेपी	आशीष शर्मा, कांग्रेस	262
44	नवीन भंडारी, बीजेपी	विनय प्रताप, कांग्रेस	2046
45	सुभाष नौनिवाल, कांग्रेस	जसवंत बैरवा,बीजेपी	112
46	शिवकांता पांडे, बीजेपी	सपना, निर्दलीय	1761
47	दीपा नाथावत, बीजेपी	दामोदर मीना, कांग्रेस	206
48	सिद्धार्थ तोंदवाल, बीजेपी	हरीओम स्वर्णकार,निर्दलीय	3313
49	धर्मसिंह सिंघानिया, कांग्रेस	मुकेश शर्मा (काका), बीजेपी	482
50	प्रहलाद चावला, बीजेपी	निर्मला बैरवा, कांग्रेस	717
51	मनमोहन गुर्जर, कांग्रेस	महेंद्र छीपा, बीजेपी	1686
52	हनुमान सैनी, कांग्रेस	पूरनमल सैनी, बीजेपी	63
53	सतीश कुमार, बीजेपी	राजीव चौधरी, कांग्रेस	469
54	कमल किशोर शर्मा, बीजेपी	प्रियंका वेद, कांग्रेस	1660
55	रिंकूम उमरवाल, बीजेपी	संजय कुमार बैरवा, कांग्रेस	1258
56	शारदा चौधरी, कांग्रेस	रेखा सैनी, बीजेपी	348
57	गिर्राज शर्मा , बीजेपी	अमित सैनी, कांग्रेस	1569
58	सरोज वर्मा, बीजेपी	रामप्यारी, कांग्रेस	2520
59	दुर्गा देवी, कांग्रेस	बबली वर्मा, बीजेपी	528
60	रामफूल मीणा, कांग्रेस	गिर्राज मीणा, बीजेपी	3672
61	सुरेश मीणा, कांग्रेस	रामलाल मीणा, बीजेपी	439
62	रामावतार शर्मा, बीजेपी	हजारी, कांग्रेस	1080
63	प्रभुलाल बैरवा, कांग्रेस	अजय टेपन, बीजेपी	1251
64	सुरेश मीणा, बीजेपी	कैलाश मीणा, कांग्रेस	2282
65	मुकेश कुमार, कांग्रेस	मुकेश कुमार राणा, बीजेपी	1491
66	नारायण लाल कुमावत, बीजेपी	महेश चंद कराडिया, कांग्रेस	143
67	अरुण शर्मा, बीजेपी	योगिता शर्मा कांग्रेस	916
68	मौसमी मीणा, बीजेपी	अमित सैनी, कांग्रेस	663
69	बीना देवी, कांग्रेस	पूनम सोयल, बीजेपी	2629
70	सुशीला, बीजेपी	उर्मिला कौर, कांग्रेस	1971
71	फाईस हसन, कांग्रेस	मोहम्मद सलीम,निर्दलीय	170
72	सुमन, कांग्रेस	रचना कोलोसिया, निर्दलीय	2364
73	जयश्री अग्रवाल, बीजेपी	उषा वाधवा, निर्दलीय	202
74	रामपाल जैन,बीजेपी	बाबूलाल चौधरी, निर्दलीय	1495
75	पूजा सम्मुखानी, बीजेपी	राजुला सिंह, निर्दलीय	609
76	पुनीत कर्णावत, बीजेपी	प्रदीप जैन, कांग्रेस	2247
77	प्रेम कुमार, बीजेपी	किरण, कांग्रेस	484
78	श्याम सुंदर शर्मा, बीजेपी	अभिषेक सैनी, कांग्रेस	2383
79	प्रवीण कुमार, कांग्रेस	अनिल गोठवाल, बीजेपी	136
80	रेणु चौधरी, निर्दलीय	दलजीत कौर, बीजेपी	866
81	ब्रह्म कुमार, बीजेपी	राहुल तंवर, कांग्रेस	1549
82	महेश चंद यादव, कांग्रेस	ममता यादव, बीजेपी	356
83	चंद्रप्रकाश कुमावत, कांग्रेस	नटवर लाल कुमावत, बीजेपी	174
84	भरत कुमार, कांग्रेस	हेमराज, बीजेपी	274
85	प्रेमचंद, बीजेपी	महेंद्रपाल सिंह, कांग्रेस	904
86	तारा बेनिवाल, कांग्रेस	ऊषा टाटीवाल, बीजेपी	569
87	प्रतिभा शर्मा, बीजेपी	अर्चना शर्मा, कांग्रेस	459
88	शशि कुमारी मिश्र, बीजेपी	श्रुति शर्मा, कांग्रेस	527
89	भवानी सिंह राजावत, बीजेपी	प्रकाश शर्मा, कांग्रेस	669
90	सरोज कंवर, बीजेपी	ममता, कांग्रेस	2208
91	सीताराम मेहरा, कांग्रेस	विनोद यादव, बीजेपी	568
92	शीला शर्मा, बीजेपी	उषा, कांग्रेस	1775
93	जितेंद्र शर्मा, कांग्रेस	चंद्रप्रकाश कुमावत, निर्दलीय	305
94	संतोष सूद, कांग्रेस	सुनीता मेहरा, बीजेपी	2833
95	मानवेंद्र सिंह, कांग्रेस	अमित कुमार चौधरी, बीजेपी	250
96	वसीम चौहान, कांग्रेस	अमित सारवान, बीजेपी	2093
97	शशि प्रकाश शर्मा, बीजेपी	महेंद्र सिंह, कांग्रेस	1380
98	सुभाष चन्द्र सिंगी, बीजेपी	राजकुमार शर्मा, कांग्रेस	400
99	सत्येन्द्र सिंह राठौड़, कांग्रेस	मनीष पारीक, बीजेपी	1016
100	कविता शर्मा, बीजेपी	विनिता, कांग्रेस	2845
101	रविशंकर, बीजेपी	दुर्गेश, कांग्रेस	76
102	शीला गुर्जर, कांग्रेस	आरती गुर्जर, बीजेपी	123
103	मोहम्मद हनीफ, कांग्रेस	रफ़ीक खान, निर्दलीय	1397
104	ज्ञानदेव खंडेलवाल, बीजेपी	अब्दुल लतीफ़ कुरैशी, कांग्रेस	405
105	महेश तंबोली, कांग्रेस	हंसराज चौहान,बीजेपी	2366
106	चन्द्रप्रकाश नामा, बीजेपी	जुगल किशोर, कांग्रेस	836
107	अनुराधा माहेश्वरी , बीजेपी	खुशबू शर्मा, कांग्रेस	2007
108	संगीता शर्मा, निर्दलीय	मेहरुन्निसा, कांग्रेस	653
109	मो. रहीस ख़ान, निर्दलीय	मोहम्मद अयूब, कांग्रेस	558
110	सुनीता मेठी, कांग्रेस	ज्योति खंडेलवाल, बीजेपी	2706
111	संजय जायसवाल, बीजेपी	नरेश शर्मा, निर्दलीय	545
112	सुनील कोठारी, बीजेपी	आशीष, कांग्रेस	906
113	गजनफ़र अली, कांग्रेस	अब्दुल वाहिद, निर्दलीय	10,014
114	मोहम्मद जकरिया, कांग्रेस	नवीन शर्मा, बीजेपी	1860
115	सूरज गोडिवाल, बीजेपी	सुरेश बिवाल, कांग्रेस	1093
116	संजीदा उम्मरदराज, कांग्रेस	लक्ष्मी देवी, बीजेपी	5310
117	संजीदा गुलाम मुस्तफा, कांग्रेस	शवाब जहां, बीजेपी	4237
118	सुनीता मावर, कांग्रेस	विकास कोठारी, बीजेपी	676
119	इरफान कुरैशी, कांग्रेस	अकबरदीन, निर्दलीय	1081
120	श्याम सुंदर सैनी, बीजेपी	शीला सैनी, कांग्रेस	1088
121	नीरज अग्रवाल, बीजेपी	महेश ठाकुरिया, निर्दलीय	2137
122	घनश्याम चंदलानी, बीजेपी	राजकुमार संगतानी, कांग्रेस	1279
123	पूनम मेहता, बीजेपी	अंजू जायसवाल, कांग्रेस	2944
124	कांता देवी, कांग्रेस	मनभरी, बीजेपी	5
125	मंजो बानो, कांग्रेस	लक्ष्मी देवी, बीजेपी	6704
126	सोफिया बानो, कांग्रेस	रीना उमरवाल, बीजेपी	7153
127	बादल शर्मा, कांग्रेस	आलोक खंडेलवाल, बीजेपी	52
128	मो. इशाक मंसूरी, निर्दलीय	मोहम्मद सोहेल मंसूरी, कांग्रेस	4531
129	महेश सामरिया, कांग्रेस	निखिल बसवाल, बीजेपी	5355
130	सूरज कुमार शर्मा, बीजेपी	राकेश मीना, निर्दलीय	1388
131	कैलाश चंद मीणा, बीजेपी	पुष्पेन्द्र मीना, कांग्रेस	1699
132	दशरथ अटल, कांग्रेस	रामजी लाल शेरसिया, निर्दलीय	353
133	सीमा सुरेश पारीक, बीजेपी	गुड्डी देवी, कांग्रेस	1063
134	प्रकाश सैनी , बीजेपी	यशपाल गुर्जर, कांग्रेस	130
135	विमल कुमार अग्रवाल	रवि कुमार शर्मा, कांग्रेस	440
136	जमीला बेगम, निर्दलीय	शबनम फारूख, कांग्रेस	2113
137	सलमान मंसूरी, कांग्रेस	मोहम्मद असलम फारूकी,निर्दलीय	1980
138	दीपिका शर्मा, कांग्रेस	ममता	802
139	रेनू खण्डेलवाल, बीजेपी	गीतांजली, कांग्रेस	1524
140	भूपेंद्र मीणा, निर्दलीय	राम कृष्ण शर्मा, बीजेपी	948
141	सतीश शर्मा, बीजेपी	उषा, कांग्रेस	609
142	भगवती महावर, बीजेपी	मीना, कांग्रेस	2438
143	जायदा बानो, कांग्रेस	सिमरन बानो, निर्दलीय	3832
144	आशीष साहू,बीजेपी	उत्तम चन्द, कांग्रेस	1038
145	वंदना जोशी, बीजेपी	अर्चना चतुर्वेदी, कांग्रेस	3036
146	फिरोज, निर्दलीय	अफरोज, कांग्रेस	1975
147	राशिद अली, कांग्रेस	अब्दुल वहीद खान,निर्दलीय	1508
148	बरखा देवी, निर्दलीय	आशा सैनी, कांग्रेस	1800
149	सीनु पारीक, बीजेपी	अंजली ब्रह्मभट्ट, कांग्रेस	3190
150	हीरादेवी, कांग्रेस	शालू मीणा,बीजेपी	426

जयपुर में भाजपा के 78 पार्षद जीते, अब मेयर की कुर्सी पर "चेहरों का खेल" शुरू

ज्योति खंडेलवाल की हार बड़ा उलटफेर, कोठारी-कर्णावट-भार्गव समेत कई नाम महापौर की दौड़ में

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। नगर निगम चुनाव के नतीजों ने जयपुर में भाजपा के बोर्ड की तस्वीर साफ कर दी है। 150 वार्डों वाले नगर निगम में भाजपा के 78 पार्षद जीतकर बहुमत के आंकडे को पार कर चुके हैं। अब चुनावी मुकाबला खत्म होते ही भाजपा के भीतर अगली सियासी बाजी शुरू हो गई है। सबसे बड़ा सवाल है कि जयपुर के मेयर की कुर्सी किस चेहरे के हिस्से आएगी। चुनाव से पहले जिन नामों को लेकर चर्चा थी, नतीजों के बाद समीकरण बदल गए हैं। कुछ चेहरों ने बड़ी जीत के साथ अपनी दावेदारी मजबूत की है, जबकि पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल की हार ने सबसे बड़ा उलटफेर कर दिया है।

कोठारी-कर्णावट की दावेदारी मजबूत

सुनील कोठारी मेयर पद की रेस में सबसे प्रमुख नामों में बने हुए हैं। वार्ड 112 से उन्होंने कांग्रेस के आशीष को 905 वोटों से हराया। भाजपा के पूर्व जयपुर शहर अध्यक्ष रहे कोठारी संगठन में प्रदेश उपाध्यक्ष समेत कई जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं। चुनाव प्रचार के दौरान राज्यसभा सांसद सतीश पूनिया ने भी उनके समर्थन में प्रचार किया था। संगठन में पकड़ और राजनीतिक अनुभव उनकी दावेदारी का मजबूत पक्ष माना जा रहा है।

वहीं पुनीत कर्णावट ने वार्ड 76 में 2247 वोटों के बड़े अंतर से जीत दर्ज कर अपनी ताकत दिखाई है। पूर्व उपमहापौर रहे पुनीत कर्णावट को निगम की राजनीति और सदन के कामकाज का अनुभव है। ऐसे में बड़ी जीत के बाद उनका नाम भी मेयर की रेस में तेजी से आगे आया है।

भार्गव, सिंघी और अग्रवाल भी विकल्प

वार्ड 43 से शैलेंद्र भार्गव ने 262 वोटों से जीत दर्ज की। मुकाबला कड़ा होने के बावजूद सीट निकालने के कारण उनका नाम संभावित दावेदारों में बना हुआ है। वार्ड 98 से सुभाष चंद्र सिंघी करीब 400 वोटों से जीते हैं। वार्ड 135 से विमल अग्रवाल ने भी करीब 400 वोटों के अंतर से जीत दर्ज कर मेयर पद के संभावित विकल्पों में जगह बनाई है। हालांकि अंतिम फैसला केवल जीत-हार से तय नहीं होगा। पार्षदों के बीच समर्थन, संगठन में स्वीकार्यता, जातीय और क्षेत्रीय संतुलन तथा पार्टी नेतृत्व की पसंद मेयर चयन में अहम भूमिका निभाएगी।

महिला चेहरे भी मजबूत विकल्प है भाजपा के पास

भाजपा के पास महिला नेतृत्व का विकल्प भी मौजूद है। वार्ड 87 से प्रतिभा शर्मा ने कांग्रेस की अर्चना शर्मा को 459 वोटों से हराया। उनके समर्थन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और जयपुर शहर अध्यक्ष अमित गोयल ने रोड शो किया था। इसी तरह वार्ड 107 से अनुराधा माहेश्वरी ने जीत दर्ज की है। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष माहेश्वरी संगठन में लंबे समय से सक्रिय हैं और जयपुर शहर महिला मोर्चा की जिम्मेदारी भी संभाल चुकी हैं। चुनाव प्रचार के दौरान सतीश पूनिया ने भी उनके समर्थन में बैठक और रोड शो किया था। संगठनात्मक अनुभव के चलते महिला नेतृत्व के विकल्प के तौर पर उनका नाम भी चर्चा में है।

- **महिला दावेदारों में प्रतिभा शर्मा और अनुराधा माहेश्वरी की भी चर्चा, भाजपा में शुरू हुआ मंथन**

ज्योति खंडेलवाल की हार ने बदला समीकरण

मेयर की रेस के लिहाज से सबसे बड़ा झटका पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल की हार से लगा है। वार्ड 110 में कांग्रेस की सुनीता मेठी ने उन्हें शिकस्त दी है। खास बात यह रही कि खंडेलवाल अपने किसी भी बूथ पर बढ़त नहीं बना सकीं। सुनीता मेठी पूर्व पार्षद अरविंद मेठी की पत्नी है।

खंडेलवाल को चुनाव से पहले मेयर पद के प्रमुख दावेदारों में माना जा रहा था। वर्ष 2005 में पहली बार पार्षद चुनी गईं ज्योति खंडेलवाल 2009 में सीधे चुनाव के जरिए जयपुर की पहली महिला महापौर बनी थीं और 2009 से 2014 तक इस पद पर रहीं। वर्ष 2019 में कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ने के बाद अक्टूबर 2023 में उन्होंने भाजपा का दामन थामा था। वर्ष 2026 में भाजपा ने उन्हें वार्ड 110 से मैदान में उतारा, लेकिन हार के साथ उनकी दोबारा महापौर बनने की संभावनाओं पर विराम लग गया।

भाजपा के बहुमत के बावजूद दो बड़े झटके

भाजपा के 78 पार्षद जीतने के बावजूद वार्ड 35 और 49 के नतीजे पार्टी के लिए चर्चा का विषय रहे। वार्ड 35 में भाजपा के विमल कटियार को निर्दलीय अमर चंद्र कुमावत ने हराया। वहीं वार्ड 49 में भाजपा के मुकेश शर्मा काका को कांग्रेस के धर्म सिंह सिंघानिया ने 482 वोटों से शिकस्त दी।

अब भाजपा के सामने बहुमत वाले बोर्ड को मजबूत नेतृत्व देने की चुनौती है। मेयर की कुर्सी पर कौन बैठेगा, इसका फैसला जीत से ज्यादा संगठन, पार्षदों के समर्थन और नेतृत्व के अंतिम समीकरण से होगा। फिलहाल कोठारी और कर्णावत सबसे आगे नजर आ रहे हैं, लेकिन महिला चेहरे समेत अन्य विजेता भी दौड़ में बने हुए हैं।

एसीएस उद्योग ने किया 181 कॉल सेंटर का निरीक्षण

जयपुर । अतिरिक्त मुख्य सचिव उद्योग शिखर अग्रवाल ने सोमवार को शासन सचिवालय स्थित राजस्थान संपर्क 181 कॉल सेंटर का निरीक्षण किया। उन्होंने विभाग से संबंधित विभिन्न जिलों से प्राप्त परिवेदनाओं की स्थिति की जानकारी ली तथा परिवादियों से वीडियो-ऑडियो कॉल के माध्यम से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को परिवेदनाओं का त्वरित निस्तारण करते हुए परिवादियों को समयबद्ध राहत प्रदान करने के निर्देश दिए।

अग्रवाल ने हनुमानगढ़ के अंकित तथा जयपुर के दिनेश कुमार से वीडियो कॉल के माध्यम से संवाद कर पोर्टल पर दर्ज उनकी समस्याओं के संबंध में जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इसी प्रकार बाड़मेर के परिवादी आनंद सिंह तथा पाली के आनंद ने ऑडियो कॉल पर बताया कि उनके रीको क्षेत्र में खराब रोड लाइट की शिकायत राजस्थान संपर्क पोर्टल पर दर्ज कराई गई थी, जिसका विभाग द्वारा समाधान कर दिया गया है। उन्होंने अपनी इन समस्याओं के समाधान पर संतोष व्यक्त किया। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने उद्योग विभाग की विभिन्न योजनाओं के तहत स्वरोजगार के लिए ऋण लेने वाले व्यक्तियों की परिवेदनाओं को भी सुना।

गौवंश को लंपी रोग से सुरक्षित रखने पर चर्चा

जयपुर । प्रदेश में गौवंश को लंपी स्किन डिजीज से सुरक्षित रखने और प्रभावी नियंत्रण के लिए पशुपालन विभाग के प्रमुख शासन सचिव विकास सीतारामजी भाले की अध्यक्षता में सोमवार को पशुधन भवन में समीक्षा बैठक हुई। बैठक में लंपी की वर्तमान स्थिति, टीकाकरण, उपचार व्यवस्था और घर-घर सर्वेक्षण की समीक्षा की गई।

भाले ने कहा कि मुख्यमंत्री लंपी रोग को लेकर गंभीर हैं और उनके निर्देश पर विभाग पूरी तत्परता से कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार के पशुपालन आयुक्त डॉ. नवीन बी ने भी राजस्थान में रोग की रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की है। उन्होंने जिला स्तर पर प्रतिदिन स्थिति की समीक्षा, तत्काल कार्रवाई और उच्च स्तर पर रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिन जिलों में अभी तक लंपी के मामले सामने नहीं आए हैं, वहां विशेष निगरानी रखने को कहा गया है। प्रभावित क्षेत्रों में घर-घर सर्वे कर बीमार गोवंश की पहचान करने तथा संभाग और राज्य स्तर से लगातार मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए। प्रत्येक जिले में आवश्यक दवाइयों और आपात व्यवस्थाओं के लिए बजट उपलब्ध कराया जा रहा है। भाले ने स्पष्ट निर्देश दिए कि दवाइयों की कमी किसी भी स्तर पर नहीं होनी चाहिए। दवा छिड़काव और फॉगिंग की व्यवस्था भी सुनिश्चित करने को कहा गया। राज्य और जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष तथा ब्लॉक स्तर पर रैपिड रेस्पॉन्स टीमों का गठन किया गया है। इनके बीच बेहतर समन्वय के निर्देश दिए गए, ताकि बीमार पशुओं को समय पर उपचार मिल सके।

संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए पशु मेलों और हाट के आयोजन पर प्रतिबंध लगाया गया है। पशुओं के आवागमन पर अन्य माध्यमों से भी अस्थायी रोक लगाने के निर्देश दिए गए। भाले ने आइसोलेशन सेंटर और साफ-सफाई पर विशेष जोर देते हुए कहा कि इन दोनों उपायों से संक्रमण नियंत्रण में बड़ी मदद मिल सकती है।

बैंककर्मियों को पिस्तौल दिखाकर 42 लाख रु. लूटे

हेलमेट पहनकर आए थे बदमाश, वारदात के बाद पावर बाइक से फरार हुए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । रामनगरिया इलाके में अक्षय पात्र चौराहे के पास सोमवार सुबह बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम बूथ से बैंककर्मियों से 42 लाख रुपए लूटने की वारदात से हड़कंप मच गया। बैंक के तीन कर्मचारी-दो महिलाएं और एक पुरुष-एटीएम बूथ में लगी कैश डिपॉजिट मशीन से नकदी निकालकर बैंक की ओर जा रहे थे। इसी दौरान हेलमेट पहने दो बदमाश पिस्तौल दिखाकर उनसे रुपयों से भरा बैग छीनकर फरार हो गए। वारदात सुबह करीब 10:41 से 10:42 बजे के बीच की बताई जा रही है।

रामनगरिया थानाधिकारी अनिल कुमार टेलर के अनुसार बैंककर्मी 3 दिन के अवकाश के बाद सोमवार को बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम की डिपॉजिट मशीन में जमा नकदी लेने पहुंचे थे। तीनों ने करीब 42 लाख रुपए काले बैग में रखे और एटीएम बूथ से निकलकर पास स्थित बैंक की बिल्डिंग की ओर जाने लगे। इसी दौरान कुछ दूरी पर पावर बाइक खड़ी कर हेलमेट लगाए दो बदमाश तेजी से पैदल एटीएम बूथ तक आए।

बदमाशों ने बैंककर्मियों को पिस्तौल दिखाकर धमकाया और धक्का-मुक्की करते हुए रुपयों से भरा बैग छीन लिया। इसके बाद दोनों पैदल भागे और कुछ दूरी पर खड़ी पावर बाइक पर सवार होकर फरार हो गए। बैंककर्मियों और आसपास मौजूद लोगों ने बदमाशों का पीछा करने का प्रयास किया, लेकिन वे हाथ नहीं आए। पूरी वारदात बैंक और एटीएम बूथ के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई है। फुटेज में दोनों बदमाश हेलमेट पहने पैदल बूथ की तरफ आते और वारदात के बाद बैग लेकर भागते दिखाई दे रहे हैं। पुलिस फुटेज के आधार पर बदमाशों के आने-जाने के रूट और उनकी पहचान का पता लगाने में जुटी है।

पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बदमाशों ने वारदात से पहले रैकी की थी। उन्हें जानकारी थी कि बैंक के कर्मचारी डिपॉजिट मशीन से नकदी निकालकर बैंक ले जाते हैं। पुलिस इस एंगल की भी जांच कर रही है कि बदमाशों को बैंककर्मियों के नकदी निकालने के समय की जानकारी कैसे मिली। निकाय चुनाव की मतगणना और गणेश चतुर्थी के दौरान शहर में पुलिस की व्यस्तता को भी बदमाशों ने वारदात के लिए मुफीद समय माना होने की आशंका जताई जा रही है।

- **पुलिस ने शहर में नाकाबंदी करवाई, परंतु बदमाशों का कोई सुराग लगा**

इधर लूट की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बैंक कर्मियों से घटनाक्रम की जानकारी ली। पुलिस ने शहरभर में नाकाबंदी करवाई, लेकिन बदमाशों का सुराग नहीं लगा। एफएसएल टीम ने भी मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। तकनीकी और साइबर टीम की मदद से सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे है। पुलिस बैंक स्टाफ, एटीएम से नकदी निकालने वाले कर्मचारियों और कैशियर से भी पूछताछ कर रही है। बैंक और एटीएम बूथ पास-पास होने के कारण पुलिस आसपास के सभी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। बाइक और बदमाशों के हुलिए के आधार पर उनकी तलाश की जा रही है। पुलिस मामले में हर एंगल से जांच कर रही है।

14.6 किलो डोडा-चूरा और 46 नशीली गोलियों के साथ तस्कर पकड़ा

जयपुर । नशे के खिलाफ चलाए जा रहे राज्यव्यापी अभियान "ऑपरेशन क्लीन स्वीप" के तहत बगरू थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पंजाब निवासी एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अठमोरिया पुलिया के पास बेहोशी की हालत में मिले गुरप्रीत सिंह के दो बैगों से 14 किलो 600 ग्राम अवैध डोडा-चूरा और 46 नशीली गोलियां बरामद की हैं। आरोपी के होश में आने के बाद उसे गिरफ्तार किया गया।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी गुरप्रीत सिंह (28) निवासी सिटी कोटकपुरा जिला फरीदकोट (पंजाब) है। पुलिस के अनुसार 13 सितंबर को बगरू पुलिस की चेतक टीम को सूचना मिली कि अठमोरिया पुलिया के पास एक व्यक्ति बेहोशी की हालत में पड़ा है। चेतक प्रभारी हैड कांस्टेबल रामकरण जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे। वहां संदिग्ध हालत में एक व्यक्ति दो बैगों के साथ पड़ा मिला। पुलिस ने तत्काल उसे उपचार के लिए उप जिला चिकित्सालय बगरू पहुंचाया। अस्पताल पहुंचाने के बाद पुलिस ने दोनों बैगों की तलाशी ली। इनमें 14 किलो 600 ग्राम डोडा-चूरा, टेंटाडिल-100 की 30 गोलियां और मिटिडोल-100 की 16 गोलियां मिलीं। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। उपचार के बाद गुरप्रीत को होश आया। पुलिस ने उससे पूछताछ की और मादक पदार्थ बरामद होने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी डोडा-चूरा और नशीली गोलियां कहां से लेकर आया था और इन्हें कहां सप्लाई किया जाना था।

बड़ी बेटी पर "अफेयर" के शक और पत्नी के विरोध में राहुल ने बनाई थी हत्या की योजना

प्रथमदृष्टया जांच में सामने आया कि आरोपी ने दोनों छोटी बेटियों को इसलिए मार दिया, क्योंकि उसे चिंता थी कि पत्नी व बड़ी बेटी की हत्या के बाद वह जेल गया तो उन दोनों की देखभाल कौन करेगा?

जयपुर । करधनी क्षेत्र में पत्नी और तीन बेटियों की हत्या के मामले में पुलिस ने फरार आरोपी राहुल कुमार झा (45) को 48 घंटे में रींगस से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था। पुलिस के अनुसार राहुल ने सो रही पत्नी गीता झा और बेटियों नंदिनी, राधिका व ग्रेशिका उर्फ गौरी के सिर और चेहरे पर भारी सीमेंट ब्लॉक से वार कर हत्या की। वारदात के बाद वह फरार होकर खाटूश्यामजी की ओर जाने की फिराक में था।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण ने बताया कि आरोपी गोविंद वाटिका, कालवाड़ रोड, करधनी का रहने वाला है। पूछताछ में सामने आया कि राहुल पिछले दो-तीन महीने से अपनी पत्नी और बड़ी बेटी को लेकर तनाव में था। उसे शक था कि बड़ी बेटी का किसी युवक से प्रेम संबंध है और रात के समय उससे मिलने कोई घर आता है। आरोपी का आरोप था कि पत्नी बेटी का पक्ष लेती थी, इसी बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि बड़ी बेटी अक्सर परिचितों के साथ बाहर घूमने जाती थी। हाल ही में वह किसी परिचित युवक के साथ कांवड़ लेकर भी आई थी। राहुल ने उसे अनजान लोगों के संपर्क से दूर रहने के लिए कई बार समझाया था। इसी बात को लेकर वह पत्नी से बेटी को समझाने के लिए कहता था।

प्रथमदृष्टया जांच में सामने आया कि राहुल पत्नी और बड़ी बेटी की हत्या की योजना बना रहा था। उसे यह भी विचार था कि दोनों की हत्या के बाद उसके जेल जाने पर छोटी बेटियों की देखभाल कौन करेगा। इसी सोच के चलते उसने छोटी दोनों बेटियों को भी मारने का फैसला कर लिया।

पुलिस के अनुसार आरोपी घर के बाहर से दो बड़े पत्थर लेकर आया था। इनमें से एक पत्थर को वह घर के अंदर ले गया। वारदात में सबसे पहले पत्नी पर हमला किया। इसके बाद नीचे कमरे में सो रही बड़ी बेटी और दोनों छोटी बेटियों पर भी हमला कर दिया। गंभीर चोटों से चारों की मौत हो गई।

करधनी थानाधिकारी सवाई सिंह ने बताया कि 11 सितंबर को पीसीआर के जरिए पुलिस को हत्या की सूचना मिली थी। पुलिस गोविंद वाटिका स्थित मकान पर पहुंची तो गीता झा और उसकी तीन बेटियों नंदिनी, राधिका व ग्रेशिका उर्फ गौरी के लहूलुहान शव मिले। चारों के सिर और चेहरे पर गंभीर चोटों के निशान थे। राहुल घर से गायब था।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आरोपी की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए। आरोपी के भाई की रिपोर्ट पर करधनी थाने में हत्या का मामला दर्ज कर पुलिस टीमें गठित की गईं। जांच के दौरान डीएसटी कांस्टेबल सांवरमल को राहुल के सीकर जिले के खाटूश्यामजी क्षेत्र में छिपे होने की सूचना मिली। इसके बाद करधनी थाना, डीएसटी जयपुर पश्चिम और सीएसटी जयपुर की संयुक्त टीमों ने रींगस-खाटूश्यामजी मार्ग पर तलाश शुरू की। टीम ने रींगस से राहुल को दबोच लिया।

थानाधिकारी सवाई सिंह के अनुसार राहुल के खिलाफ पहले भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। विधायकपुरी थाने में वर्ष 2003 में प्रकरण संख्या 277/2003 में धारा 420, 384 आइपीसी के तहत धोखाधड़ी व रंगदारी का मामला दर्ज हुआ था।

विद्याधर नगर थाने में वर्ष 2010 में प्रकरण संख्या 487/2010 में धारा 392 आइपीसी के तहत लूट का मामला दर्ज है। झोटवाड़ा थाने में भी वर्ष 2010 में प्रकरण संख्या 525/2010 में धारा 392, 411, 34 आइपीसी के तहत मामला दर्ज है। पुलिस आरोपी को रिमांड पर लेकर हत्या की वजह, वारदात की पूरी योजना और अन्य पहलुओं के संबंध में पूछताछ कर रहा है।

सार-समाचार

हिन्दू महाविद्यालय में हस्ताक्षर अभियान

दिल्ली । हिन्दू महाविद्यालय में हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में 'हिन्दी में हस्ताक्षर अभियान' शुरू किया गया। अभियान का शुभारम्भ प्राचार्य प्रो. अंजू श्रीवास्तव ने किया। उन्होंने कहा कि हिन्दी का विकास भारतीय भाषाओं के आगे बढ़ने के साथ ही होगा। युवा पीढ़ी हिन्दी में हस्ताक्षर करने से शुरुआत कर इसे ज्ञान-विज्ञान की भाषा बनाने में योगदान दे। उप प्राचार्या प्रो. रीना जैन ने कहा कि अंग्रेजी की जगह राजभाषा हिन्दी में संपूर्ण कामकाज करना महाविद्यालय का लक्ष्य है। अधिकांश प्रपत्र अब द्विभाषी स्वरूप में उपलब्ध हैं। वरिष्ठ आचार्य प्रो. रचना सिंह ने कहा कि हिन्दी को ज्ञान-विज्ञान की भाषा बनाकर ही उसका वास्तविक विकास संभव है। प्रो. विमलेन्दु तीर्थंकर ने बताया कि 2011 की जनगणना के अनुसार 43 प्रतिशत लोग हिन्दी को मातृभाषा बताते हैं, जबकि दूसरी या तीसरी भाषा के रूप में हिन्दी बोलने वालों को जोड़ने पर यह आंकड़ा 57 प्रतिशत तक पहुंचता है। हिन्दी विभाग के प्रभारी प्रो. पल्लव, अभियान की संयोजक डॉ. रुपाली सिन्हा, हिन्दी साहित्य सभा के साहिल भारद्वाज और अनुरागसहित विद्यार्थियों, शिक्षकों और कार्मिकों ने अभियान में भाग लिया। आयोजन में प्रो. वरुणेन्द्र रावत, प्रो. अनन्या बरुआ, डॉ. अंकुर शांडिल्य और संपदा अधिकारी अनुज गुप्ता भी मौजूद रहे।

वोटों में कांग्रेस आगे, सीटों में भाजपा : खान

जयपुर । नगरीय निकाय चुनाव परिणामों पर आदर्श नगर विधायक एवं राजस्थान विधानसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक रफीक खान ने कहा कि जयपुर की जनता ने वोट के रूप में भाजपा के मुकाबले कांग्रेस पर अधिक भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि भाजपा वार्डों की संख्या के आधार पर जीत का दावा कर रही है, जबकि वोट शेयर की तस्वीर अलग है। खान ने कहा कि आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र के 17 वार्डों में कांग्रेस ने 10, भाजपा ने 6 और एक वार्ड में निर्दलीय प्रत्याशी ने जीत दर्ज की। उन्होंने इसे कांग्रेस के मजबूत जनाधार का प्रमाण बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के परिसीमन से चुनाव का गणित बदल गया। बड़े वार्डों को छोटे-छोटे वार्डों में बांटने से वार्डों की संख्या का आंकड़ा भाजपा के पक्ष में दिखाई दे रहा है, जबकि कुल मतों में कांग्रेस आगे है। उनके अनुसार, जयपुर नगर निगम में कांग्रेस को करीब 6 लाख 81 हजार वोट मिले, जबकि भाजपा को 6 लाख 77 हजार वोट मिले। इसके बावजूद भाजपा ने 78 वार्ड और कांग्रेस ने 53 वार्ड जीते। रफीक खान ने कहा कि भाजपा को यदि वास्तव में जनता का जनादेश मिला है तो उसे बताना चाहिए कि अधिक वोट कांग्रेस को मिलने के बावजूद वह इसे अपनी जीत किस आधार पर बता रहा है।

A Call to Protect Our Planet

Greenpeace Day is observed every year on September 15 to mark the founding of Greenpeace in 1971, when a small group of activists set sail from Vancouver to protest nuclear testing. The day honours the global organization's decades-long fight for environmental protection, climate action, and ecological justice. It serves as a reminder of the power of grassroots movements in bringing about change. Campaigns, awareness drives, and educational programs encourage people to reduce pollution, conserve resources, and stand against practices harmful to the planet. Greenpeace Day is ultimately a call to safeguard Earth for future generations.

#INGENUITY

Keys, Buttons! Not Original

The Ancient Origins of Keys, Coins with Ridges, Buttons, and Neckties

Some of the most common objects in our daily lives, keys, coins with ridges, buttons, and neckties, may seem like modern inventions, but their roots actually stretch back thousands of years to ancient civilizations. These objects, which today serve functional, social, and even fashion-related purposes, have undergone fascinating transformations throughout history. From securing valuables to marking social status, each item tells a story of human ingenuity, evolving technology, and the shifting needs of societies.

The history of these objects is a testament to how even the simplest tools and adornments can have profound impacts on culture and daily life.

1. Keys: Unlocking the Past

The key, one of humanity's earliest security tools, has been around since ancient times. The first known keys appeared in Ancient Egypt around 2,000 BCE. These early keys were large wooden devices used to secure doors in homes and tombs. The concept of the key evolved further in Ancient Rome, where metal keys were introduced, small enough to be carried on chains for convenience. These Roman keys were an early form of the more portable and refined locks and keys we use today.

2. Coins with Ridges: The Fight Against Counterfeiting

Coins with ridged edges have their origins in the Kingdom of Lydia (modern-day Turkey) around 600 BCE, where the first standardized coins were minted from electrum (a natural alloy of gold and silver). However, it wasn't until the Roman Empire in the 1st century BCE that coins with reeded or milled edges were introduced. These ridged edges served to prevent coins from being clipped (cut to remove precious metal) and helped reduce counterfeiting, ensuring the integrity of currency.

3. Buttons: A Fashion and Functional Revolution

Buttons have a long history, dating back to around 2800-1800 BCE in the Indus Valley Civilization, where they were primarily used for decoration rather than fastening clothing. The concept of using buttons as fasteners began to develop during the Han Dynasty in Ancient China (206 BCE-220 CE), when buttons became functional parts of garments. By the Middle Ages, buttons had evolved to serve both decorative and practical purposes in Europe, eventually leading to the button as we know it today.

4. Neckties: From Armor to Fashion Statement

The necktie has a long and varied history. Ancient China (around 1,000 BCE) saw the use of cloth strips tied around the neck as a sign of rank or status. The modern necktie's true precursor appeared in the 17th century in France when Croatian mercenaries wore cloth bands around their necks, known as cravats. Over time, cravats evolved into the modern necktie in the 19th century, transitioning from a military accessory to a key part of European fashion.

Conclusion

These everyday items, keys, coins with ridges, buttons, and neckties, have roots that go back to some of the world's earliest civilizations. While their functions may have evolved over time, their origins reflect the ingenuity of ancient cultures, from securing homes to creating new standards of currency, fashion, and personal expression.

Time Waited Away

The "buffer time" tax paid by the law-abiding citizen, versus the "fast-track" privilege enjoyed by those with access. This is a breakdown of the cultural, economic, and ethical dimensions of punctuality and the "VIP culture." In a strictly ethical sense, I was not "defrauded" by the system, but was certainly penalised for my willingness to follow rules, my punctuality.

The organisers set an 11:45 AM arrival time to manage crowd flow. For thousands of people to pass through security and find seats, they needed a "staggered arrival." If everyone arrived at 2:00 PM, the system would collapse. Therefore, the "punctuality" requested by the government App is actually a request for you to have patience.

Dr. Goutam Sen
CTVS Surgeon
Traveller
Storyteller

Some time ago, I wanted to go to the air show which was being organised in Jaipur. From the newspaper, I was happy to learn that I could get an entry pass through a government App to this un-ticketed event. It was a quick and easy procedure. I had the entry pass in my mobile in an impressionably quick-time. It allotted Nirmal and I a proper section and I hoped that it would take our age into consideration as they had asked the date of birth.

We were advised to arrive by 11:45 am. The show, according to the App, was to begin by 1:30 pm. Considering the large numbers expected, I thought it wise to keep an extra half hour in hand. Traveling time was calculated generously by adding another half hour as no indication was given about parking spots and transit time from there to the stand. Both of us were going to be doing a slow walk with canes!

When I told my son about my plans, he said that since it was a Sunday, he could join us. To make it more convenient, he said that he would ask his contacts in the police for more convenient arrangements. In the end, we left home at 2.00 pm and reached a location from where we were taken to the venue in a proper pass designated car to very near the VIP stand to be just in time for the actual 3:30 pm start.

I was saved a four hour early start. Was this fair? Was it not a fraud to take advantage of my punctuality?

Today because of VIP culture, all timings for a meeting are intentionally marked early.

Is this a cultural thing?

Should it be allowed?

Is this practice universal?

What are costs to individuals or the nation as whole? Is India particularly prone to being late?

The friction between institutional punctuality (the 11:45 AM arrival) and social status flexibility (the 2:00 PM departure) touches on a deep-seated frustration felt by many in India. The "buffer time" tax paid by the law-abiding citizen, versus the "fast-track" privilege enjoyed by those with access. This is a breakdown of the cultural, economic, and ethical dimensions of punctuality and the "VIP culture." In a strictly ethical sense, I was not "defrauded" by the system, but was certainly penalised for my willingness to follow rules, my punctuality. The organisers set an 11:45 AM arrival time to manage crowd flow. For thousands of people to pass through security and find seats, they needed a "staggered arrival." If everyone arrived at 2:00 PM, the system would collapse. Therefore, the "punctuality" requested by the government App is actually a request for you to have patience.

There was a time when punctuality was regarded as a simple courtesy. If somebody invited you to a meeting at 10 a.m., you tried to be there at 10.00. If you were delayed, you apologised or informed the other person.

The principle was simple: my time matters, but so does yours.

Time is a unique resource. Money lost can sometimes be earned again. An opportunity may occasionally return. But an hour once wasted can never be recovered.

Consider a family attending a public event. If four members are asked to arrive three hours before the programme that is twelve person-hours spent waiting. Multiply that by 10,000 spectators and the figure becomes 30,000 hours of human life. What looks like "just a little waiting" to an organiser can become an enormous social cost. For elderly people, children and people travelling from distant parts of a city, the burden is even greater.

An organiser's convenience should not automatically become a citizen's inconvenience. The more disturbing part of my experience was the contrast between ordinary spectators and people who had access to privileged arrangements, the VIP culture.

#PUNCTUAL

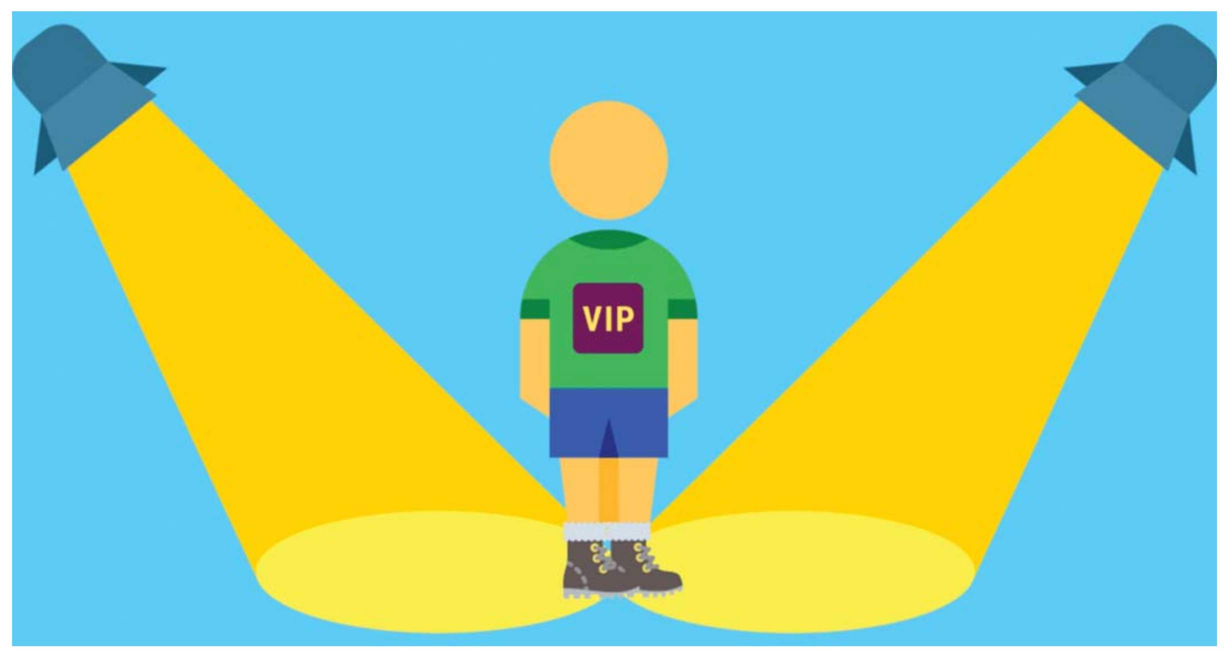

The ordinary citizen is told:

"Come early. Allow extra time. Expect crowds. Follow the rules."

But somebody with the right contacts may be able to say:

"I know someone who can arrange our transport."

Suddenly, the system becomes flexible.

There are legitimate reasons why certain officials, security personnel or dignitaries may require special arrangements. A VIP's security cannot always be handled in the same way as that of the general public. He will be allowed to arrive later.

But privilege becomes objectionable when it simply means freedom from inconvenience.

A familiar example can be seen at large government functions. Ordinary visitors may have to arrive early, pass through security and wait for hours, while senior dignitaries arrive shortly before the programme and leave soon afterwards.

VIP culture is therefore not merely about reserved seats or special cars.

Its deeper message is:

"The more important you are, the less important everybody else's time becomes."

That is a dangerous social habit, the culture of the late meeting.

A meeting may be announced for 10 a.m., but everyone knows that the senior person may arrive at 10:30, because the chief guest is expected to arrive late.

Sometimes, the programme itself is printed with one time while the organisers privately communicate another. A particularly common example is the wedding invitation. A card may say that the ceremony begins at 7 p.m., yet, guests may expect the actual rituals to begin much later. People have adjusted to the practice so completely that arriving on time can make one feel foolish.

> There is also a psychological consequence. When people repeatedly experience delays, they stop trusting schedules. They begin adding "buffer time" to everything. A journey that should take 30 minutes is planned as a one-hour journey. A one-hour meeting is blocked out for two hours. A simple appointment becomes a half-day commitment. People even learn to say, "The programme will start late anyway." That sentence sounds harmless, but it represents surrender to inefficiency.

The same thing happens at conferences. Delegates arrive according to the published schedule, but the opening ceremony waits for a dignitary. The audience sits, conversations continue, mobile phones come out, and everyone waits.

The irony is striking: The person who respects the clock is punished; the person who ignores it is rewarded. Once people understand this, punctuality begins to decline.

Is India particularly prone to lateness?

It would be unfair to say that Indians are inherently less punctual. Many Indians are extremely disciplined about time. Airlines, factories, hospitals, courts, technology companies and countless businesses cannot function without punctuality.

Nor is casual lateness uniquely Indian. Every country has people who are late and organisations that run behind schedule.

What is more noticeable in India is the combination of hierarchy, bureaucracy, social tolerance and VIP privilege. A junior employee may wait for a senior officer. Citizens may wait outside government offices. A meeting may wait for the chairman. A public function may wait for the chief guest.

The common assumption is that the time of the important person has greater value.

But why should that be so?

Rank may determine responsibility; it should not determine the value of a person's time.

The waste of time also has an economic cost. Suppose 20,000 people attend a public event and each is required to arrive two hours earlier than necessary. That represents 40,000 hours of human time.

Those hours could have been spent working, studying, caring for family, travelling, exercising, resting or simply living.

Now, imagine the same waste occurring across thousands of meetings, appointments, conferences, government functions and public programmes.

A doctor's clinic provides another everyday example. A patient may be given a 10 a.m. appointment but not see the doctor until 11:30. If ten patients experience the same delay, fifteen hours of combined patient time have been wasted, before counting the doctor's time and the effect on subsequent appointments.

At government offices, a citizen may take leave from work to obtain a certificate or complete a procedure, only to spend half the day waiting.

At a national scale, this is not merely an issue of manners. A country can lose productivity without losing a single rupee from its treasury, simply by wasting people's time.

There is also a psychological consequence. When people repeatedly experience delays, they stop trusting schedules.

They begin adding "buffer time" to everything.

A journey that should take 30 minutes is planned as a one-hour journey. A one-hour meeting is blocked out for two hours. A simple appointment becomes a half-day commitment. People even learn to say, "The programme will start late anyway." That sentence sounds harmless, but it represents surrender to inefficiency.

It produces a vicious circle. People arrive late because they expect others to be late; others then delay because nobody arrived on time.

Eventually, punctuality becomes the exception rather than the norm.

What should change?

The solution does not require impossible precision. Large public events involve security, traffic, weather and other uncertainties.

But organisers should distinguish clearly between the time spectators should arrive and the event to begin.

If early arrival is genuinely necessary, the reason should be communicated. A transparency should exist.

For a major event, citizens should receive clear information about parking, shuttle services, entry gates and expected waiting time.

The same government App that issued my digital pass could potentially provide real-time updates:

"Security screening is heavy; please arrive by 12:30," or "The programme will begin at 3:30 rather than 1:30."

That would be a much more citizen-friendly system. Digital access is useful; accurate information is better.

Punctuality must be a two-way street. Citizens have a responsibility to be punctual. But institutions have an even greater responsibility because they control the information on which thousands of people plan their lives.

We should therefore stop asking only:

"Did the event start on time?"

We should also ask:

"Did the organisers use the public's time responsibly?"

An event beginning at 3:30 p.m. may technically be punctual if that was the actual operational schedule. But if thousands of people were unnecessarily instructed to arrive at 11:45 a.m., their time has still been wasted. I was fortunate. Through my son's contacts, I avoided several hours of waiting and reached the venue comfortably.

But that good fortune is precisely what made me uncomfortable.

I should not have needed a connection to save my time.

A properly organised public event should allow an ordinary citizen holding a legitimate government-issued pass to make a sensible plan and trust the information provided.

The real test of a modern, efficient India is not how quickly a VIP can reach the front gate.

It is how respectfully an ordinary citizen is treated while waiting at it.

Perhaps, the simplest rule we can adopt is: If your time is valuable, so is mine.

Punctuality is not merely about watching the clock. It is about respecting the person who is watching it.

And when institutions routinely demand punctuality from citizens while allowing themselves, or the privileged, to disregard the clock, they are not merely wasting minutes. They are teaching an entire society that some people's time matters more than others.

That is a habit we can, and should, change.

rajeshsharma1049@gmail.com

#VINOD MAGANLAL SHAH

The Global Rise of Indian Hand Embroidery

One of the most celebrated examples of Chankaya's artistry came during the Dior Fall 2023 Show hosted by Dior at the iconic Gateway of India

In 1986, Vinod Maganlal Shah made a decision that would eventually transform the global perception of Indian craftsmanship. Leaving behind his family business, Shah travelled extensively across different countries, studying international luxury markets, textile traditions and the evolving world of fashion. What he discovered during those journeys became the foundation of a remarkable vision, to show the world the unmatched beauty and artistry that Indian hands could create.

When he returned to India, Shah began working closely with master artisans from across the country, bringing together generations of traditional craftsmanship under one roof. This effort eventually led to the creation of Chankaya International, which has today become one of the most respected names in luxury hand embroidery worldwide.

Over the decades, Chankaya International has emerged as a bridge between India's ancient craft heritage and the world's leading luxury fashion houses. Today, nearly forty global luxury brands are said to depend on Chankaya's intricate Indian hand embroidery for couture collections, textiles and artistic installations. The company's work represents not only technical excellence but also the emotional depth and storytelling that handcrafted art brings to fashion.

One of the most celebrated examples of Chankaya's artistry came during the Dior Fall 2023 Show hosted by Dior at the iconic Gateway of India. For the event, women artisans associated with Chankaya created a spectacular 14-metre toran installation that captured global attention. The masterpiece required nearly 35,000 hours of handwork and incorporated 25 different Indian craft techniques, including traditional forms such as Phulkari, mirror work and Kantha embroidery.

The installation was more than a decorative piece; it was a celebration of India's living craft traditions and the skilled women who continue to preserve them. Every thread, mirror and motif reflected centuries of cultural memory and artistic discipline passed down through generations.

At the heart of Chankaya's success lies its commitment to preserving endangered Indian craft forms. Under Shah's leadership, thirteen generations of master ustaads have helped safeguard nearly 300 traditional embroidery and textile techniques. Some of these art forms were on the verge of disappearing before Chankaya revived them through research, training and contemporary application. Among these rare traditions is Chand Jaal, an intricate silver embroidery technique known for its delicate beauty and extraordinary craftsmanship.

However, Vinod Maganlal Shah's contribution extends far beyond fashion and luxury. One of his most significant achievements has been the empowerment of women artisans, particularly those from underprivileged backgrounds. Through Chankaya's large-scale training initiatives and craft schools, thousands of women have received free education in embroidery, textile arts and craftsmanship. Many of these women, who once lacked financial independence or professional opportunities, have gone on to build stable livelihoods through their skills. Today, Chankaya International stands not only as a symbol of luxury craftsmanship but also as a powerful reminder of India's artistic legacy. Through vision, perseverance and deep respect for traditional artisans, Vinod Maganlal Shah has ensured that Indian embroidery continues to shine on the world stage while creating opportunities for future generations to carry these timeless traditions forward.

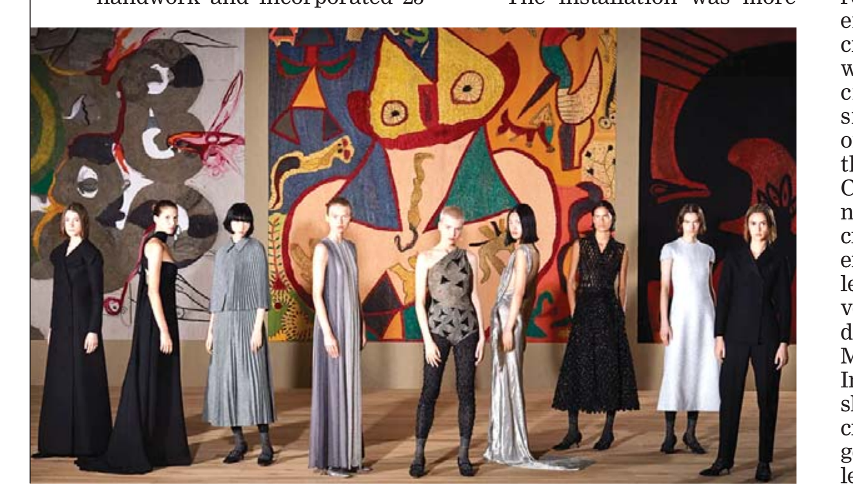

THE WALL

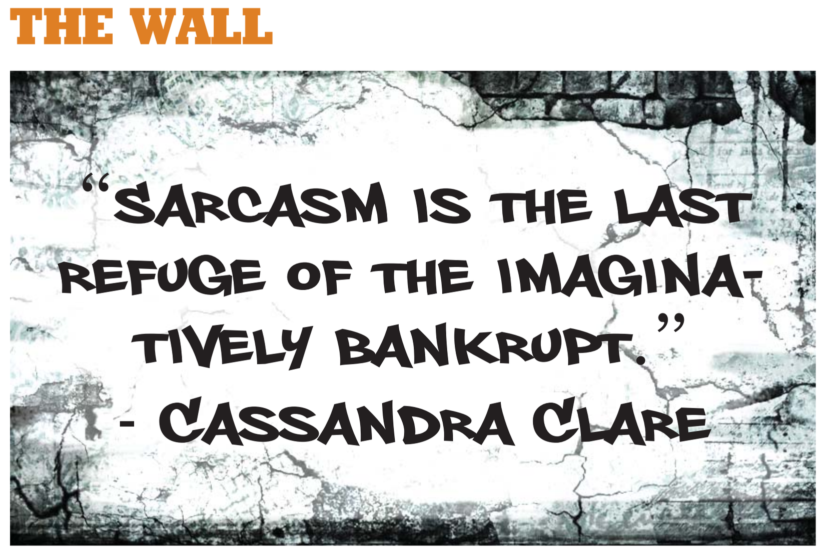

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

श्रीगंगानगर में भाजपा 30 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी

बीजेपी के 30, कांग्रेस के 17 और 18 निर्दलीय ने जीत दर्ज कराई

श्रीगंगानगर, (निसं)। नगर परिषद के 65 वार्डों के नतीजे सामने आने के बाद अब बोर्ड गठन की तस्वीर भी लगभग साफ हो गई है। भाजपा 30 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, जबकि कांग्रेस को 17 और निर्दलीयों को 18 वार्डों में जीत मिली है।

नगर परिषद में बोर्ड बनाने के लिए 33 पार्षदों का समर्थन जरूरी है। ऐसे में भाजपा बहुमत के आंकड़े से महज 3 सीट दूर है। यदि भाजपा समर्थित माने जा रहे निर्दलीय पार्षदों में से कम से कम 3 भाजपा के साथ

- **यदि भाजपा समर्थित माने जा रहे निर्दलीय पार्षदों में से कम से कम 3 भाजपा के साथ आते हैं, तो भाजपा आसानी से बोर्ड बनाने की स्थिति में पहुंच सकती है, हालांकि, यही निर्दलीय पार्षद अब बोर्ड गठन में सबसे अहम भूमिका निभाएंगे**

आते हैं, तो भाजपा आसानी से बोर्ड बनाने की स्थिति में पहुंच सकती है। हालांकि, यही निर्दलीय पार्षद अब बोर्ड गठन में सबसे अहम भूमिका निभाएंगे। चुनाव परिणामों के बाद निर्दलीयों में करीब 7 से 8 पार्षदों को भाजपा समर्थित बताया जा रहा है। ऐसे में आने वाले दिनों में पार्षदों की राजनीतिक स्थिति और समर्थन बोर्ड गठन की दिशा तय करेगा।

मतगणना के शुरुआती दौर से ही भाजपा ने बढ़त बनानी शुरू कर दी थी। वार्ड नंबर 2 से भाजपा की संगीता देवी और वार्ड नंबर 5 से संजय शर्मा ने जीत दर्ज कर पार्टी का खाता मजबूत किया। वहीं, कांग्रेस ने भी शुरुआती परिणामों में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। वार्ड नंबर 1 से कांग्रेस के अनूप सिंह बाजवा और वार्ड नंबर 4 से कांग्रेस की कर्मजीत कौर ने जीत हासिल की। वार्ड नंबर 4 का मुकाबला बेहद करीबी रहा और कर्मजीत कौर ने महज 4 वोट के अंतर से जीत दर्ज की। वार्ड नंबर 54 का परिणाम भी भावुक कर देने वाला रहा। यहां भाजपा के अमरजीत गिल के चुनाव जीतने के बाद उनके बेटे ने उन्हें गले लगाकर खुशी के आंसू बहाए। श्रीगंगानगर नगर परिषद के चुनाव परिणामों में भाजपा भले ही सबसे बड़ी पार्टी बनकर सामने आई हो, लेकिन उसके पास अपने दम पर बोर्ड बनाने के लिए जरूरी बहुमत नहीं है। भाजपा के पास 30, कांग्रेस के पास 17 और निर्दलीयों के पास 18 सीटें हैं। बहुमत का आंकड़ा 33 होने के कारण भाजपा को कम से कम 3 पार्षदों के समर्थन की जरूरत पड़ेगी। अब असली राजनीतिक गणित 18 निर्दलीय पार्षदों के इर्द-गिर्द घूमेगा। इनमें से कितने पार्षद भाजपा के साथ जाते हैं और कितने स्वतंत्र रुख रखते हैं, यह बोर्ड गठन में निर्णायक होगा।

सहायक अभियंता तीस हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

पंचायत समिति भुसावर में ए.सी.बी. चौकी भरतपुर इकाई ने कार्रवाई की

भरतपुर, (निसं)। ए.सी.बी. चौकी भरतपुर इकाई द्वारा कार्रवाई करते हुए गोविन्द प्रसाद, सहायक अभियंता, पंचायत समिति भुसावर, जिला भरतपुर को परिवादी से तीस हजार रुपये रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के एएसपी अमित सिंह ने बताया कि ए.सी.बी. चौकी भरतपुर को एक शिकायत इस आशय की मिली कि परिवादी संवेदक एवं सहपरिवादी की माप पुस्तिका तथा कार्यपूर्णता प्रमाण पत्र को सत्यापित कर हस्ताक्षर करने की एवज में गोविन्द प्रसाद, सहायक अभियंता, पंचायत समिति भुसावर, जिला भरतपुर द्वारा

रिश्वत का आरोपी

तीस हजार रुपये रिश्वत की मांग कर परेशान किया जा रहा है।

जिस पर ए.सी.बी. रेंज भरतपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस ओमप्रकाश

- **माप पुस्तिका तथा कार्यपूर्णता प्रमाण पत्र को सत्यापित करने की एवज में रिश्वत मांगी**

मीणा के सुपरवीजन में ए.सी.बी. चौकी भरतपुर के अमित सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में महेन्द्र सिंह, पुलिस निरीक्षक के नेतृत्व में टीम द्वारा आज ट्रैप कार्रवाई करते हुए आरोपी गोविन्द प्रसाद, सहायक अभियंता को परिवादी से तीस हजार रुपये रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है।

झुंझुनूं नगर परिषद में कांग्रेस की वापसी, निर्दलीयों का दबदबा

झुंझुनूं, (निसं)। जिले की 18 नगरपालिकाओं और झुंझुनूं नगर परिषद सहित 19 नगरीय निकायों के सोमवार को घोषित हुए चुनाव परिणामों ने जिले की राजनीति में बड़ा उलटफेर कर दिया है। 555 वार्डों के सामने आए पार्टीवार परिणामों में निर्दलीयों ने 203 सीटें जीतकर सबसे बड़ा समूह बनाया है, जबकि राजनीतिक दलों में कांग्रेस 194 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। भाजपा को 157 सीटों पर संतोष करना पड़ा है। माकपा (सीपीआईएम) को उदयपुरवाटी में एक सीट मिली है। कांग्रेस ने भाजपा पर बढ़त बनाई, लेकिन किसी एक दल के बजाय निर्दलीयों ने सबसे ज्यादा सीटें जीतकर शहरी राजनीति की दिशा तय करने की ताकत हासिल कर ली।

कुल 555 सीटों के आंकड़ों में कांग्रेस को 194, भाजपा को 157 और निर्दलीयों को 203 सीटें मिलीं। इस लिहाज से कांग्रेस ने भाजपा से 37 सीट अधिक जीती हैं। लेकिन निर्दलीय कांग्रेस से भी 9 सीट आगे हैं। राजनीतिक तौर पर इसे कांग्रेस की जिले में मजबूत वापसी के तौर पर देखा जा रहा है, जबकि भाजपा के लिए कई निकायों में पार्टी प्रत्याशियों के बजाय स्थानीय और

- **झुंझुनूं नगर परिषद में कांग्रेस 30 पर, बहुमत से सिर्फ एक कदम दूर**

निर्दलीय चेहरों का मजबूत प्रदर्शन चुनौती बनकर सामने आया है।

बगड़ में 20 वार्डों में निर्दलीयों ने 11 सीटें, भाजपा ने 6 और कांग्रेस ने 3 सीटें जीतीं। बहुमत का आंकड़ा 11 है। इसलिए निर्दलीय अपने दम पर बोर्ड बनाने की स्थिति में हैं। बिसाऊ में 25 वार्डों में भाजपा ने 13, कांग्रेस ने 12 सीटें जीतीं। बहुमत का आंकड़ा भी 13 है। इसलिए भाजपा का बोर्ड बनने की स्थिति सबसे मजबूत है। बुहाना में भाजपा 9, कांग्रेस 8 और निर्दलीय 3 पर हैं। बहुमत के लिए 11 चाहिए। भाजपा को बोर्ड के लिए कम से कम 2 निर्दलीयों का समर्थन हासिल करना होगा। यहां निर्दलीय किंगमेकर हैं। चिड़ावा में 45 में से निर्दलीय 22, कांग्रेस 13 और भाजपा 10 पर है। बहुमत 23 का है। निर्दलीय सिर्फ एक सीट दूर हैं। एकजुट रहे तो बोर्ड बनाने की स्थिति में हैं; अन्यथा किसी दल के साथ गठजोड़ निर्णायक होगा। डूंडलोद में 20 में से निर्दलीय 10, कांग्रेस 8 और भाजपा 2। बहुमत 11 है। निर्दलीय बहुमत से एक कदम दूर हैं और एक समर्थन से बोर्ड का गणित बदल सकता है। जाखल में 20 में से भाजपा ने 15 सीटें जीतीं। कांग्रेस 4 और निर्दलीय 1 पर रहे।

झुंझुनूं नगर परिषद-कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी :- 60 वार्डों में कांग्रेस 30, भाजपा 15 और निर्दलीय 15 पर हैं। बहुमत का आंकड़ा 31 है। कांग्रेस को सिर्फ एक पार्षद के समर्थन की जरूरत है। इसलिए झुंझुनूं शहर में कांग्रेस बोर्ड बनाने की सबसे मजबूत स्थिति में है। भाजपा के 15 और निर्दलीयों के 15 को जोड़ने पर भी आंकड़ा 30 ही बैठता है। ऐसे में भाजपा को सत्ता तक पहुंचने के लिए अतिरिक्त समर्थन जुटाना पड़ेगा।

खेतड़ी में 25 में निर्दलीयों ने 13, भाजपा 8 और कांग्रेस 4 सीटें जीतीं। मलसीसर में कांग्रेस 10, भाजपा 7 और निर्दलीय 3 पर हैं। बहुमत 11 है। कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है और एक सीट के समर्थन से बोर्ड बना सकती है। मंडावा में कांग्रेस ने 16 सीटें जीतीं। भाजपा 6 और निर्दलीय 3 पर हैं। कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत है। कांग्रेस का बोर्ड बनना लगभग तय है।

अज्ञात चोरों ने कटर से काटकर एटीएम लूटा

जोधपुर, (कासं)। फलोदी-नागौर राजमार्ग संख्या 19 पर आऊ कस्बे में स्थित आईसीआईसीआई बैंक के एटीएम को अज्ञात चोरों ने कटर से काटकर लूट लिया। यह वारदात देर रात करीब दो बजे के बाद हुई। चोरों ने वारदात से पहले बैंक परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों को भी तोड़ दिया था। हालांकि, शुरुआती जांच में फुटेज में तीन संदिग्ध चोर दिखाई दिए हैं।

घटना की जानकारी मिलते ही भोजासर थानाधिकारी जमील खान पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत क्षेत्र में नाकाबंदी करवाई। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर सबूत जुटाए। अब पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान और तलाश कर रही है।

बैंक अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। लोहावट सीओ भवानी सिंह ने भी घटनास्थल का मुआयना किया और पुलिस अधिकारियों से मामले की जानकारी ली। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। आसपास के इलाकों में नाकाबंदी कर संदिग्धों की तलाश जारी है। पुलिस जल्द ही इस वारदात का खुलासा करने की कोशिश कर रही है।

कोटा में नेतृत्व विहीनता, गुटबाजी और गुंजल की उपेक्षा से हारी कांग्रेस

कोटा, (निसं)। पूर्वानुमान के अनुसार ही कोटा नगर निगम के चुनाव परिणाम सामने आए हैं। यहां पर भारतीय जनता पार्टी बहुमत के साथ बोर्ड बनाने की स्थिति है और कांग्रेस यहां पर अपना गढ़ ढहा कर बैठी है। पिछली बार यहां पर दोनों ही नगर निगम में कांग्रेस का बोर्ड था। भाजपा ने दो नगर निगम खत्म करके एक कर दिया और अब उस पर भारतीय जनता पार्टी का बोर्ड काबीज होगा। कोटा नगर निगम में 100 वार्ड हैं। जिनमें भारतीय जनता पार्टी 55 तथा कांग्रेस 38 वार्ड जीत सकी है, जबकि चार वार्डों में निर्दलीयों ने अपना परचम लहराया है।

देर शाम तक तीन वार्ड का परिणाम ईवीएम में खराबी के चलते रुका हुआ था। सही मायनो में कहा जाए तो कांग्रेस यहां पर जीती बाजी हार गई। शुरुआत से यह माना जा रहा था कि कोटा में कांग्रेस मजबूत स्थिति के साथ बोर्ड बनाएगी, लेकिन टिकट वितरण की हलचल के साथ ही कांग्रेस का नुकसान होना शुरू हो गया। टिकट वितरण में इस कदर गुटबाजी चली कि कांग्रेस के नेता अपना अस्तित्व बचाने की लड़ाई ही लड़ते रहे। कांग्रेस के दिग्गजों मठाधीशों की जाजम खाली ना हो जाए इसलिए उन्होंने अपने समर्थक चेहरों को मैदान में उतारा जो हार या जीत दोनों ही स्थिति में उनकी जाजम पर बैठे रहे। कांग्रेस के टिकट वितरण में अपनी

- **कोटा में कांग्रेस के मठाधीशों ने टिकट वितरण तक तो अति सक्रियता दिखाई, लेकिन उसके बाद वह निष्क्रिय हो गए**
- **कांग्रेस प्रत्याशियों ने पूरा चुनाव खुद की दम पर ही लड़ा, इसलिए यह जीत कांग्रेस के दिग्गजों की नहीं, बल्कि कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की मानी जानी चाहिए**
- **भाजपा को भी नुकसान हुआ है, परंतु भाजपा नेतृत्व ने उस नुकसान को बहुत हद तक कम कर दिया था**

जिताऊ उम्मीदवार शालिनी गौतम जो महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष हैं का टिकट काट दिया। उस वार्ड से कांग्रेस हार गई। चर्चा यह है कि शालिनी गौतम का टिकट इसलिए काटा गया था क्योंकि वह कोटा दक्षिण विधानसभा में लोकप्रियता हासिल करने लगी थी। जिसके चलते गुटबाजी हुई और उनका टिकट कट गया। इसी तरीके से वार्ड 77 में निर्दलीय प्रत्याशी रानी जुबेर चुनाव जीत गई। रानी जुबेर के पति जुबेर खान कांग्रेस अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष हैं। उन्हें नईमुद्दीन गुड्डू खेमे का नेता माना जाता है। परंतु यहां पर शांति धारीवाल ने मनमर्जी करते हुए अपने समर्थक को प्रत्याशी बना दिया और कांग्रेस यहां चुनाव हार गई।

कांग्रेस के मठाधीशों ने टिकट वितरण में जितनी सक्रियता दिखाई, उतना ही वे अपने प्रत्याशियों को टिकट दिलाने के बाद निष्क्रिय हो गए। सबने अपने-अपने समर्थकों को अपने हिस्से के टिकट तो दिला दिए लेकिन उनकी जीत के लिए कोई दिखने वाले प्रयास नहीं किए। कांग्रेस प्रत्याशी नेतृत्व विहीन होकर चुनाव लड़ते रहे। परंतु ना स्थानीय नेतृत्व को इसकी चिंता थी और ना प्रदेश नेतृत्व ने इस बात की परवाह की। कांग्रेस प्रत्याशी टिकट मिलने के बाद खुद की दम पर ही चुनाव लड़ते रहे। उनके प्रचार के लिए शांति धारीवाल जैसे दिग्गज नेता ने कोटा में एक भी सभा नहीं की। जबकि भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों के लिए खुद मुख्यमंत्री भजनलाल कोटा आए, रोड शो किया और सभा को संबोधित किया। यहां सिर्फ गलती कांग्रेस के स्थानीय मठाधीशों की ही नहीं रही, कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व की भी है।

कांग्रेस का प्रदेश नेतृत्व कोटा कांग्रेस के मठाधीशों के दबाव में रहा। इसके चलते उसने कोटा कांग्रेस में नई जान फूंकने वाले प्रहलाद गुंजल की भी उपेक्षा कर दी। प्रहलाद गुंजल 30 प्रतिशत टिकट मांग रहे थे लेकिन कांग्रेस के नेताओं ने अपना गुट बनाकर ऐसा दबाव डाला की गुंजल को केवल पांच टिकट ही मिल पाए। कोटा के आम कांग्रेस कार्यकर्ताओं में चर्चा है कि अगर प्रहलाद गुंजल को टिकट वितरण में महत्व दिया जाता तो कांग्रेस को एक नेतृत्व मिलता, जिसके चलते कांग्रेस कार्यकर्ता उत्साहित होते, चुनावी मैनेजमेंट का एक गणित होता और कांग्रेस एकजुट नजर आती। लेकिन दुविधा यह थी कि अगर प्रहलाद गुंजल कोटा में मजबूत होते तो कांग्रेस के स्थानीय मठाधीशों की जमीन खिसक सकती थी। अब कांग्रेस को निकाय चुनाव में जीत दिलाने के लिए कांग्रेस के मठाधीश अपना अस्तित्व तो दाव पर लगा नहीं सकते थे।

ऐसा नहीं है कि भारतीय जनता पार्टी के अंदर सब कुछ ठीक था। यहां पर भी टिकट वितरण को लेकर नाराजगी थी, लेकिन भाजपा के स्थानीय नेतृत्व और प्रदेश नेतृत्व ने डैमेज को संभालने के लिए हर संभव प्रयास किया। जिसका परिणाम यह रहा की भारतीय जनता पार्टी बहुमत प्राप्त करने में सफल रही।

सीकर में कांग्रेस को बहुमत मिला

सीकर, (निसं)। सीकर निकाय चुनाव के रिजल्ट में कांग्रेस को बहुमत मिल गया है। लगातार तीसरी बार कांग्रेस ने नगर परिषद पर पंजा जमाया है। आज जीते सभी पार्षदों में सबसे अमीर पूर्व सभापति जीवण खां की पत्नी खतीजा बानो हैं। वहीं, जीत का सबसे कम अंतर वार्ड 6 में सिर्फ 20 वोटों का रहा। वहीं, सबसे ज्यादा अंतर वार्ड 9 में 1680 वोटों का रहा।

वार्ड नं 15 से पूर्व सभापति जीवण खां ने भी चुनाव जीत लिया है। सीकर के 65 वार्डों में सबसे नजदीकी टक्कर वार्ड नं 18 में रही, जहां कांग्रेस के साबिर और के युनुस को बराबर वोट मिले। इसके बाद लॉटरी में के युनुस को विजयी घोषित किया गया। वहीं सीकर में सबसे बड़ी जीत वार्ड नंबर-9 में हुई, जहां कांग्रेस के प्रत्याशी मुश्ताक तंवर ने भाजपा के मोहम्मद सलीम को 1680 वोटों से हराया।

सीकर नगर परिषद के नए बोर्ड में 6 करोड़पति प्रत्याशी जीते हैं। इनमें भाजपा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष व वार्ड नं 35 से अशोक चौधरी, वार्ड नं 49 से संतोष देवी हैं। वहीं, कांग्रेस के पूर्व सभापति व वार्ड नं15 से जीवण खां, वार्ड नं 16 से खतीजा बानो, वार्ड नं 22 से इंदर सिंह पाटोदा और वार्ड नं-62 से शारदा देवी हैं।

भरतपुर नगर निगम चुनाव परिणाम में 36 निर्दलीय प्रत्याशी जीते

आरएलपी को पहली बार एक सीट मिली, वहीं बसपा उम्मीदवार मोती सिंह इस बार भी चुनाव जीते

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर नगर निगम चुनाव के 65 वार्डों के सभी नतीजे सामने आ गए हैं। चुनाव परिणाम में निर्दलीय प्रत्याशियों ने सबसे शानदार प्रदर्शन करते हुए 36 वार्डों में जीत दर्ज की है। भाजपा को 20, कांग्रेस को 7, जबकि बीएसपी और आरएलपी को एक-एक वार्ड में जीत मिली है। निर्दलीयों के बहुमत से बोर्ड गठन में उनकी भूमिका बेहद अहम हो गई है।

इस चुनाव में निगम के वार्ड 19 से पूर्व मेयर शिव सिंह भौंट को भाजपा प्रत्याशी मनोज सिंह ने हराया। मनोज सिंह का नाम कांग्रेस व भाजपा दोनों ने उम्मीदवार घोषित किया था बाद में उन्होंने भाजपा के सिंबल पर चुनाव लड़ा। मनोज सिंह पहले भी पार्षद रह चुके हैं। जबकि पूर्व मेयर शिवसिंह की पत्नी विचित्रा सिंह चुनाव में अन्य वार्ड से विजयी रही हैं। इस चुनाव में भाजपा के दिग्गज नेता भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश महामंत्री हंसिका गुर्जर, जिलाध्यक्ष कविता गोयल वार्ड 60 से, ब्रजेश अग्रावाल की पत्नी कुसुम, डिप्टी

- **65 वार्डों में से 36 वार्डों में निर्दलीय जीते, बीजेपी 20, कांग्रेस 7 पर सिमटी**
- **कांग्रेस में संजय शुक्ला एवं निगम के पूर्व नेता प्रतिपक्ष इंद्रजीत भारद्वाज चुनाव हारे**

मेयर गिरीश चौधरी की पत्नी मीनू चौधरी एवं प्रदेश प्रवक्ता शैलेश कौशिक की पत्नी भी चुनवा हार चुकी है। कांग्रेस में संजय शुक्ला एवं निगम के पूर्व नेता प्रतिपक्ष इंद्रजीत भारद्वाज चुनाव हार चुके हैं। जबकि निगम के निवर्तमान डिप्टी मेयर गिरीश चौधरी की पत्नी भाजपा उम्मीदवार मीना कुमारी मीनू चौधरी वार्ड 18 से चुनाव हार चुकी है। मीनू चौधरी को भाजपा से मेयर पद का दावेदार माना जा रहा था। मीनू चौधरी पूर्व में प्रधान भी रह चुकी हैं।इस चुनाव आरएलपी को फायदा मिला है नगर निगम चुनाव में पहली बार आरएलपी पार्टी का उम्मीदवार गोपाल कश्यप चुनाव जीते हैं। वहीं बसपा उम्मीदवार मोती सिंह इस बार भी चुनाव जीते है।

भरतपुर नगर निगम चुनाव 2026 की मतगणना शांतिपूर्ण तरीके से पूरी हो गई। नगर निगम के सभी 65 वार्डों के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। चुनाव परिणाम में निर्दलीय प्रत्याशियों ने राजनीतिक दलों को पीछे छोड़ते हुए सबसे ज्यादा 36 वार्डों में जीत दर्ज की है। भाजपा ने 20 वार्डों में जीत हासिल की, जबकि कांग्रेस के खाते में महज 7 वार्ड आए। इस तरह 65 वार्डों में निर्दलीय प्रत्याशियों की हिस्सेदारी 55 प्रतिशत से अधिक रही। निर्दलीयों ने भाजपा और कांग्रेस की कुल 27 सीटों से भी 9 ज्यादा वार्डों में जीत दर्ज की है। ऐसे में अब नगर निगम में बोर्ड गठन को लेकर निर्दलीय पार्षदों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

पोकरण में ड्रोनाथॉन-2026 का उद्घाटन

जैसलमेर, (नि.सं.)। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित वाइस चीफ़ ऑफ़ एयर स्टाफ़ ने सोमवार को जैसलमेर के पोकरण फ़ील्ड फ़ायरिंग रेंज में पहले इंडियन एयर फ़ोर्स ड्रोनाथॉन-2026 का उद्घाटन किया।

जानकारी के अनुसार उद्घाटन समारोह में रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और भारतीय सेना तथा बीएसएफ के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। ड्रोनाथॉन-2026 इंडियन एयर फ़ोर्स की एक पहल है, जिसका उद्देश्य भारतीय बिना पायलट वाले सिस्टम उद्योग के साथ सीधे जुड़ना और वास्तविक ऑपरेशनल स्थितियों में उभरती हुई तकनीकों का आकलन करना है। 14 से 16 सितंबर तक आयोजित होने वाले इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में भारत के तेज़ी से विकसित हो रहे अनमैन्ड सिस्टम इकोसिस्टम से 20 से अधिक प्रमुख रक्षा कंपनियाँ, स्टार्ट-अप और इनोवेटर एक साथ आ रहे हैं। ड्रोनाथॉन के दौरान, भाग लेने वाली कंपनियाँ और इनोवेटर पोकरण रेंज में अपने अनमैन्ड एयरक्राफ़्ट सिस्टम और संबंधित तकनीकों का प्रदर्शन करेंगे।

अलवर में भाजपा बहुमत से पांच सीटें तो कांग्रेस दस सीट दूर

यहां बोर्ड बनाने के लिए निर्दलीय किंग मेकर की भूमिका निभाएंगे

अलवर, (निसं)। अलवर में नगर निगम में चुनावों का परिणाम आ चुका है यहां दोनों ही पार्टियों को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है सत्ताधारी पार्टी भाजपा बहुमत से पांच सीटें दूर तो कांग्रेस दस सीट दूर है। यहां बोर्ड बनाने के लिए निर्दलीय किंग मेकर की भूमिका निभाएंगे। भाजपा के ज्यादातर पुराने चेहरों को हार का मुंह देखना पड़ा है। वहीं चार बार निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में इस बार भी अजेय रहे हैं। बहुमत से कुछ दूर भाजपा अलवर नगर निगम में बोर्ड बनाने जा रही है।

वहीं वन मंत्री संजय शर्मा के वार्ड में ही भाजपा को मुंह की खानी पड़ी है। यहां कांग्रेस प्रत्याशी ने जीत हासिल की है। अलवर नगर निगम में बीजेपी का बोर्ड बनना करीब-करीब तय है। निगम में कुल 65 वार्ड हैं, जिनमें से बीजेपी के 28 और कांग्रेस के 23 प्रत्याशी पार्षद का चुनाव जीते हैं। बहुमत के लिए 33 पार्षदों की जरूरत है। बीजेपी को केवल 5 निर्दलीय चाहिए। जबकि 13 निर्दलीय जीते हैं। वहीं कांग्रेस की बात करें तो कांग्रेस को बहुमत के लिए 10 पार्षद चाहिए। बीजेपी की प्रदेश में सरकार है। इस कारण बीजेपी का बोर्ड बनना तय माना जा रहा है। वैसे भी बीजेपी को कांग्रेस की तुलना में आधे ही पार्षदों की जरूरत है।

वैसे सीटों के गणित के हिसाब से कांग्रेस का बोर्ड बनता नजर नहीं आ रहा, लेकिन यदि कांग्रेस के पाले में 10 पार्षद आ जाएं तो बहुमत मिल सकता है। यह सरल नहीं है। मौजूदा कांग्रेस के 23 पार्षदों में सबसे मजबूत कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा व पूर्व सरपंच गब्बर सैनी की पत्नी ममता सैनी हैं। दोनों बोर्ड चलाने में भी समक्ष हैं, लेकिन बहुमत जुटाना बड़ा कठिन है। अब देखना है कि कांग्रेस किस चेहरे को आगे करती है।

अलवर में वार्ड 32 से बीजेपी प्रत्याशी नीलिमा जैन हार गईं, जो पिछली बार सभापति के प्रत्याशी रहे धीरज जैन की पत्नी हैं। वार्ड 23 से बीजेपी की सुमन चौधरी और वार्ड 28 से बीजेपी के सीताराम चौधरी चुनाव हार गए। दोनों पति-पत्नी हैं। वार्ड 38 से बीजेपी के श्याम सुंदर यादव व वार्ड 61 से बीजेपी की सुनीता देवी चुनाव जीत गईं। दोनों समधि-समधन हैं। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के सबसे करीबी दीपक गर्ग की भाभी रिंकल गर्ग वार्ड 36 से चुनाव हार गई, जो मेयर की सबसे प्रबल दावेदार थीं।

नागौर में 23 निर्दलीय तय करेंगे सभापति

नागौर, (निसं)। नगर परिषद के सभी 60 वार्डों में निर्दलीयों ने 23 वार्ड जीतकर सबसे ज्यादा सीटें हासिल की हैं, जबकि भाजपा को 21, कांग्रेस को 15 और आरएलपी को 1 वार्ड में जीत मिली है। निर्दलीय भाजपा से 2 सीट आगे हैं। किसी भी पार्टी को अपने दम पर बहुमत नहीं मिला है। ऐसे में बोर्ड बनाने में निर्दलीय पार्षदों की भूमिका सबसे अहम रहेगी। नागौर में कांग्रेस ने 60 में से 46 वार्डों में टिकट दिए थे, जबकि भाजपा ने 49 वार्डों में प्रत्याशी उतारे थे। वार्ड 12 में जीत के साथ ने नगर परिषद में अपना खाता खोला। वार्ड 15 में पूर्व सभापति मीतू बोथरा निर्दलीय और नीतू तोलावत भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ीं। दोनों हार गईं। निर्दलीय नीलम पुरोहित ने जीत दर्ज की। वार्ड 10 में पूर्व सभापति कृपाराम सोलंकी के बेटे प्रवीण सोलंकी ने कांग्रेस के टिकट पर जीत दर्ज की और कांग्रेस का खाता खोला। प्रवीण के मामा व पूर्व सभापति मागीलाल भाटी को कांग्रेस का टिकट नहीं मिला था। नाराज होकर उन्होंने भाजपा प्रत्याशी का समर्थन किया, इसके बावजूद प्रवीण जीत गए। समर्थकों ने पटाखे फोड़कर खुशी जताई। वार्ड 22 में कांग्रेस की मुन्नी सोलंकी और उनकी दो बहुएं बेबी सोलंकी व रेखा सोलंकी निर्दलीय प्रत्याशी थीं। तीनों हार गईं। निर्दलीय रेशमा सोलंकी विजयी रहीं। यानी बहुमत के लिए 31 सीटों से भाजपा 10 और कांग्रेस 16 सीट दूर है। ऐसे में दोनों ही दलों को निर्दलीयों के समर्थन की जरूरत पड़ेगी।

भाजपा के कई बड़े चेहरों की हार ने समीकरण बिगाड़ दिए हैं। पूर्व जिलाध्यक्ष रामनिवास सांखला, पूर्व सभापति मीतू बोथरा और नीतू तोलावत जैसे चेहरों की हार के साथ वार्ड 42 में भाजपा जिला महामंत्री कमलेश चौधरी का तीसरे स्थान पर रहना भी पार्टी के लिए झटका है। अब भाजपा की ओर से वार्ड 33 के संतोष टाक का नाम सभापति पद की दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा है। वहीं कांग्रेस में वार्ड 39 के दीपक सैनी के साथ पूर्व सभापति कृपाराम सोलंकी के बेटे प्रवीण सोलंकी का नाम भी सभापति की दौड़ में सामने आया है।

नतीजों में कई प्रमुख चेहरों को हार का सामना करना पड़ा। वार्ड नंबर 7 से भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष रामनिवास सांखला चुनाव हार गए। वहीं वार्ड नंबर 15 से पूर्व सभापति मीतू बोथरा और नीतू तोलावत को भी हार मिली। वार्ड नंबर 42 में भाजपा की जिला महामंत्री कमलेश चौधरी भी चुनाव जीतने में सफल नहीं हो सकीं और तीसरे स्थान पर रहीं। बड़े चेहरों की हार ने चुनाव परिणामों को और ज्यादा चर्चा में ला दिया है।

चूरू में भाजपा बहुमत से महज एक कदम दूर

चूरू, (निसं)। निकाय चुनाव-2026 में सोमवार को मतगणना के बाद चूरू नगर परिषद की तस्वीर साफ हो गई है। यहां 60 वार्डों के चुनाव परिणाम में भाजपा 30 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। कांग्रेस को 24 वार्डों में जीत मिली, जबकि 06 वार्डों में निर्दलीय प्रत्याशियों ने बाजी मारी। भाजपा बहुमत के लिए जरूरी 31 सीटों से महज एक कदम दूर है। ऐसे में नगर परिषद में भाजपा का बोर्ड बनना लगभग तय माना जा रहा है तथा सत्ता की चाबी अब निर्दलीय पार्षदों के हाथों में नजर आ रही है।

चूरू नगर परिषद के चुनाव परिणामों को लेकर सुबह से ही शहर में उत्सुकता बनी हुई थी। सोमवार सुबह 8 बजे केंद्रीय विद्यालय में मतगणना शुरू हुई। करीब साढ़े 11 बजे तक सभी 60 वार्डों के परिणाम सामने आ गए। वार्ड 50 की ईवीएम में तकनीकी खराबी के चलते कुछ समय के लिए

- **60 वार्डों के चुनाव परिणाम में भाजपा 30 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी**
- **कांग्रेस को 24 वार्डों में जीत मिली, 6 वार्डों में निर्दलीय ने बाजी मारी**

परिणाम अटका रहा, लेकिन बाद में इस वार्ड का परिणाम भी घोषित कर दिया गया। परिणाम जारी होते ही शहर में जश्न का माहौल बन गया। सदर थाने के सामने विजयी प्रत्याशियों के समर्थकों की भीड़ जुट गई। अपने प्रत्याशी की जीत के बाद समर्थक डीजे की धुन पर जमकर थिरके। कई स्थानों पर आतिशबाजी और मिठाई बांटकर खुशियां मनाई गई।

भीलवाड़ा में भाजपा को 45 सीटें मिली, कांग्रेस 10 पर सिमटी

भीलवाड़ा, (निसं)। नगर निकाय आम चुनाव-2026 के अंतर्गत नगर निगम भीलवाड़ा व 10 नगर पालिकाओं के सदस्य पदों के निर्वाचन के लिए सोमवार को मतगणना निष्पक्ष व शांतिपूर्ण रूप से सम्पन्न हुई। नगर निगम भीलवाड़ा के वार्ड सदस्य पदों की मतगणना जिला मुख्यालय स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय तिलक नगर व 10 नगर पालिकाओं के सदस्यों पदों की मतगणना संबंधित पालिका मुख्यालय पर सम्पन्न हुई। नगर निगम भीलवाड़ा के वार्ड सदस्य पद की मतगणना प्रात: 8 बजे से प्रारंभ हुई।

जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर निगम भीलवाड़ा के कुल 70 वार्डों में भाजपा के 45, इंडियन नेशनल कांग्रेस के 10 एवं निर्दलीय के 15 प्रत्याशी विजय घोषित हुए। इसी प्रकार नगर पालिका आसींद के कुल 25 वार्डों में भाजपा 12, कांग्रेस 8 एवं निर्दलीय 5 प्रत्याशी

- **आसींद के 25 वार्डों में भाजपा के 12, कांग्रेस के 8 एवं निर्दलीय के 5 प्रत्याशी विजयी रहे**

विजयी रहे। वहीं नगर पालिका बनेड़ा के कुल 20 वार्ड में भाजपा 10, कांग्रेस 9 एवं निर्दलीय 1 प्रत्याशी विजयी रहे। नगर पालिका बीगोद में भाजपा 12, कांग्रेस 6 एवं निर्दलीय 7 प्रत्याशी विजयी रहे। नगर पालिका बिजौलियां के कुल 25 वार्ड में भाजपा 12, कांग्रेस 11 एवं निर्दलीय 2 वार्डों में विजयी रहे। इसी प्रकार नगर पालिका गंगापुर के 25 वार्डों में भाजपा के 9, कांग्रेस के 14 एवं निर्दलीय के 2 प्रत्याशी विजयी रहे। नगर पालिका गुलाबपुरा के 35 वार्ड में भाजपा के 14, कांग्रेस के 10 एवं निर्दलीय के 10 तथा आरएलपी के एक प्रत्याशी विजयी रहे।

नगर पालिका हमीरगढ़ के 20 वार्डों में भाजपा के 8, कांग्रेस के 7 एवं निर्दलीय के 5 प्रत्याशी विजयी रहे। नगर पालिका जहाजपुर के 25 वार्डों में भाजपा के 15, कांग्रेस के 3 एवं निर्दलीय के 7 प्रत्याशी विजयी रहे। नगर पालिका मांडलगढ़ के 20 वार्डों में भाजपा के 11, कांग्रेस के 2 एवं निर्दलीय के 7 प्रत्याशी विजयी रहे। इसी प्रकार शाहपुरा नगर पालिका के 35 वार्डों में भाजपा के 8, कांग्रेस के 22 एवं 5 निर्दलीय प्रत्याशी विजय रहे।

मतगणना के दौरान जिला प्रशासन द्वारा व्यापक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी जसमीत सिंह संधू के निर्देशानुसार मतगणना स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था, प्रवेश एवं निकासी की व्यवस्था, मतगणना कार्मिकों के लिए आवश्यक सुविधाएं तथा कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक प्रबंध किए गए।

संक्षिप्त

निवाई में मतगणना स्थल पर उमड़ा जनसैलाब

निवाई। नगर पालिका के चुनावी नतीजों को लेकर सोमवार को कृषि उपज मंडी समिति कार्यालय परिसर में रिटर्निंग ऑफिसर गंभीर सिंह के सानिध्य एवं कुशल मार्गदर्शन में सुबह 8 बजे से मतगणना का आयोजन किया गया। सुबह से ही नतीजों को जानने के लिए शहरवासियों, मतदाताओं एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह रहा। जैसे-जैसे मतगणना का समय नजदीक आया, कृषि उपज मंडी समिति कार्यालय के बाहर अपने-अपने प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला सुनने के लिए सैकड़ों की तादाद में लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। देखते ही देखते बाहर मौजूद जनसमूह बेकाबू होने लगा और मुख्य द्वार की तरफ बढ़ने का प्रयास करने लगा।

गुर्जर प्रतिभा सम्मान समारोह आज

निवाई। देवधाम जोधपुरिया में गुर्जर प्रतिभा विकास समिति राजस्थान एवं श्री देवनारायण मंदिर ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में 15 सितंबर को 14वां राज्य स्तरीय गुर्जर प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन तीन दिवसीय वार्षिक लक्खी मेले के प्रथम दिवस पर प्रातः 11 बजे से प्रारंभ होगा। प्रतिभा विकास समिति के संयोजक प्रधानाचार्य सुरेशचंद गुर्जर ने बताया कि समारोह में कक्षा 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले गुर्जर समाज के मेधावी छात्र-छात्राओं, राजपत्रित अधिकारी, राजस्थान प्रशासनिक सेवा, असिस्टेंट प्रोफेसर, व्याख्याता, नीट में चयनित अभ्यर्थी व प्रमुख भामाशाह सहित कुल 551 प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा।

गणेश चतुर्थी पर झांकी सजाई

दूदू। नगर पालिका मुख्यालय पर स्थित गणेश मंदिर में गणेश चतुर्थी के अवसर पर जन्मोत्सव विशाल झांकी सजाई जाकर धूमधाम से मनाया गया इस अवसर पर पूर्व संध्या को भजन कीर्तन का आयोजन भी किया गया पश्चात सोमवार की सुबह मंगल आरती के साथ पंचामृत से अभिषेक कराया जाकर भोग लगाया गया महा आरती पंडित महेश चंद्र शर्मा द्वारा की गई पश्चात भक्तजनों की भीड़ पूजा अर्चना के लिए लगी रही भक्तजनों द्वारा बेसन के मोदक का भोग लगाकर पूजा अर्चना की गई।

ध्वज पूजन कार्यक्रम आयोजित

बौली- बामनवास। शास्त्रीय नवरात्र के दौरान प्रतिवर्ष होने वाले रामलीला मंचन कार्यक्रम को लेकर राम कला मंडल बौली के सभी सदस्यों एवं पदाधिकारी की भोलेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक केदारान उपस्थित सभी सदस्यों को रामलीला मंचन में सहयोग को लेकर शपथ ग्रहण एवं ध्वज पूजन किया।

शोक संदेश

हमारी पूजनीय माताजी **श्रीमती भगवती देवी** धर्मपत्नी स्व. श्री गिरधारीजी मायछ का स्वर्गवास 14.09.2026 को हो गया है।
शोकाकुल विनोद (देवर), संजय, मनीषा (पुत्र) एवं समस्त मायछ परिवार

नाम परिवर्तन

मैं, कान्ता मुलानी, कुछ स्थानों पर मेरा नाम कान्ता अशोक अंकित हो गया है। मेरा वास्तविक एवं सही नाम कान्ता मुलानी है। भविष्य में मुझे कान्ता मुलानी पत्नी श्री अशोक मुलानी, निवासी 318, विनोबा विहार, मॉडल टाउन, मालवीय नगर, जयपुर,के नाम से ही जाना एवं पहचाना जाए।

I,Manish Singh S/o Sriram Chauhan resident of Sushant City-1,Kalwar Road,Jaipur do hereby declare that I have changed my Son's name from Dhairyaman to Dhairyaman Singh and henceforth he shall be known as Dhairyaman Singh in all purpose, vide affidavit dated 12 Sep 2026.

नम्बर मिलाइए
8890333139
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

भरतपुर जिले में नगरीय निकाय के 235 वार्डों में से भाजपा के 66, निर्दलीय 152 प्रत्याशी विजयी

कांग्रेस के 15, बसपा का एक आरएलपी का एक प्रत्याशी विजयी

भरतपुर। नगरीय निकाय आम चुनाव 2026 की मतगणना संबन्धित निकाय मुख्यालयों पर बनाए गए मतगणना केन्द्रों पर सम्पन्न हुई। जिले में निकाय चुनावों के 235 वार्डों में भाजपा प्रत्याशी 66 वार्डों में, कांग्रेस प्रत्याशी 14 वार्डों में, बसपा एवं आरएलपी के प्रत्याशी एक-एक वार्ड में विजयी हुए। जिला निर्वाचन अधिकारी कमर चौधरी ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों की पालना करते हुए सभी निकायों के मतों की गणना शांतिपूर्ण सम्पन्न हुई।

भरतपुर नगर निगम के 65 वार्डों के चुनाव परिणाम घोषित हो गए है। प्राप्त परिणामों के अनुसार नगर निगम में निर्दलीय उम्मीदवारों ने सर्वाधिक 36 वार्डों में जीत दर्ज की है। वहीं भारतीय जनता पार्टी के 20, कांग्रेस के 7, बहुजन समाज पार्टी के 1 तथा राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के 1 उम्मीदवार विजयी रहे है।

वार्ड संख्या 1 से करन सिंह निर्दलीय, 2 से अम्बिका सैनी निर्दलीय, 3 से आकाश निराला निर्दलीय, 4 से अरविन्द निर्दलीय, 5 से गजेन्द्र कुमार कांग्रेस, 6 से कमलेश निर्दलीय, 7 से कुंदन निर्दलीय, 8 से जीतेंद्र सिंह भाजपा, 9 से कमलेश निर्दलीय, 10 से अमरनाथ निर्दलीय, 11 से तेजराम निर्दलीय, 12 से सुधा शर्मा भाजपा, 13 से ओमप्रकाश कांग्रेस, 14 से अर्जुनसिंह निर्दलीय विजयी रहे। इसी प्रकार वार्ड संख्या 15 बरफी निर्दलीय, 16 से मोतीसिंह बसपा, 17 विचित्रा से निर्दलीय, 18 से मीनू कांग्रेस, 19 से मनोज सिंह भाजपा, 20 से पूनम निर्दलीय, 21 से गोपाल आरएलपी, 22 से नीतूसिंह भाजपा, 23 से किरन भाजपा, 24 से राजेन्द्र कुमार निर्दलीय तथा वार्ड संख्या 25 से आरती निर्दलीय विजयी हुए है।

इसी प्रकार वार्ड संख्या 26 से वीरमती निर्दलीय, 27 से लोकेश निर्दलीय, 28 से नीलम निर्दलीय, 29 से राजबीर भाजपा, 30 से राजकुमार निर्दलीय, 31 से भास्कर निर्दलीय, 32 से सुलेशा भाजपा, 33 से जयप्रकाश शर्मा कांग्रेस तथा वार्ड संख्या 34 वंदना निर्दलीय विजयी रहे। इसी प्रकार वार्ड संख्या 35 से राकेश कांग्रेस, 36 से किरणदेवी निर्दलीय, 37 से अमरसिंह निर्दलीय, 38 से धीरजकुमार निर्दलीय, 39 से जगदीश निर्दलीय, 40 से रीना भाजपा, 41 से योगेश्वरी भाजपा, 42 से रूपेंद्रसिंह भाजपा, 43 से प्रेमपाल भाजपा, विजयी हुए है।

इसी प्रकार वार्ड संख्या 51 से सुशीला शर्मा भाजपा, 52 से रीना कुमारी निर्दलीय, 53 से जयश्री निर्दलीय, 54 से हरेंद्र भाजपा, 55 से दयानन्द पचौरी कांग्रेस, 56 से कल्पेश निर्दलीय, 57 से देवेंद्रसिंह भाजपा विजयी रहे। इसी प्रकार वार्ड संख्या 58 से निशा अग्रवाल भाजपा, 59 से आरती निर्दलीय, 60 से जितेंद्र निर्दलीय, 61 से अनुराधा सिंह भाजपा, 62 से जगदीश सिंह भाजपा, 63 से सुनीता निर्दलीय, 64 से रामेश्वर सिंह निर्दलीय तथा वार्ड संख्या 65 से जनार्दन सिंह निर्दलीय विजयी हुए है।

भरतपुर में नगर निगम चुनाव परिणाम के बाद विजयी कांग्रेस उम्मीदवार मीनू डागुर को रिटर्निंग अधिकारी रिछपाल सिंह बुरडक ने प्रमाण पत्र देकर शपथ दिलवाई।

> परिणामों के अनुसार नगर निगम में निर्दलीय उम्मीदवारों ने सर्वाधिक 36 वार्डों में जीत दर्ज की

हिंदी दिवस पर विद्यार्थियों ने प्रतियोगिताओं में दिखाई प्रतिभा

टोंक। दतवास राजकीय महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय चुराड़ा में हिंदी दिवस हर्षोल्लास और गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण से हुई। इस दौरान विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि और गौरव की भावना बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न साहित्यिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की गई।विद्यालय में कक्षा 3 से 9वीं तक के विद्यार्थियों ने निबंध लेखन, वाद-विवाद, कविता पाठ, नारा लेखन और भाषण प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता और प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए हिंदी भाषा के महत्व को प्रस्तुत किया। प्रधानाचार्य अनिल कुमार शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए हिंदी भाषा के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला।

नासिरदा में नशे के खिलाफ रैली निकाली

टोंक। जिले में स्मैक और एमडी ड्रग्स के अवैध कारोबार और युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति के विरोध में सोमवार देर सायकाल को नासिरदा क्षेत्र के युवा और ग्रामीण सड़कों पर उतर आए। हाथों में नशा मुक्ति के पोस्टर लेकर लोगों ने जागरूकता रैली निकाली और नशे के खिलाफ जोरदार नारे लगाते हुए आमजन को जागरूक किया। यह जागरूकता रैली भगवान लक्ष्मीनाथ मंदिर से शुरू होकर शशि बस्ती से होते हुए मुख्य बाजार पहुंची और वहां से पुलिस थाने पहुंची।

इस दौरान युवाओं और ग्रामीणों ने स्नशा हटाओ, युवा बचाओ सहित नशे के खिलाफ विभिन्न नारे लगाए। शाम करीब 6 बजे रैली के थाने पहुंचने के बाद लोगों ने नारेबाजी करते हुए थाना परिसर में करीब आधे घंटे तक धरना देकर प्रदर्शन किया। इसके बाद ग्रामीणों एवं युवाओं ने थानाधिकारी रोड्राम को सामूहिक रूप से ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से क्षेत्र में नशे के अवैध कारोबार पर त्वरित और प्रभावी कार्यवाही करने की मांग की गई।

सांभर में स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने से भाजपा-कांग्रेस धर्म संकट में फंसी

25 वार्डों में भाजपा को 11 व कांग्रेस को 10 सीटों पर विजय मिली

सांभरझील। यहां नगरपालिका सांभर में पार्षद पदों के चुनाव परिणाम ने भारतीय जनता पार्टी और इंडियन नेशनल कांग्रेस दोनों ही दलों को धर्म संकट में डाल दिया है। सांभर के 25 वार्डों में भाजपा को 11 कांग्रेस को 10 सीटों पर ही विजय मिल पाई। इनमें से एक सीट पर बहुजन समाज पार्टी व तीन पर निर्दलियों ने बाजी मारी। यानी भाजपा बहुमत से दो और कांग्रेस तीन सीट से पिछड़ गई।

बोर्ड बनाने के लिए दोनों ही दलों को अब निर्दलीयों पर ही निर्भर रहना होगा। खास बात यह है कि निर्दलीयों में से बताया जा रहा है कि दो ऐसे पार्षद है जो भाजपा के बागी होकर चुनावी मैदान में उतरे थे जिनको जीत मिली। कुल मिलाकर भाजपा को अपना बोर्ड बनाने में जितनी चुनौती है उससे कहीं ज्यादा कठिन चुनौती अब कांग्रेस के सामने खड़ी हो गई है। आगामी 21 तारीख को चैयरमेन के चुनाव होंगे, इससे पहले ही भाजपा और कांग्रेस प्रदेश संगठन अपनी अपनी व्यवस्था बैठाने में लग गए हैं।

चैयरमेन पद के लिए दावेदारों का आउट ऑफ कंट्रोल प्रदेश संगठन के लिए रोकना और किसी एक को संतुष्ट कर नामांकन दाखिल करवाना किसी अग्नि परीक्षा से कम नहीं होगा। अब देखना यह है कि संगठन इस रणनीति में सफल होता है या क्रॉस वोटिंग का खेल तो नहीं हो जाएगा यह भी चर्चा कम नहीं चल रही है। बता दें कि भाजपा के मंडल अध्यक्ष पद पर पहली दफा कमान संभालने वाले पवन कुमार मोदी ने इस्तीफा देकर पार्षद पद का चुनाव लड़ा और उन्हें सफलता नसीब हुई, तो दूसरी तरफ नगर कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा देकर चुनाव लड़ने वाले कमल किशोर शुक्ला चुनावी जंग में हार गए। पूर्व विधायक निर्मल कुमावत के भांजे अशोक कुमावत जो की चार्टर्ड अकाउंटेंट भी हैं चुनाव जीतकर अपना वर्चस्व साबित कर दिखाया।

पिछली दफा निर्दलीय चुनाव जीतने वाली पार्षद सुशीला शर्मा को इस बार भाजपा ने टिकट दिया लेकिन यह चुनाव नहीं जीत सकी।और राधा देवी सिंघानिया जिन्होंने बीजेपी का टिकट मांगा था नहीं मिलने पर निर्दलीय चुनावी मैदान में उतरी और अपना दमखम दिखा दिया। वार्ड 17 से भाजपा के दिव्य राजवीर गुर्जर, भाजपा के बागी पूर्व पार्षद विजय प्रजापति बागी विनोद मालाकार चुनाव हार गए और तीनों ही एडवोकेट है।

गणपति बप्पा के जयकारों से गूंजा पावटा

पावटा। गणेश चतुर्थी के पावन पर्व पर पावटा कस्बा गणपति भक्ति में रंगा नजर आया प्राचीन गणेश मंदिर में महंत रामचंद्र शर्मा के सानिध्य व विनायक कमेटी के तत्वाधान में गणेश चतुर्थी महोत्सव का भव्य शुभारंभ धार्मिक परंपराओं और उत्साह के साथ प्रारंभ हुआ। महोत्सव की शुरुआत रविवार सुबह 7:30 बजे मेहंदी रस्म के साथ हुई। मेहंदी रस्म के दौरान श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और मंदिर परिसर में भक्ति एवं उल्लास का वातावरण देखने को मिला। इसके बाद पंडित मनोज शास्त्री द्वारा विधि विधान से सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक पंचामृत अभिषेक एवं विशेष पूजन एवं भगवान गणेश का अभिषेक एवं पूजन कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की गई। मंदिर परिसर में दिनभर श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। महोत्सव का मुख्य आकर्षण दोपहर 3 बजे निकली भव्य शोभायात्रा रही। गाजे-बाजे और धार्मिक जयकारों के बीच निकली शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

संक्षिप्त

ध्वज पूजन कार्यक्रम आयोजित

बौली- बामनवास। शास्त्रीय नवरात्र के दौरान प्रतिवर्ष होने वाले रामलीला मंचन कार्यक्रम को लेकर राम कला मंडल बौली के सभी सदस्यों एवं पदाधिकारी की भोलेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक केदौरान उपस्थित सभी सदस्यों को रामलीला मंचन में सहयोग को लेकर शपथ ग्रहण एवं ध्वज पूजन किया। रामलीला का मंचन 8 अक्टूबर से प्रारंभ होगा।

हिंदी भाषा के महत्व की दी जानकारी

निवाई। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय सरसड़ी रामपुरा में अध्यापक सत्यनारायण प्रजापति के सानिध्य में हिंदी दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। अध्यापक प्रजापति ने विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के महत्व की जानकारी देते हुए कहा कि हिंदी एक समृद्ध एवं सरल भाषा है, जिसने अपनी विविधता और व्यापकता के माध्यम से सम्पूर्ण विश्व को अपने से जोड़ा है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने हिंदी भाषा में कविता एवं कहानियां प्रस्तुत की तथा आपस में हिंदी में संवाद किया। विद्यार्थियों में हिंदी के प्रति रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से सुंदर लेख एवं श्रुतिलेख प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान विद्यालय का वातावरण हिंदीमय नजर आया और विद्यार्थियों ने हिंदी भाषा के प्रति प्रेम एवं उत्साह का परिचय दिया।

भांडारेज नगरपालिका में भाजपा का बोर्ड

दौसा (निसं.)। नगरपालिका भांडारेज के पहले आम चुनाव के परिणाम सोमवार को घोषित होने के साथ ही नगर पालिका में भाजपा का बोर्ड बनना तय हो गया है।

नगरपालिका के कुल 25 वार्डों में हुए चुनाव में भाजपा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 13 वार्डों में जीत दर्ज की है। वहीं कांग्रेस पार्टी को महज 3 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा, जबकि 9 वार्डों में निर्दलीय प्रत्याशियों ने जीत हासिल कर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। चुनाव परिणाम सामने आने के बाद भाजपा समर्थकों में उत्साह का माहौल है। 25 वार्डों में से 13 सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों की जीत होने से भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिला है और नगरपालिका में भाजपा का बोर्ड बनना तय हो गया है। वहीं कांग्रेस के कमजोर प्रदर्शन और निर्दलीय प्रत्याशियों के बेहतर प्रदर्शन ने चुनाव परिणाम को काफी चर्चित बना दिया है। निर्दलीयों ने भी छोड़ी मजबूत छाप भांडारेज नगरपालिका चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशियों ने भी अपनी ताकत का एहसास कराया। कुल 9 वार्डों में निर्दलीय प्रत्याशी विजयी रहे। चुनाव से पहले भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला माना जा रहा था, लेकिन कई वार्डों में निर्दलीय प्रत्याशियों के मैदान में उतरने से मुकाबला त्रिकोणीय हो गया। परिणाम में निर्दलीयों ने 9 सीटें जीतकर दोनों प्रमुख दलों के समीकरणों को प्रभावित किया। भांडारेज नगरपालिका सिकराय विधायक विक्रम बंशीवाल के क्षेत्र में आती है। नगरपालिका चुनाव में भाजपा को मिली 13 सीटों की जीत को विधायक विक्रम बंशीवाल के क्षेत्र में पार्टी की महत्वपूर्ण सफलता के रूप में देखा जा रहा है। चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने वार्ड स्तर पर लगातार संपर्क कर मतदाताओं से पार्टी प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान की अपील की थी।

दौसा में सभापति की चाबी निर्दलीयों के हाथ

दौसा। जिला एवं पुलिस प्रशासन की कड़ी सुरक्षा के बीच सोमवार को स्थानीय पं. नवलकिशोर शर्मा दौसा नगर परिषद के 55 वार्डों के मतों की गणना की गई। मतगणना के बाद 55 में से 24 कांग्रेस, 17 भाजपा व 14 पर निर्दलीय चुनाव जीतकर आये है। इधर परिणाम घोषित होने के साथ ही भाजपा व कांग्रेस निर्दलीय प्रत्याशियों को लुभाने एवं बाड़ाबंदी में ले जाने के लिए सक्रिय हो गई है। भाजपा व कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत नही मिल पाने के कारण सभापति के भाग्य की चाबी निर्दलीयों के हाथ रहेगी।

> कांग्रेस 24, भाजपा 17 व निर्दलीय 14 पर जीते

उल्लेखनीय है सोमवार को नगर परिषद के 55 के अंतिम नतीजे घोषित कर दिए गए। घोषित परिणामों में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, हालांकि किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत जादुई आंकड़ा 28 हासिल नहीं हुआ है।

कुल 55 वार्डों में कांग्रेस ने 24, भाजपा ने 17 और निर्दलीय प्रत्याशियों ने 14 वार्डों में परचम लहराया है। सभापति की कुर्सी तक पहुँचने के लिए कांग्रेस को केवल 4 और भाजपा को 11 पार्षदों के समर्थन की आवश्यकता है। ऐसे में बोर्ड गठन का पूरा दारोमदार 14 निर्दलीय पार्षदों के रुख पर टिक गया है।

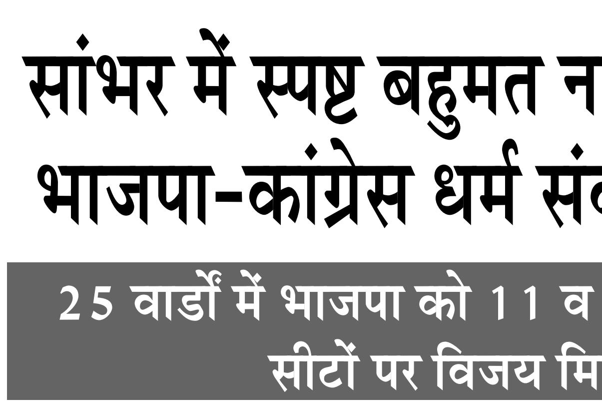

जीत के बाद जश्न मनाते हुये।

फुलेरा में भाजपा ने 12 वार्डों में जीत दर्ज की

फुलेरा। स्थानीय नगरपालिका के पार्षद पद हेतु 9 सितम्बर को हुए मतदान के बाद सोमवार को नगरपालिका कार्यालय में चुनाव अधिकारी अभिषेक सिंह के सानिध्य में मतगणना हुई। सभी 25 वार्डों की मतगणना के बाद भारतीय जनता पार्टी ने 12, कांग्रेस ने 7 तथा निर्दलीय प्रत्याशियों ने 6 वार्डों में जीत दर्ज की। परिणाम सामने आने के बाद भाजपा के बोर्ड गठन की संभावना बढ़ गई है।

मतगणना में निर्दलीय प्रत्याशियों में वार्ड संख्या 1 से ताराचंद, वार्ड 7 से सुगना वर्मा, वार्ड 8 से सुरेंद्र कुमार स्वामी, वार्ड 9 से डॉ. पुखराज स्वामी, वार्ड 17 से अजय छाबड़ा तथा वार्ड 20 से रेणु देवी विजयी रहीं।

वहीं, भाजपा प्रत्याशियों में वार्ड संख्या 2 से मुकेश गहनोलिया, वार्ड 3 से मीनाक्षी शर्मा, वार्ड 4 से आशा सैनी, वार्ड 5 से पवन कुमावत, वार्ड 10 से गजेंद्र सिंह शेखावत, वार्ड 11 से प्रभु दयाल कुमावत, 12से सरदार सिंह वार्ड 14 से शिवानी सिंह, वार्ड 16 से किरण पारीक, वार्ड 18 से मीना वर्मा, वार्ड 24 से राजू दाधीच तथा वार्ड 25 से सुरेश मिश्रा विजयी रहे। कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशियों में वार्ड संख्या 6 से प्रतिश वर्मा, वार्ड 13 से सूरज घारू, वार्ड 15 से आशिया, वार्ड 18 से दिलीप गुर्जर, वार्ड 19 से अब्दुल लतीफ कुरैशी, वार्ड 22 से दिलीप कुमार कटारिया तथा वार्ड 23 से गिरधारी लाल ने जीत हासिल की।

> 25 वार्डों की मतगणना के बाद भारतीय जनता पार्टी ने 12, कांग्रेस ने 7 तथा निर्दलीय प्रत्याशियों ने 6 वार्डों में जीत दर्ज की

लालसोट में कांग्रेस ने 35 वार्डों में से 18 वार्डों में जीत हासिल की

5 निर्दलीयों के हाथ सत्ता की चाबी

लालसोट। नगर परिषद लालसोट के आम चुनाव 2026 में जनता ने ऐसा जनादेश दिया है, जिसने शहर की सियासत का पूरा समीकरण हिला दिया। 35 वार्डों के चुनावी रण में कांग्रेस ने 18 सीटों पर कब्जा जमाकर भाजपा को साफ तौर पर पछाड़ दिया। भाजपा 12 वार्डों तक सिमट गई, जबकि 5 निर्दलीयों ने जीत दर्ज कर अब सत्ता के गणित को पेचीदा बना दिया है।

कांग्रेस का आंकड़ा भाजपा से 6 सीट ज्यादा है। ऐसे में परिणाम सामने आते ही कांग्रेस खेमे में उत्साह और भाजपा खेमे में मंथन का दौर शुरू हो गया है। अब निगाहें सिर्फ पार्षदों की जीत पर नहीं, बल्कि नगर परिषद की सत्ता और सभापति की कुर्सी पर टिक गई है।

वार्ड नंबर 7 से संतोष स्वामी ने कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में जीत दर्ज की है। उनकी जीत कांग्रेस के 18 सीटों वाले आंकड़े का हिस्सा है। उन्हें निर्दलीय मानना चुनाव परिणाम की तस्वीर को गलत तरीके से पेश करना होगा।

वार्ड नंबर 31 में कांग्रेस प्रत्याशी अमित कुमार शर्मा ने जोरदार जीत दर्ज कर कांग्रेस के खाते को मजबूत किया। निर्वाचन अधिकारी के परिणाम पत्र के अनुसार अमित कुमार शर्मा को 381 वोट मिले और उन्होंने 268 वोट के बड़े अंतर से जीत हासिल की।

वार्ड नंबर 7 से कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में जीत दर्ज जश्न मनाया।

> 12 पर सिमटी भाजपा

वार्ड 29 में कांग्रेस के विनोद कुमार बाकोलिया ने 138 वोट के अंतर से बाजी मारी, जबकि वार्ड 33 में कांग्रेस प्रत्याशी कपिल ने महज 2 वोट से जीत दर्ज कर मुकाबले को जबरदस्त नजदीकी दिखा दी।

भाजपा के खाते में 12 सीटें आई हैं, लेकिन कांग्रेस के 18 वार्डों तक पहुंचने ने भाजपा की चुनावी रणनीति पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब भाजपा के सामने सिर्फ हार का विश्लेषण करने की चुनौती नहीं, बल्कि आने वाले बोर्ड में अपनी राजनीतिक भूमिका मजबूत रखने की चुनौती भी है।

कांग्रेस के 18 और भाजपा के 12 पार्षदों के बीच 5 निर्दलीय पार्षद अब सबसे अहम मोहरे बन गए हैं। बोर्ड गठन के समय इनका रुख बेहद महत्वपूर्ण हो सकता है। यही पांच पार्षद सत्ता के पक्ष में खड़े होते हैं तो तस्वीर बदल सकती है और विपक्ष के साथ जाते हैं तो समीकरण अलग करवट ले सकते हैं। जनता ने पार्षद चुन दिए, लेकिन लालसोट की असली सियासी परीक्षा अब शुरू हुई है। कांग्रेस सबसे बड़ा दल है और उसके पास 18 पार्षद हैं। भाजपा के पास 12 और निर्दलीयों के पास 5 का आंकड़ा है।

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक :- 3581 दिनांक :- 01/09/2026

जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 50/412 (MIG-A), (एरिया 90.00 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन कुमारी विभा वधवा पुत्री स्व. श्री सुख दयाल वधवा को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 4189 दिनांक 20.11.1992 को जारी किया गया। श्री राम बहाल यादव पुत्र श्री राम हरक यादव के पक्ष में उक्त आवास का नियमितिकरण पत्र क्रमांक 1282 दिनांक 20.09.2005 के द्वारा किया गया। श्री राम बहाल यादव के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 07.08.2007 को उप पंजीयक-चतुर्थ, जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्री राम बहाल यादव द्वारा श्री गिरीराज शर्मा पुत्र श्री प्रहलाद शर्मा को दिनांक 20. 08.2007 को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्री गिरीराज शर्मा द्वारा मुख्त्यारनामा आम की हैसियत से उक्त आवास को दिनांक 22.07.2008 के द्वारा श्रीमती नैना देवी पत्नी श्री नानगराम शर्मा को विक्रय कर उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहां विक्रय पत्र पंजीकृत करवाया गया। श्रीमती नैना देवी द्वारा उक्त आवास को दिनांक 09.02.2009 के द्वारा श्री पुरूषोत्तम गुप्ता पुत्र श्री किरोड़ी मल गुप्ता को विक्रय कर उप पंजीयक सांगानेर-प्रथम, जयपुर के यहां विक्रय पत्र का पंजीकृत करवाया गया। श्री पुरूषोत्तम गुप्ता के आवेदन पर कार्यालय आदेश क्रमांक 74 दिनांक 29.04.2009 द्वारा नाम दर्ज किया गया। श्री पुरूषोत्तम गुप्ता द्वारा श्रीमती उषा गर्ग पत्नी श्री मनोज कुमार को दिनांक 14.03.2022 को मुख्त्यारनामा आम धारक नियुक्त किया गया। श्रीमती उषा गर्ग द्वारा मुख्त्यारनामा आम की हैसियत से उक्त आवास को दिनांक 14.03.2022 के द्वारा श्रीमती प्रीति गर्ग पत्नी श्री ललितेश कुमार गर्ग को विक्रय कर उप पंजीयक जयपुर-चतुर्थ के यहां विक्रय पत्र पंजीकृत करवाया गया। क्रेता / क्रेती प्रीति गर्ग पत्नी श्री ललितेश कुमार गर्ग द्वारा आवासन मण्डल मे उक्त आवास के रिकॉर्ड मे अपना नाम दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय मे 7 दिवस मे अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड मे नाम दर्ज करने मे किसी को कोई आपत्ति नही है, श्रीमती प्रीति गर्ग पत्नी श्री ललितेश कुमार गर्ग का नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कर दिया जावेगा।

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज.आवा.मण्डल, जयपुर

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबन्धक (बिजली), उत्तर-पश्चिम रेलवे, अजमेर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से नीचे दिये गये कार्य के लिये दी गई तिथि को 15.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं। **निविदा संख्या:** मं.रे.प्र.(बि.) – 24-26-27, **कार्य का नाम:** All Div.: Marwar jn.- Provision of 01 lift at MJ (NSG-3) station service building with Annual maintenance contract for 10 years, **अनुमानित लागत:** ₹2684074/-, **बयाना राशि:** ₹53700/-, **ई-निविदायें बन्द होने की तिथि:** 29.09.2026, **निविदा संख्या:** मं.रे.प्र.(बि.) – 25-26-27, **कार्य का नाम:** All Div.: Replacement of transformers on age cum condition basis at 'A' point in Diesel Shed, Aburoad, **अनुमानित लागत:** ₹7706954/-, **बयाना राशि:** ₹154100/-, **ई-निविदायें बन्द होने की तिथि:** 05.10.2026, उपरोक्त ई-निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये वैबसाइट का पता : www.ireps.gov.in
1325-PS/26
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

सार्वजनिक सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या श्रीमती नीता मंगलानी धर्मपत्नी श्री इन्दरपाल मंगलानी के कब्जे व स्वामित्व के फ्लेट सं0 बी–304 एरिया 869 वर्गफीट, महिमा पेनोरमा टॉवर–बी, ग्राम महल तह0 सांगानेर जि0 जयपुर की थर्ड फ्लोर पर मय कार पार्किंग नं0 – पीए 02 का विक्रय पत्र दिनांक 01.08.2026 ईस्वी को एस.आर. प्रथम जयपुर से श्री पवन कुमार पुत्र श्री सुभाष सिंह,निवासी 110,कुम्हेर गेट,पिच्चर पेलेस के पीछे, भरतपुर राजस्थान–321001 ने साजिश रचते हुये व आपराधिक कृत्यों को अंजाम देते हुये प्रतिफल राशि की अदायगी किये बिना एवं बिना भौतिक कब्जे के मेरी अभिभाष्या से अपने नाम पंजीकृत कराया है जिसके विरूद्ध कानूनी कार्यवाही अमल में लाई जा रही है। जो कि विक्रय पत्र मेरी अभिभाष्या के विधिक हितों एवं अधिकारो के मुकाबले प्रारम्भ से ही शून्य है और जिसके आधार पर उक्त श्री पवन कुमार को कोई अधिकार कानूनन प्राप्त नहीं हुये है। कृपया कोई भी व्यक्ति, बैंक आदि उक्त फ्लेट का किसी भी प्रकार का कोई संव्यवहार उक्त श्री पवन कुमार के साथ नहीं करे अन्यथा ऐसा संव्यवहार गैर कानूनी व प्रारम्भ से ही शून्य होगा तथा इस सूचना का श्री पवन कुमार द्वारा किया जाने वाला खण्डन मिथ्या व भ्रामक होगा। कृपया सूचित रहें।

LAWYER - N.S. "ADITYA SHIVANSH",
RAJ. HIGH COURT, JAIPUR (N.S. "ADITYA SHIVANSH", ASSOCIATE, ADVOCATES & LAW CONSULTANTS) AC-4 GAYATRI SADAN SWAI JAISINGH HIGHWAY, BANIPARK JAIPUR
Mobile No. 9785105424

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम 2001 के अध्याय-5 में किराए के पुनरीक्षण एवं बेदखली बाबत प्रार्थना पत्र
न्यायालय-किराया अधिनियम अधिकरण क्रम सं.2 जयपुर महानगर प्रथम (राज.)
दीपमाला शर्मा विरूद्ध नानकराम
अर्जी संख्या 3932/2014

नाम जयकिशन भागवानी, मंजू धर्मपत्नी श्री मोहन, हेमलता धर्मपत्नी श्री दिलीप पुत्र/पुत्री स्व.नानकराम भागवानी
पता-म.नं.ए-1, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
व्यवसायिक पता-शॉप नं.57, जे.के.कोल्ड ड्रिंक, एम.आई. रोड जयपुर

प्रार्थी ने आपके विरुद्ध किराये के पुनरीक्षण/बेदखली के लिए राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम 2001 के तहत एक अर्जी प्रस्तुत की है जो पंजीयन कर ली गई है। आपको इस न्यायालय में तारीख 16 माह 09 सन् 2026 को 10.00 बजे उक्त अर्जी का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए सन् चेतावनी दी जाती है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसको सम्यक अनुदेश दिए गए हो और जो इस अर्जी से सम्बन्धित सभी सारवान् प्रश्नों के उत्तर दे सकें या जिसके साथ कोई ऐसा व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सकें।

आपको यह भी निर्देश दिया जाता है कि आप उक्त दिन या इससे पूर्व 30/45 दिन के भीतर अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य नोटिस की तामील होने की तारीख से दाखिल करें और उक्त तारीख पर या तामील होने के 30/45 दिन के भीतर ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है, पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/मुजराई को दावा का प्रतिदावा आधारित है। साथ ही यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में न हो, अपनी प्रतिरक्षा, मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हों, आप ऐसे दस्तावेज उल्लिखित समय के मय उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।

आपको यह भी निर्देशित किया जाता है कि आप अपने प्रतिरक्षा के और जवाब के साथ उन सभी साक्षीगण के एवं स्वयं का शपथ पत्र प्रस्तुत करें जो अपकी प्रतिरक्षा का समर्थन करते है तथा उन. दस्तावेजों का और उस साक्ष्य का ब्यौरेवार वर्णन शपथ पत्र में किया जावें। साथ ही जिन दस्तावेजों को न्यायालय में प्रदर्शित कराना हो उन पर लाल स्याही से प्रदर्श डालकर प्रस्तुत करें और शपथ पत्र पर ए से बी, सी से डी हस्ताक्षर इत्यादि या लिखावट आदि जिसको भी प्रमाणित कराना है, का उल्लेख भी किया जावें ।

आपको पुनः आगाह किया जाता है कि उक्त नोटिस की तामील होने के 30/45 दिन के भीतर आप अपना प्रतिरक्षा उपरोक्त प्रवास में न्यायालय में अंकित करें या उक्त तारीख पेशी पर प्रस्तुत कर दें। अन्यथा आपकी प्रतिरक्षा राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम 2001 के तहत समाप्त हो जायेगी। आपको यह भी आगाह किया जाता है कि तारीख पेशी से पूर्व यदि आप द्वारा प्रतिरक्षा हेतु जवाब अर्जी शपथ पत्र तथा अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किए जाते है तो न्यायालय में प्रस्तुत करने से पूर्व प्रार्थी के अधिवक्ता श्री विनोद कुमार जैन को उक्त प्रतिरक्षा की और जवाब दावा शपथ पत्रों की, दस्तावेजों व अन्य साक्ष्यों की प्रति उपलब्ध करा दें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जाएगा।

नोटिस आज दिनांक 7/09/26 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया।

मोहर अदालत

आज्ञा से-रीडर
अपर वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-5 एवं किराया अधिकरण द्वितीय जयपुर महानगर प्रथम

दूदू नगर पालिका के 25 वार्डों में 12 भाजपा ने जीती

दूदू । निकाय चुनावों में मतदान के बाद सोमवार को हुई मतगणना में जनता के जनादेश का पिटारा खुल गया दूदू नगर पालिका के 25 वार्डों के आए चुनाव परिणाम में कांग्रेस पार्टी को 12 भाजपा को 10 आरएलपी को एक निर्दलीय दो प्रत्याशियों ने जीत हासिल कर जनता के जनादेश को स्वीकार किया है परिणाम जारी होने के साथ ही समर्थकों द्वारा पटाखे छोड़कर एवं मिठाई कार्यकर्ताओं को खिलाई जाकर खुशी का इजहार किया भाजपा की सरकार सत्ता में थी के बाद भी पूर्ण बहुमत नहीं मिल पाया। कांग्रेस पार्टी को बोर्ड बनाने एक उम्मीदवार की जो निर्दलीय है समर्थन लेना होगा के बाद ही कांग्रेस का बोर्ड संभव है बोर्ड बनाने में दोनों पार्टियों में निर्दलीयों की अहम भूमिका रहेगी भाजपा सत्ता में होने के बाद भी तीन निर्दलीय प्रत्याशियों को अगर अपने पक्ष में ले लेती है तो बीजेपी का बोर्ड बन सकता है निर्दलीय प्रत्याशियों में दो उम्मीदवार एक आरएलपी से है।

किशनगढ़बास में भाजपा की हैट्रिक तय, 12 पार्षद जीते

किशनगढ़बास। नगर निकाय चुनाव के सोमवार को आए परिणामों के बाद किशनगढ़बास की सियासी तस्वीर पूरी तरह साफ हो चुकी है। परिणामों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि किशनगढ़बास में भाजपा की जड़ें कितनी मजबूत हैं। 25 वार्डों के नतीजों में भाजपा ने 12 सीटों पर जीत दर्ज कर हैट्रिक लगाने की तैयारी पूरी कर ली है।25 वार्डों में से वार्ड 16 और 22 में भाजपा प्रत्याशी पहले ही निर्विरोध निर्वाचित हो चुके थे। वार्ड 16 से ऋतु गोयल और वार्ड 22 से विश्वास यादव निर्विरोध चुने गए।

भले ही भाजपा बहुमत के जादुई आंकड़े से एक कदम दूर रह गई हो, लेकिन 12 पार्षदों के साथ वह सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है और बोर्ड बनाना लगभग तय माना जा रहा है। इस

किशनगढ़ बास में भाजपा हरवानी की जीत पर परिवार व समर्थक व्यापारियों का आभार व्यक्त करते ।

जीत में कई चेहरे ऐसे हैं जो दूसरी और तीसरी बार जीतकर नगर पालिका पहुंचे हैं, जो उनकी व्यक्तिगत सेवा और काम का नतीजा है। इस पूरे चुनाव में सबसे ऐतिहासिक और चर्चित जीत कांग्रेस के उमेश यादव की रही है। उमेश यादव ने कांग्रेस के टिकट पर लगातार तीसरी बार 550 वोट से जीत दर्ज कर एक नया रिकॉर्ड बनाया है। यह जीत साबित करती है कि वार्ड की जनता पार्टी से ऊपर उठकर काम और सेवा को वोट देती है। उनकी यह हैट्रिक पूरे चुनाव की

- **25 में से भाजपा 12, कांग्रेस और निर्दलीयों में बंटी बाकी सीटें; दूसरी बार जीतने वालों में शिवहरि, हेमेंद्र, अनिल और सुनील शामिल**

सबसे बड़ी जीत के रूप में देखी जा रही है। दूसरी सबसे बड़ी कहानी वार्ड में मनीष लखयाणी परिवार की रही। दो बार पहले भाजपा से पार्षद रहे मनीष लखयाणी ने इस बार वार्ड महिला आरक्षित होने पर अपनी पत्नी कंचन लखयाणी को मैदान में उतारा। जब भाजपा ने टिकट नहीं दिया तो उन्होंने निर्दलीय ताल ठोक दी और भाजपा की अधिकृत प्रत्याशी को हराकर जीत हासिल की।उनकी जीत का ग्राफ लगातार बढ़ता रहा है – पहली बार 5 वोटों से, दूसरी बार 62 वोटों से और इस बार तीसरी बार पत्नी को 159 वोटों से जीत दिलाकर उन्होंने साबित कर दिया कि उनका जनाधार पार्टी से बड़ा है। दूसरी बार जीतकर नगर पालिका पहुंचने वाले चेहरों में भाजपा से शिवहरि गुर्जर, हेमेंद्र चौधरी और अनिल शर्मा शामिल हैं। वहीं कांग्रेस से सुनील सांवरिया ने भी अपनी सीट बरकरार रखते हुए दूसरी बार जीत दर्ज की है। इन सभी की जीत को उनकी 5 साल की मेहनत और वार्ड में सक्रियता का इनाम माना जा रहा है।

निवर्तमान चेयरमैन तारामणि सतीश सिंघल ने भी अपनी सियासी ताकत दिखाई।

सार-समाचार

खोरा लाड़खानी में 73 गुरुओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मनित किया

मनोहरपुर । महात्मा गांधी विद्यालय खोरा लाड़खानी में रविवार को भव्य शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आयोजक सेवानिवृत्त शंकर शरण शर्मा रहे। समारोह में क्षेत्र के 4 विद्यालयों के कुल 73 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। जिसमें राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खोरा लाड़खानी से 22 शिक्षक, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय शक्तपुरा से 15 शिक्षक, राजकीय महात्मा गांधी विद्यालय हनुतपुरा से 13 शिक्षक और राजकीय महात्मा गांधी विद्यालय खोरा लाड़खानी से 23 शिक्षकों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर आयोजनकर्ता शंकर शरण शर्मा ने कहा कि गुरु ही राष्ट्र निर्माता है, शिक्षक ही बच्चों के भविष्य को गढ़ता है और समाज को नई दिशा देता है। शिक्षकों का सम्मान करना हम सभी का कर्तव्य है, आज जिन शिक्षकों का सम्मान किया गया है, उन्होंने अपने जीवन का अमूल्य समय शिक्षा के क्षेत्र में दिया है, इसलिए उनका सम्मान करना गर्व की बात है। कार्यक्रम में संतोष सिंह, रूड मल कपूरिया, प्रकाश रैगर, रामेश्वर कपूरिया, अनिल कुमार गौड़, सुरेन्द्र जाट, चंद्र शेखर शर्मा, भूरामल जाट, जसवंत सिंह, जीतू सिंह, शिंभू सिंह, मदन यादव, राजेन्द्र शर्मा, गिरधारी कपूरिया, अनिल वर्मा, राजेंद्र जाट सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय हिंदी दिवस विजय महोत्सव आयोजित

निवाई। राजकीय कन्या महाविद्यालय में प्राचार्य प्रोफेसर विकास नौटियाल की अध्यक्षता में राष्ट्रीय हिंदी दिवस व दिवेर विजय महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं को महाराणा प्रताप का शौर्य व कुशल प्रशासन की जानकारियों दी गई। कार्यक्रम प्रभारी डॉ. सीएल मीणा ने बताया कि राष्ट्रीय हिंदी दिवस और दिवेर विजय महोत्सव के उपलक्ष्य में महाविद्यालय परिसर में भाषाई गौरव व राष्ट्रभक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। विजयी योद्धा एवं कुशल प्रशासक के रूप में महाराणा प्रताप विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें छात्राओं ने मेवाड़ के गौरव महाराणा प्रताप के जीवन संघर्ष, उनकी अद्भुत युद्ध नीति, स्वाभिमान व कुशल प्रशासनिक क्षमताओं पर विचार साझा किए। उन्होंने बताया कि महाराणा प्रताप एक महान और अदम्य साहसी योद्धा होने के साथ एक दूरदर्शी प्रशासक भी थे, जिन्होंने हर परिस्थिति में जनता का कुशल नेतृत्व किया। विशेष रूप से दिवेर के युद्ध में उनकी सूझबूझ व सैन्य कौशल का लोहा पूरी दुनिया ने माना, जिसे इतिहास में मेवाड़ का मैराथन भी कहा जाता है। इसके साथ ही हिंदी दिवस के महत्व की जानकारी देते हुए छात्राओं को अपनी मातृभाषा व राष्ट्रभाषा हिंदी के प्रति गौरव महसूस करने एवं दैनिक जीवन में इसके अधिकाधिक उपयोग करने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम के अंत में विजेता प्रतिभागियों की सराहना कर उनका हौसला बढ़ाया गया।

कालाडेरा नगर पालिका में भाजपा ने जीत अर्जित कर जश्न मनाया

चौमूं / कालाडेरा । राजस्थान निकाय चुनाव के नतीजों में कई बड़े उलटफेर देखने को मिले हैं। चौमूं नगर परिषद व नवीन कालाडेरा नगर पालिका में भाजपा ने बड़ी जीत अर्जित कर सबसे बड़ी पार्टी बनी, जबकि भाजपा ने कांग्रेस के कई दिग्गजों के इलाकों में भी कांग्रेस को झटका दिया । कांग्रेस का चौमूं नगर परिषद के अधिकतर वार्डों में सफाया हो गया वहीं कांग्रेस की चौमूं विधायक डॉ शिखा मील बराला भी अपने वार्ड से कांग्रेस प्रत्याशी को जीता नहीं पाई। चौमूं नगर परिषद के कांग्रेस के तत्कालीन सभापति विष्णु सैनी ने अपने वार्ड से चुनाव जीतने में कामयाब जरूर हुए हैं। गौरतलब है कि चौमूं नगर परिषद के 45 वार्डों के चुनावों में भाजपा के 30 प्रत्याशियों ने विजय प्ररचम लहराया है वहीं कांग्रेस के 11 प्रत्याशी व 4 निर्दलीय प्रत्याशियों ने विजय हुये है। कालाडेरा नगर पालिका के 20 वार्डो के चुनावों में भाजपा ने 12 वार्डों में अपना प्ररचम लहराया है वहीं कांग्रेस ने 7 वार्डों में व 1 निर्दलीय प्रत्याशी ने विजय प्राप्त की है।

सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी में दसलक्षण महापर्व 16 से

निवाई। सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी में आर्यिका विज्ञाश्री माताजी के सान्निध्य में 16 से 26 सितम्बर तक दसलक्षण महापर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। जिसकी तैयारियां जोर-शोर पर की जा रही है। इस दौरान आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि धर्म जीवन को सही दिशा व शांति प्रदान करता है। उन्होंने भक्ति, श्रद्धा, त्याग व समर्पण का संदेश दिया तथा जीवन में निरंतर धर्म मार्ग पर चलने की पावन प्रेरणा दी। विज्ञातीर्थ के कार्याध्यक्ष सुनिल भाणजा व प्रतीक जैन सेठी ने बताया की पर्युषण दसलक्षण पर्व को लेकर 16 से 26 सितम्बर तक प्रतिदिन अभिषेक, शांतिधारा, दसलक्षण पूजा, आर्यिका से उत्तम क्षमा, मार्दव व आर्जव सहित कई धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाएगा।

पावटा में एनएच-48 पर ट्रेलर-बस ड्राइवरों का विवाद बना हादसे का कारण

पावटा। राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर पावटा-शाहपुरा होटल के सामने जयपुर-दिल्ली रोड पर सोमवार को ट्रेलर और बस के चालकों के बीच हुआ विवाद हादसे का कारण बन गया। ट्रेलर व बस ड्राइवर राष्ट्रीय राजमार्ग 48 के बीच में वाहन खड़ा कर किसी बात पर विवाद कर रहे थे। तभी उनके विवाद के चलते एक कंटेनर बस के पीछे खड़ा हो गया अचानक अनियंत्रित एक सफेद पाउडर से भरे ट्रेलर ने बेकाबू होकर खड़े कंटेनर में टक्कर मार दी।

टक्कर से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि हादसे में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ और एक बड़ा हादसा टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रेलर और बस चालक के बीच किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। इसी दौरान यह हादसा हो गया। टक्कर के बाद कुछ देर के लिए यातायात प्रभावित हुआ तथा मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। हादसे की

- **हादसे में बड़ा नुकसान टला, हाईवे पर मची अफरा-तफरी**

सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और स्थिति संभाली व ट्रेलर चालक को सकुशल बाहर निकाला। वही सूचना पर पहुंची प्रागपुरा थाना पुलिस ने क्रेन की सहायता से क्षितग्रस्त वाहन को एक तरफा करवा यातायात सुचारू करवाया। हाईवे पर वाहनों की आवाजाही अधिक होने के कारण हादसे को लेकर लोगों में चिंता देखी गई। लोगों ने हाईवे पर वाहन चालकों की लापरवाही और आपसी विवाद के दौरान बरती जाने वाली असावधानी पर नाराजगी जताई। वाहनों की टक्कर से बड़ा हादसा हो सकता था, लेकिन गनीमत रही कि स्थिति गंभीर रूप नहीं ले सकी।

नगर परिषद चौमूं और नगर पालिका कालाडेरा में भाजपा की प्रचंड जीत

चौमूं / कालाडेरा । नगर परिषद चौमूं और नगर पालिका कालाडेरा के स्थानीय निकाय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने ऐतिहासिक सफलता हासिल करते हुए प्रचंड बहुमत दर्ज किया है। नगर परिषद चौमूं की 30 सीटों और नगर पालिका कालाडेरा की 12 सीटों पर मिली इस शानदार विजय के उपरांत भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुभाष सर्किल पर एकत्र होकर भव्य जश्न मनाया। इस दौरान जमकर आतिशबाजी की गई और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी गई। भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने इस ऐतिहासिक जीत का श्रेय पार्टी कार्यकर्ताओं की दिन-रात की कड़ी मेहनत और आम जनता के अटूट विश्वास को दिया। जीत पर हर्ष व्यक्त करते हुए रामलाल शर्मा ने कहा, "यह विजय चौमूं और कालाडेरा की देवतुल्य

भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुभाष सर्किल पर एकत्र होकर जश्न मनाया।

जनता के विश्वास, आशीर्वाद और हमारे कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम की जीत है। प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे चौमुखी विकास और सुशासन की नीतियों पर जनता ने अपनी मोहर लगाई है।"

उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का विशेष आभार व्यक्त किया और कहा कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौर के कुशल मार्गदर्शन में भारतीय जनता पार्टी विकास और जनसेवा के अपने संकल्प के साथ निरंतर आगे बढ़ रही है। रामलाल शर्मा ने निकाय

- **सुभाष सर्किल पर आतिशबाजी व मिठाई बांटकर मनाया जश्न।**
- **चौमूं में 30 और कालाडेरा में 12 सीटों पर भाजपा ने लहराया परचम**

चुनावों के दौरान वार्डों में पूरी निष्ठा के साथ जिम्मेदारी संभालने वाले सभी प्रभारियों और सह-प्रभारियों की मेहनत की भी सराहना की और उनका आभार जताया। उन्होंने कहा कि नगर परिषद चौमूं और नगर पालिका कालाडेरा की जनता ने कमल का फूल खिलाकर क्षेत्र में विकास, पारदर्शिता और सुशासन के नए युग की शुरुआत की है।

अलवर में लोकतंत्र की उड़ाई जा रही धज्जियां : जूली

अलवर/जयपुर। नगर निकाय चुनाव के परिणाम आने के बाद अलवर की सियासत में घमासान और तेज हो गया है। कांग्रेस के निर्वाचित पार्षदों की कथित बाड़ेबंदी और उन्हें पुलिस द्वारा उठाए जाने के दावे को लेकर नेता प्रतिपक्ष एवं अलवर ग्रामीण विधायक टीकाराम जूली सोमवार को कांग्रेस के जीते हुए पार्षदों के साथ एसपी कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए भाजपा सरकार, पुलिस और प्रशासन पर जमकर निशाना साधा।

जूली ने आरोप लगाया कि केंद्रीय मंत्री और राज्य मंत्री के इशारे पर अलवर में लोकतंत्र का मखौल उडाया जा रहा है और नगर निकाय चुनाव के बाद पुलिस एवं प्रशासन भाजपा के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के निर्वाचित पार्षदों को गुंडागर्दी के जरिए उठाने की जरूरत नहीं है। यदि भाजपा को पार्षद चाहिए तो कांग्रेस स्वयं उन्हें सौंपने के लिए तैयार है। टीकाराम जूली ने तीखे अंदाज में कहा कि भाजपा को यदि बोर्ड बनाने की इतनी ही लालसा है तो कांग्रेस के पार्षदों को जबरन उठाने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, "हम खुद पार्षदों को लेकर एसपी कार्यालय आए हैं। ले जाइए हमारे पार्षद, लेकिन लोकतंत्र की हत्या मत कीजिए।

खैरथल में 17 निर्दलीयों के हाथ सत्ता की चाबी

खैरथल। राजकीय पीएम श्री माध्यमिक विद्यालय खैरथल मेंसोमवार को नगर परिषद खैरथल के 45 वार्डों की शुरू हुई मतगणना ने नगर परिषद चुनाव के नतीजों ने खैरथल की सियासत में भूचाल ला दिया है। कांग्रेस ने 20 सीटों के साथ सबसे बड़ा दल बनने का तमगा तो हासिल कर लिया, लेकिन बहुमत से सिर्फ तीन कदम दूर रह गई। भाजपा महज 8 सीटों पर सिमट गई और 17 निर्दलीयों ने ऐसी एंट्री मारी कि पूरी सत्ता का गणित ही उनके हाथ में चला गया। अब खैरथल में चुनाव खत्म नहीं हुआ है, बल्कि असली सियासी खेल शुरू हुआ है-किसके साथ जाएंगे 17 निर्दलीय और किसके सिर सजेगा सभापति का ताज..? 45 वार्डों वाली नगर परिषद में बोर्ड बनाने के लिए 23 पार्षद चाहिए। कांग्रेस के पास 20 का आंकड़ा है, यानी सत्ता के लिए सिर्फ तीन पार्षदों की दरकार है। दूसरी तरफ भाजपा आठ पर खड़ी है और बहुमत तक पहुंचने के लिए उसे 15 पार्षदों का साथ जुटाना होगा। ऐसे में 17 निर्दलीय पार्षद अब सिर्फ संख्या नहीं, बल्कि खैरथल की सत्ता के सबसे बड़े 'किंगमेकर' बन गए हैं। इस चुनाव ने कई बड़े चेहरों के राजनीतिक कद पर

- **कांग्रेस 20 पर अटकी, भाजपा 8 में सिमटी, 17 निर्दलीयों के हाथ सत्ता की चाबी**
- **बहुमत का आंकड़ा 23, सभापति की कुर्सी के लिए अब शुरू होगा असली सियासी खेल**

भी सवाल खड़े कर दिए हैं। सभापति पद की दौड़ में जिन नामों की चर्चा थी, उनमें से कई अपनी सीट तक नहीं बचा पाए। रामसिंह शर्मा, अलका भानुप्रकाश अग्रवाल एडवोकेट, वरुण डाटा, मुन्नी अशोक डाटा, ओमप्रकाश रोघा और गिरीश डाटा को मतदाताओं ने नकार दिया। दिग्गजों की हार ने सभापति पद की पूरी रेस को उलटकर रख दिया है।

भाजपा का महज आठ वार्डों तक सिमटना पार्टी के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। जिन चेहरों को लेकर सभापति की संभावनाओं पर राजनीतिक चर्चाएं चल रही थीं, उनमें से कई चुनावी मैदान में ही धराशायी हो गए। अब भाजपा के सामने सिर्फ बोर्ड बनाने की चुनौती नहीं, बल्कि अपनी सियासी जमीन बचाने की भी चुनौती खड़ी हो गई है।

कांग्रेस सबसे बड़े दल के रूप में जरूर उभरी है, लेकिन 20 का आंकड़ा उसे सत्ता की कुर्सी तक सीधे नहीं पहुंचाता। अब कांग्रेस को तीन निर्दलीयों की जरूरत है और यही तीन पार्षद सभापति की कुर्सी तक पहुंचने का रास्ता खोल सकते हैं। दूसरी ओर भाजपा की नजर भी निर्दलीयों पर होगी। ऐसे में आने वाले दिनों में जोड़-तोड़, मान-मनुहार और बंद कमरों में बैठकों का दौर तेज होना तय माना जा रहा है।

वार्ड 25 का परिणाम भी चुनावी चर्चा के केंद्र में रहा। यहां सानिया पुत्री फतेह मोहम्मद ने जीत दर्ज की। इस वार्ड को लेकर स्थानीय राजनीति में पहले से ही खींचतान चर्चा में रही थी। कांग्रेस टिकट को लेकर विवाद के बाद निर्दलीय मैदान में उतरे प्रत्याशी की जीत को स्थानीय कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति के लिए बड़ा सियासी संदेश माना जा रहा है। खास बात यह कि जिस कार्यकर्ता को टिकट के लिए कथित तौर पर विरोध का सामना करना पड़ा, उसी ने निर्दलीय के रूप में मैदान में उतरकर कांग्रेस प्रत्याशी को शिकस्त दे दी।

कोटपूतली की 9 नगरीय निकायों के 325 वार्डों के परिणाम घोषित

कोटपूतली । नगरीय निकाय आम चुनाव 2026 के तहत कोटपूतली-बहरोड़ जिले में मतगणना प्रक्रिया सोमवार को शांतिपूर्ण एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न हुई। जिला प्रशासन एवं पुलिस की ओर से किए गए पुख्ता इंतजामों के चलते जिले में मतगणना के दौरान कानून व्यवस्था बनी रही तथा पूरी प्रक्रिया शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। जिले की 2 नगर परिषदों एवं 7 नगरपालिकाओं में कुल 325 वार्डों की मतगणना संपन्न हुई। मतगणना के बाद विभिन्न नगरपालिकाओं में भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस एवं निर्दलीय प्रत्याशियों के परिणाम सामने आए।

मांढण नगरपालिका के 20 वार्डों में भारतीय जनता पार्टी के 5, कांग्रेस के 1 तथा निर्दलीय प्रत्याशियों के 14 प्रत्याशी विजयी रहे। नीमराणा नगरपालिका के 25 वार्डों में भारतीय जनता पार्टी के 8, कांग्रेस के 7 तथा निर्दलीय प्रत्याशियों के 10 प्रत्याशी विजयी रहे। बानसूर नगरपालिका के 35 वार्डों में भारतीय जनता पार्टी के 6, कांग्रेस के 12 तथा निर्दलीय प्रत्याशियों के 17 प्रत्याशी विजयी रहे। बहरोड़ नगरपालिका के 55 वार्डों में भारतीय जनता पार्टी के 20, कांग्रेस के 6 तथा निर्दलीय प्रत्याशियों के 29 प्रत्याशी विजयी रहे।

नारायणपुर नगरपालिका के 35 वार्डों में भारतीय जनता पार्टी के 17,

- **मांढण नगरपालिका के 20 वार्डों में भारतीय जनता पार्टी के 5, कांग्रेस के 1 तथा निर्दलीय प्रत्याशियों के 14 प्रत्याशी विजयी रहे**

कांग्रेस के 14 तथा निर्दलीय प्रत्याशियों के 4 प्रत्याशी विजयी रहे। पावटा-प्रागपुरा नगरपालिका के 45 वार्डों में भारतीय जनता पार्टी के 16, कांग्रेस के 22 तथा निर्दलीय प्रत्याशियों के 7 प्रत्याशी विजयी रहे।

विराटनगर नगरपालिका के 25 वार्डों में भारतीय जनता पार्टी के 10, कांग्रेस के 13 तथा निर्दलीय प्रत्याशियों के 2 प्रत्याशी विजयी रहे। बर्डोद नगरपालिका के 25 वार्डों में भारतीय जनता पार्टी के 8, कांग्रेस के 11 तथा निर्दलीय प्रत्याशियों के 6 प्रत्याशी विजयी रहे। कोटपूतली नगरपालिका के 60 वार्डों में भारतीय जनता पार्टी के 19, कांग्रेस के 13 तथा निर्दलीय प्रत्याशियों के 28 प्रत्याशी विजयी रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर अपर्णा गुप्ता के निर्देशन में मतगणना को लेकर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं।

शाहपुरा में बोर्ड की जंग तेज, कांग्रेस-भाजपा आमने-सामने

शाहपुरा। शाहपुरा नगर परिषद के 55 वार्डों के चुनाव परिणाम जारी होने के बाद अब नगर परिषद में बोर्ड गठन को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। चुनाव परिणाम में कांग्रेस ने 23, भाजपा ने 20 और निर्दलीयों ने 12 वार्डों में जीत दर्ज की है। किसी भी प्रमुख दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने से अब 12 निर्दलीय पार्षद सभापति की कुर्सी के लिए निर्णायक भूमिका में नजर आ रहे है।

चुनाव परिणामों के अनुसार वार्ड 1 से नरसीराम यादव निर्दलीय, 2 से जुगलकिशोर कुमावत कांग्रेस, 3 से रामनाथ कांग्रेस, 4 से नीतू सैनी भाजपा, 5 से जयराम सैनी कांग्रेस, 6 से हरफूल कांग्रेस, 7 से कैलाश यादव कांग्रेस, 8 से सुभाष भडाना निर्दलीय, 9 से मीना टीलावत भाजपा, 10 से कालूराम कांग्रेस, 11 से गुड्डी मीणा भाजपा, 12 से रेखा देवी कांग्रेस, 13 से गौरीशंकर निर्दलीय, 14 से धोली देवी निर्दलीय, 15 से सुरेश सैनी निर्दलीय और 16 से मेघा चौधरी कांग्रेस विजयी रहे। वार्ड 17 से महेश ढबास कांग्रेस, 18 से राजेश पलसानिया भाजपा, 19 से बिदामी देवी भाजपा, 20 से

- **21 सितंबर को मतदान के बाद होगा फैसला, 55 वार्डों के परिणाम में कांग्रेस 23, भाजपा 20 और निर्दलीय 12 सीटों पर विजयी**

लक्ष्मीनारायण बुनकर कांग्रेस, 21 से असलम कुरेशी कांग्रेस, 22 से कृपा देवी कांग्रेस, 23 से पुनीत भगेरिया निर्दलीय, 26 से अमन खटाना भाजपा, 27 से पूजा देवी निर्दलीय, 28 से रतन कुमार अग्रवाल भाजपा, 29 से रोशन बागड़ी भाजपा और 30 से इंद्राज पलसानिया निर्दलीय विजयी हुए। इसी प्रकार वार्ड 31 से साधुराम ढबास कांग्रेस, 32 से रवीश खटाना भाजपा, 33 से प्रभुदयाल अटल कांग्रेस, 34 से उमेश बड़बड़वाल निर्दलीय, 35 से मंजू देवी कांग्रेस, 36 से पूजा देवी भाजपा, 37 से कमली देवी कांग्रेस, 38 से कमली भाजपा, 39 से मंजू देवी कांग्रेस और 40 से धोलूराम कुम्हार निर्दलीय विजयी रहे।

पावटा-प्रागपुरा नगरपालिका में कांग्रेस का दबदबा

पावटा। पावटा-प्रागपुरा नगरपालिका चुनाव 2026 की मतगणना सोमवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पावटा परिसर में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। मतगणना परिणाम सामने आते ही नगरपालिका की सियासत में तस्वीर काफी हद तक साफ हो गई। 45 वार्डों के परिणाम में कांग्रेस ने 22 सीटों पर जीत दर्ज कर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में बढ़त बनाई, जबकि भाजपा को 16 वार्डों में जीत मिली। जिसमें वार्ड 1 से सोनम स्वामी भाजपा, वार्ड 2 से शकुंतला देवी कांग्रेस, वार्ड 3 से विनोद यादव निर्दलीय, वार्ड 4 में रत्ना यादव कांग्रेस, वार्ड 5 से पिंकी यादव कांग्रेस, वार्ड 6 से सुरेश मीणा भाजपा, वार्ड 7 से राहुल निर्दलीय, वार्ड 8 से मनोज पुत्र दाताराम निर्दलीय, वार्ड 9 से पुष्पा देवी भाजपा, वार्ड 10 से रामसिंह भाजपा, वार्ड 11से विक्रम सिंह कांग्रेस, वार्ड 12 से कविता कंवर भाजपा, वार्ड 13 से अंजू यादव भाजपा, वार्ड 14 से पूजा देवी भाजपा, वार्ड 15 से महिपाल भाजपा वार्ड 16 से बनवारी लाल

पावटा में कांग्रेस ने 22 सीटों पर जीत दर्ज कर जश्न मनाया।

कांग्रेस, वार्ड 17 से राजबाला निर्दलीय, वार्ड 18 से मंजू अग्रवाल भाजपा, वार्ड 19 से संतोष भाजपा, वार्ड 20 से सोमवती मीणा कांग्रेस, वार्ड 21 से सुभाष यादव भाजपा, वार्ड 22 से रिंकू कांसोटिया कांग्रेस, वार्ड 23 से सोनू बाई कांग्रेस,वार्ड 24 से मुकेश सिंह कांग्रेस, वार्ड 25 से प्रियंका कुमावत निर्दलीय, वार्ड 26 से माली देवी कांग्रेस, वार्ड 27 से रवि दत्त कांग्रेस, वार्ड 28 से मुकेश कुमार निर्दलीय, वार्ड 29 से सुंदर लाल कांग्रेस, वार्ड 30 से लीलाराम भाजपा, वार्ड 31 से महेश कांग्रेस, वार्ड 32 से बुधराम भाजपा, वार्ड 33 से अनीता देवी निर्दलीय, वार्ड 34 से सागरमल कांग्रेस, वार्ड 35 से गणेश सैनी कांग्रेस, वार्ड 36 से विनोद सिंह भाजपा, वार्ड 37 से नचिता जाट कांग्रेस, वार्ड 38 से अनीता यादव कांग्रेस, वार्ड 39 से ऊषा यादव भाजपा, वार्ड 40 से मीना देवी कांग्रेस, वार्ड 41से कैलाशी देवी कांग्रेस, वार्ड 42 से रजनी देवी भाजपा, वार्ड 43 से

- **भाजपा को 16 सीटें, 45 वार्डों का फैसला आया, अब चेयरमैन की कुर्सी पर नजर-किसके साथ जाएंगे 7 निर्दलीय**

ईद मोहम्मद कांग्रेस, वार्ड 44 से ममता यादव कांग्रेस, वार्ड 45 से विक्रम सैनी कांग्रेस विजयी रहे।

पावटा प्रागपुरा नगरपालिका के कुल 45 वार्डो से निर्दलीय प्रत्याशियों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए 7 वार्डों में जीत हासिल की। परिणामों ने भाजपा और कांग्रेस दोनों के सामने पालिका बोर्ड बनाने को लेकर नए राजनीतिक समीकरण खड़े कर दिए हैं। कांग्रेस बहुमत के आंकड़े से कुछ सीट दूर है। जबकि भाजपा भी बोर्ड बनाने की दौड़ से बाहर नहीं है। दूसरी ओर 7 निर्दलीय पार्षदों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो गई है।

''एशियाई खेल 2026 का सपना आधिकारिक रूप से खत्म हो गया है। मैं इस समय जो दर्द और खालीपन महसूस कर रहा हूं, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। -अनुष अगरवाला

भारतीय ड्रेसेज घुड़सवार, एशियाई खेलों में हिस्सा लेने का मौका नहीं मिलने पर को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अमोल मजूमदार

महिला एशिया कप 2026 के फाइनल के बाद ट्रॉफी वितरण को लेकर उठे विवाद पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा कि इस मामले में बीसीसीआई ने जो रुख अपनाया है, टीम उसके साथ खड़ी है। भारत ने रविवार को श्रीलंका को 72 रन से हराकर रिकॉर्ड आठवीं बार महिला एशिया कप का खिताब जीता। इसके बाद हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने एशियाई क्रिकेट परिषद के प्रमुख मोहसिन नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया। नकवी पाकिस्तान सरकार में भी शामिल हैं।

क्या आप जानते हैं ?... चीन के हांग्जो में हुए 2022 एशियाई खेलों (जो 2023 में आयोजित हुए थे) में भारत ने अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन किया।

नकवी से एशिया कप ट्रॉफी नहीं लेना बोर्ड का संस्थागत फैसला : सैकिया

नई दिल्ली, 14 सितंबर। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने सोमवार को कहा कि महिला क्रिकेट टीम का एशियाई क्रिकेट परिषद के पाकिस्तानी प्रमुख मोहसिन नकवी से एशिया कप ट्रॉफी नहीं लेना बोर्ड का मौजूदा परिस्थितियों और भावनाओं को ध्यान में रखकर लिया गया 'सोचा समझा संस्थागत' फैसला है। भारतीय महिला टीम ने रविवार को दुबई में खेले गए फाइनल में श्रीलंका को 72 रन से हराया, लेकिन उन्होंने नक़वी से ट्रॉफी स्वीकार नहीं की। इससे पहले 2025 में भारतीय पुरुष टीम ने भी एशिया कप जीतने पर पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में नक़वी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था।

उस आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे। सैकिया ने कहा, ''हमने सभी मौजूदा पहलुओं पर विचार करते हुए सोच समझ कर यह फैसला लिया था। हमने पहले ही एसीसी को अपनी स्थिति से अवगत करा दिया था कि इन परिस्थितियों में भारतीय टीम पुरस्कार वितरण समारोह में भाग नहीं लेगी।'' उन्होंने कहा, ''देश में व्याप्त परिस्थितियों और भावनाओं पर गौर करते हुए बीसीसीआई को लगा कि टीम के लिए प्रस्तावित तरीके से ट्रॉफी लेना उचित नहीं होगा।'' सैकिया ने कहा, ''यह एक दृढ़ संस्थागत निर्णय था, जो हमारे रुख को दर्शाता है। इसका मकसद खिलाड़ियों, टूर्नामेंट या खेल पर सवाल उठाना नहीं था।'' पिछले साल अप्रैल में हुए आतंकी हमले के बाद मई में दोनों देशों के बीच संक्षिप्त सैन्य टकराव भी हुआ था। इस बात पर बहस चल रही है कि क्या भारत को पाकिस्तान के खिलाफ सभी मैचों का बहिष्कार करना चाहिए। इस संदर्भ में सैकिया ने दोहराया कि सभी खेल प्रतिबद्धताओं को हमेशा पूरा किया जाएगा क्योंकि भारत सरकार ने उन्हें बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट में पड़ोसी देश के साथ खेलने की अनुमति दी है।

उन्होंने कहा, ''एशिया कप में हमारी भागीदारी एसीसी के सदस्य के रूप में हमारी खेल प्रतिबद्धताओं को पूरा करने और मौजूदा नीति का पालन करने के लिए थी। खेल भावना या अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के प्रति हमारी प्रतिबद्धता से समझौता करने का कोई सवाल ही नहीं था। हालांकि बहुराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भाग लेना और ट्रॉफी हासिल करने का तरीका दो अलग-अलग मामले हैं।'' किसी भी खिलाड़ी की इच्छा होती है कि वह ट्रॉफी उठाए लेकिन बीसीसीआई सचिव इस बात से खुश हैं कि हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम ने अपना काम बखूबी अंजाम दिया।

उन्होंने कहा, ''भारतीय महिला टीम ने वह कर दिखाया है जो सबसे ज्यादा मायने रखता है। उन्होंने मैदान पर अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर एशिया कप जीता है। हमें और पूरे देश को टीम पर बहुत गर्व है।

यह उपलब्धि खिलाड़ियों और भारतीय क्रिकेट की है।'' महिला टीम अब जापान के लिए रवाना होगी जहां वह एशियाई खेलों में अपने खिताब का बचाव करने के लिए उतरेगी। सैकिया ने कहा, ''अभी हमारा पूरा ध्यान एशियाई खेलों पर है और हम इस समय उनकी तैयारियों से ध्यान भटकाने वाली किसी भी चीज को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

वरुण चक्रवर्ती चोटिल होकर अफगानिस्तान टी20 सीरीज से बाहर

नई दिल्ली, 14 सितंबर। भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती सोमवार को चोट के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ चल रही टी20 सीरीज से बाहर हो गए और इस चोट के चलते आगामी एशियाई खेलों में उनके खेलने पर भी संशय पैदा हो गया है। चक्रवर्ती हाल में पैर की मांसपेशियों में खिंचाव की चोट से उबरे थे जो उन्हें जुलाई में इंग्लैंड दौरे के दौरान लगी थी। उन्होंने रविवार को अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज के पहले मुकाबले में एक विकेट लिया था।

भारत ने यह मैच आसानी से जीता था और चक्रवर्ती ने अपने चार ओवरों में महज 16 रन दिए थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने कहा, ''यह नयी चोट है। एमआरआई में इसका खुलासा हुआ है कि उन्हें मांसपेशियों में खिंचाव है।

वह सीरीज से बाहर हो गए हैं और उनका एशियाई खेलों में हिस्सा लेना भी संदिग्ध है।'' हाल के दिनों में 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' में खिलाड़ियों की चोटों के बार-बार सामने आने के कारण वहां की चोट प्रबंधन व्यवस्था सवालों के घेरे में रही है। चक्रवर्ती की ताजा चोट भी इसी सिलसिले का एक और उदाहरण है।

इस नयी चोट के कारण 19 सितंबर से शुरू होने वाले एशियाई खेलों में चक्रवर्ती का हिस्सा लेना भी संदिग्ध है। भारत 22 सितंबर को जापान के खिलाफ एक ऐतिहासिक टी20 मुकाबला भी खेलेगा और इसके बाद 28 सितंबर से जापान के निशिन में होने वाले एशियाड में अपने अभियान की शुरुआत करेगा। सीरीज से पहले भारतीय तेज गेंदबाज हर्षित राणा समय पर फिट नहीं हो सके।

फिटनेस के आधार पर उन्हें मूल टीम में शामिल किया गया था, लेकिन वह अफगानिस्तान सीरीज और एशियाई खेलों के लिए समय पर चोट से उबर नहीं पाए। उनकी जगह यश ठाकुर को टीम में शामिल किया गया है। स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के अलावा ऑलराउंडर नीतिश कुमार रेड्डी और वॉशिंगटन सुंदर भी हाल में चोट से उबरकर वापसी कर चुके हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरा टी20 मैच यहां मंगलवार को और तीसरा मुकाबला बृहस्पतिवार को खेला जाएगा।

अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे टी20 में अजेय बढ़त लेने उतरेगी भारतीय टीम, पांचवें गेंदबाज की तलाश जारी

नई दिल्ली, 14 सितंबर। पहले मैच में बड़ी जीत से उत्साहित भारतीय टीम अफगानिस्तान के खिलाफ मंगलवार को यहां होने वाले दूसरे दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत दर्ज करके श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगी और इस दौरान पांचवें गेंदबाज की समस्या का समाधान भी निकालना चाहेगी। हार्दिक पंड्या के चोटिल होने के कारण भारतीय टीम में पांचवें विश्वसनीय गेंदबाजी विकल्प की कमी महसूस हो रही है। विश्व कप विजेता भारत ने रविवार को यहां एकतरफा मुकाबले में अफगानिस्तान को सात विकेट से हराकर खेल के सबसे छोटे प्रारूप में शानदार वापसी की।

श्रेयस अय्यर की टीम ने पहले मैच में हर मोर्चे पर शानदार प्रदर्शन किया। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने इस जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। अर्शदीप ने 19 रन देकर तीन विकेट लिए और अफगानिस्तान को आठ विकेट पर 156 रन पर रोकने में अहम भूमिका निभाई।

इसके बाद अभिषेक ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 32 गेंदों में 82 रन बनाए जिससे भारत ने 13.4 ओवर में लक्ष्य हासिल कर दिया। जसप्रीत बुमराह और वरुण चक्रवर्ती ने भी चोट से वापसी करते हुए अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन भारत को इस महीने के आखिर में होने वाले एशियाई खेलों से पहले पांचवें गेंदबाज की समस्या का समाधान करना होगा। अय्यर को उस स्थान की भरपाई करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी क्योंकि ऑलराउंडर शिवम दुबे और नीतीश कुमार रेड्डी अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सके।

रेड्डी के दो ओवरों में 30 रन लुटाए जबकि आखिरी ओवर में गेंद संभालने वाले दुबे ने 21 रन दिए। अभिषेक ने भी एक ओवर किया। इस तरह तीनों ने मिलकर अपने चार ओवरों में 59 रन लुटाए।

अर्शदीप, बुमराह, अक्षर पटेल और चक्रवर्ती के अच्छे प्रदर्शन से भारत को पांचवें गेंदबाजी के विकल्पों का खराब प्रदर्शन भारी नहीं पड़ा लेकिन भविष्य में टीम को इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। बल्लेबाजी की बात करें तो अभिषेक ने अपनी तूफानी पारी से अपनी फॉर्म को लेकर उठ रही शंकाओं को दूर कर दिया। शानदार फॉर्म में चल रहे ईशान किशन ने अभ्यास के दौरान पीठ पर लगी मामूली चोट को दरकिनार करते हुए 33 गेंदों में 42 रन बनाए, जिसमें पांच चौके और एक छक्का शामिल था।

विश्व तीरंदाजी कप फाइनल

धीरज बोम्मदेवरा ने रचा इतिहास, पुरुष रिकर्व में जीता स्वर्ण

साल्टिलो (मेक्सिको), 14 सितंबर। भारत के धीरज बोम्मदेवरा ने एशियाई खेलों की तैयारियों को मजबूती देते हुए रविवार को विश्व तीरंदाजी कप फाइनल में पुरुष रिकर्व वर्ग का ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीत लिया। धीरज ने खिताबी मुकाबले में जापान के विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता नाकानिशी जुन्या को शूट-ऑफ में हराया। विजयवाड़ा के 25 वर्षीय धीरज विश्व तीरंदाजी कप फाइनल में रिकर्व स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष तीरंदाज बन गए हैं। निर्धारित पांच सेट के बाद मुकाबला 5-5 से बराबर रहा, जिसके बाद शूट-ऑफ हुआ। इसमें धीरज ने 10 अंक का निशाना साधा, जबकि नाकानिशी 9 अंक ही हासिल कर सके। धीरज का यह ऐतिहासिक स्वर्ण पदक एशियाई खेलों से पहले भारतीय तीरंदाजी के लिए भी बड़ी उपलब्धि है और इससे आगामी महाद्वीपीय प्रतियोगिता के लिए उनकी तैयारियों को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलेगा।

श्री चरणी ने सर्वाधिक विकेट लेने का बनाया भारतीय रिकॉर्ड

दुबई, 14 सितंबर। भारतीय बाएं हाथ की स्पिनर एन. श्री चरणी ने रविवार को श्रीलंका के खिलाफ महिला एशिया कप 2026 के फाइनल में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। उन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाली भारतीय गेंदबाज बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले के 14वें ओवर में श्री चरणी ने हरशिता समरविक्रमा को अपनी ही गेंद पर कैच कर पवेलियन भेजा। इस विकेट के साथ उनके इस साल टी-20 अंतरराष्ट्रीय में 36 विकेट हो गए और उन्होंने पूनम यादव का भारतीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। चरणी ने मैच में 4 ओवर में 20 रन देकर 4 विकेट लिए। उनके नाम इस साल टी-20 अंतरराष्ट्रीय में अब 39 विकेट हो गए हैं।

बड़े फैसले लेने की तैयारी में पीसीबी चीफ

नई दिल्ली, 14 सितंबर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) में बड़े फेरबदल की तैयारी है और अध्यक्ष मोहसिन नकवी आगामी दिनों में कुछ कड़े फैसले ले सकते हैं जिसमें राष्ट्रीय चयन समिति में बदलाव और पूर्व टेस्ट क्रिकेटर आकिब जावेद को वरिष्ठ चयनकर्ता के पद से हटाना शामिल है।

मोहसिन नकवी को हो गया है अहसास : पाकिस्तान के एक अन्य पूर्व टेस्ट खिलाड़ी वहाब रियाज को भी एशियाई खेलों के बाद कोचिंग स्टाफ के साथ राष्ट्रीय महिला टीम के मेंटोर पद से हटाए जाने की संभावना है। वह पिछले साल से इस भूमिका में हैं। एक सूत्र ने कहा, मोहसिन नकवी को भी अब अहसास हो गया है कि हार का सिलसिला और पाकिस्तान क्रिकेट में अचानक होने वाली घटनाओं को खत्म करने के लिए कुछ बड़े कदम उठाने की जरूरत है इसलिए ये बदलाव अब संभावित हैं। आकिब को पिछले दो वर्षों में पीसीबी द्वारा लिए गए कई अहम क्रिकेट फैसलों के पीछे प्रमुख व्यक्ति माना जाता रहा है। इनमें दूसरे टेस्ट के बाद इंग्लैंड दौरे के दौरान पाकिस्तान टीम और कोचिंग स्टाफ में व्यापक बदलाव का विवादास्पद फैसला भी शामिल है। पाकिस्तान के इस पूर्व टेस्ट गेंदबाज को हाल के समय में पाकिस्तान क्रिकेट में मची उथल-पुथल के लिए भी व्यापक रूप से जिम्मेदार ठहराया गया है। इस दौरान कोचिंग स्टाफ और कप्तानी में लगातार बदलाव हुए हैं।

माइक हेसन संभाल सकते हैं टेस्ट कोच की जिम्मेदारी : सूत्र ने कहा कि चयन और क्रिकेट से जुड़े अन्य मामलों में बदलाव करने का पीसीबी का फैसला सीमित ओवरों की टीम के मुख्य कोच माइक हेसन के इस संकेत से भी प्रभावित हुआ कि वह टेस्ट टीम की जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार हैं। पाकिस्तान के गृह मंत्री की भी भूमिका निभा रहे नकवी रविवार रात महिला एशिया कप फाइनल के लिए दुबई में थे। इस दौरान एक और विवाद खड़ा हो गया जब भारतीय टीम ने उनसे विजेता ट्रॉफी नहीं ली। यह 2025 पुरुष एशिया कप के दुबई में खेले गए फाइनल के विवाद की पुनरावृत्ति थी जब भारतीय टीम ने नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था।

सुरेन्द्र गुर्जर एशियन गेम्स जापान के लिए भारतीय एथलेटिक्स टीम के साथ पर्यवेक्षक नियुक्त

जयपुर 14 सितम्बर। राजस्थान के खेल जगत के लिए गौरव का विषय है कि राजस्थान ओलंपिक संघ के महासचिव सुरेन्द्र गुर्जर को एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा 2026 एशियन गेम्स के लिए भारतीय एथलेटिक्स टीम के साथ पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। 2026 एशियन गेम्स का आयोजन जापान के नागोया शहर में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर 2026 तक किया जाएगा।। एथलेटिक्स (ट्रैक एंड फील्ड) प्रतियोगिताएं नागोया शहर के मिज़ुहो पार्क एथलेटिक स्टेडियम में आयोजित की जाती हैं, जिसे पालोमा मिज़ुहो स्टेडियम के नाम से भी जाना जाता है। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा सुरेन्द्र गुर्जर के खेल प्रशासन एवं संगठनात्मक अनुभव को देखते हुए उन्हें भारतीय एथलेटिक्स दल के साथ यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। वे भारतीय एथलेटिक्स टीम के साथ समन्वय एवं आवश्यक व्यवस्थाओं में सहयोग करते हुए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे।

पाकिस्तानी टीम से बाहर किए जाने और चल रही जांच पर मोहम्मद रिजवान ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली 14 सितम्बर। मोहम्मद रिजवान ने इस मुद्दे पर कहा है कि वह जांच पूरी होने का इंतजार कर रहे हैं। 34 वर्षीय रिजवान ने यह भी संकेत दिया कि जांच पूरी होने के बाद वह मीडिया से बात कर सकते हैं। रिजवान और इमाम-उल-हक के खिलाफ चल रही जांच में पाकिस्तान के ड्रेसिंग रूम से जानकारी लीक करने के आरोपों के साथ-साथ टीम के हालिया इंग्लैंड दौरे से संबंधित मामले भी शामिल हैं। लॉर्ड्स में खेले गए दूसरे टेस्ट में हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड द्वारा पाकिस्तान वापस भेजे गए सात खिलाड़ियों में रिजवान और इमाम भी शामिल थे। पहले दो टेस्ट मैचों में रिजवान का प्रदर्शन निराशाजनक रहा, उन्होंने चार पारियों में केवल 61 रन बनाए।

ज्वेरेव ने शेल्टन को हराकर पहली बार जीता यूएस ओपन का खिताब, अमेरिकी उम्मीदें फिर टूटीं

न्यूयॉर्क, 14 सितंबर। अमेरिका की अपने किसी खिलाड़ी को 2003 के बाद पहली बार यूएस ओपन पुरुष एकल का खिताब जीतते देखने की उम्मीद एक बार फिर टूट गई। जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने भारतीय समयानुसार सोमवार तड़के फाइनल में अमेरिका के बेन शेल्टन को 6-3, 7-6(2), 5-7, 6-2 से हराकर पहली बार यूएस ओपन का खिताब अपने नाम किया। मुकाबला करीब साढ़े तीन घंटे चला।

29 वर्षीय ज्वेरेव का यह करियर का दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब है। वह इस साल फ्रेंच ओपन भी जीत चुके हैं। छह साल पहले फ्लशिंग मीडोज में अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में ज्वेरेव दो सेट की बढ़त के बावजूद डोमिनिक थीम से हार गए थे, लेकिन इस बार उन्होंने ऐसी कोई गलती नहीं की।

पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम फाइनल में खेल रहे शेल्टन ने घरेलू दर्शकों के सामने तीसरा सेट 7-5 से जीतकर मुकाबले में वापसी की उम्मीद जगाई। उन्होंने 12वें गेम में ज्वेरेव की सर्विस तोड़कर सेट अपने नाम किया, लेकिन जर्मन खिलाड़ी ने दबाव में अपना संयम बनाए रखा।

ज्वेरेव ने चौथे सेट के पहले ही गेम में शेल्टन की सर्विस तोड़ दी। इसके बाद सातवें गेम में एक और ब्रेक हासिल कर उन्होंने अपनी स्थिति मजबूत कर ली। इसके बाद शीर्ष वरीयता प्राप्त ज्वेरेव ने बिना किसी परेशानी के अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए खिताब पर कब्जा कर लिया।

अमेरिकी खिलाड़ी के लिए शुरुआत बेहद खराब रही। शेल्टन को पहले ही सर्विस गेम में ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा और उन्होंने डबल फॉल्ट कर दिया। ज्वेरेव ने अपने अनुभव का शानदार इस्तेमाल किया। यह उनका छठा ग्रैंड स्लैम फाइनल था और उन्होंने अपनी दमदार सर्विस से शेल्टन को कोई मौका नहीं दिया। पूरे मुकाबले में ज्वेरेव ने पहली सर्विस के बाद 80 में से 68 अंक यानी 85 प्रतिशत अंक जीते। पहले सेट के नौवें गेम में शेल्टन को एक और ब्रेक प्वाइंट का सामना करना पड़ा और उन्होंने फिर डबल फॉल्ट कर दिया, जिससे ज्वेरेव ने पहला सेट 6-3 से अपने नाम कर लिया।

दूसरे सेट में शेल्टन ने बेहतर प्रदर्शन किया और ज्वेरेव की सर्विस पर कोई ब्रेक प्वाइंट नहीं बनाया जा सका। हालांकि टाईब्रेक में ज्वेरेव ने 5-0 की बढ़त बनाकर सेट पर कब्जा कर लिया। उनके दमदार सर्विस के जवाब में शेल्टन का फोरहैंड रिटर्न नेट में चला गया।

शेल्टन ने ज्वेरेव के खिलाफ लगातार 12 सेट गंवाने का सिलसिला तीसरे सेट में खत्म किया, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा सके। ज्वेरेव ने चौथे सेट में तुरंत नियंत्रण हासिल कर लिया और अंततः ऐतिहासिक जीत दर्ज की।

ज्वेरेव के खिलाफ मुकाबले से पहले शेल्टन का रिकॉर्ड 0-5 था। दोनों के बीच इससे पहले किसी ग्रैंड स्लैम में मुकाबला नहीं हुआ था और उनकी पिछली भिड़ंत 2025 एटीपी फाइनल्स में हुई थी। शेल्टन ने क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में गत चैंपियन कार्लोस अल्कराज़ और हमवतन फ्रांसेस टियाफोए को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी।

इस हार के साथ अमेरिकी पुरुषों का यूएस ओपन जीतने का इंतजार जारी रहा। अमेरिका के एंडी रॉडिक ने 2003 में न्यूयॉर्क में खिताब जीता था और तब से कोई अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी ग्रैंड स्लैम खिताब नहीं जीत सका है। ज्वेरेव ओपन युग में बोरिस बेकर के बाद यूएस ओपन पुरुष एकल खिताब जीतने वाले दूसरे जर्मन पुरुष खिलाड़ी भी बन गए।

सचिन, गांगुली और शास्त्री को सीएसी में शामिल करो : गावस्कर

नई दिल्ली, 14 सितंबर। भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर हमेशा अपनी तर्कसंगत राय देने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) की भूमिका और कार्यक्षेत्र को बढ़ाने का आग्रह किया है। इस सलाह के पीछे उनका मकसद यह है कि घरेलू क्रिकेट में मौजूद कमियों को दूर किया जा सके। हाल ही में दलीप ट्रॉफी का फाइनल मुकाबला खेला गया, जिसमें ईस्ट जोन ने पहली पारी में बढ़त के आधार पर खिताब अपने नाम किया था। सुनील गावस्कर को अब यह नियम रास नहीं आ रहा है। उन्होंने इस पर सुधार की गुंजाइश जताई थी।

गावस्कर ने अपने कॉलम में लिखा चयन समितियों और सीएसी के अलावा बीसीसीआई में आज कोई समिति नहीं है। शायद अब समय आ गया है कि सीएसी का दायरा बढ़ाया जाए और चयनकर्ताओं और कोचों के चयन के साथ-साथ घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मैचों के शेड्यूल और भारतीय क्रिकेट से संबंधित सभी चीजों पर भी ध्यान दिया जाए। कुछ बेहद अनुभवी पूर्व क्रिकेटर हैं जिनकी विशेषज्ञता का उपयोग इस समिति में किया जा सकता है।'' उन्होंने आगे लिखा, ''सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, सौरव गांगुली, रवि शास्त्री, अनिल कुंबले, हरभजन सिंह, वीरेंद्र सहवाग जैसे नामों के बारे में क्या ख्याल है।

महिला एशिया कप फाइनल

क्रांति गौड़ पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना, एक डिमेरिट अंक भी जुड़ा

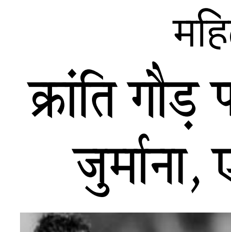

दुबई, 14 सितंबर। भारतीय तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ पर श्रीलंका के खिलाफ महिला एशिया कप फाइनल में आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है। क्रांति को खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। यह अनुच्छेद अंतरराष्ट्रीय मैच में किसी बल्लेबाज के आउट होने के बाद ऐसी भाषा, हरकत या इशारे के इस्तेमाल से संबंधित है, जो बल्लेबाज को अपमानित करे या उसकी ओर से आक्रामक प्रतिक्रिया को उकसा सके। यह घटना श्रीलंका की पारी के पहले ओवर में हुई। सलामी बल्लेबाज इमेशा दुलानी को आउट करने के बाद क्रांति ने पवेलियन की ओर इशारा किया था। 24 महीने की अवधि में यह उनका पहला अपराध है। क्रांति ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया और आईसीसी अंतरराष्ट्रीय मैच रेफरी पैनल की सुप्रिया रानी दास द्वारा प्रस्तावित सजा को भी स्वीकार कर लिया। इसलिए औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। मैदानी अंपायर सलीमा इम्तियाज और शथिरा जाकिर जेस्सी, तीसरे अंपायर रोकेया सुल्ताना तथा चौथे अंपायर हुमैरा फाराह ने आरोप लगाया था। लेवल-1 के उल्लंघन के लिए न्यूनतम सजा आधिकारिक फटकार है, जबकि अधिकतम मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना और एक या दो डिमेरिट अंक हो सकते हैं।

पाकिस्तान पर भी जुर्माना : श्रीलंका के खिलाफ शुक्रवार को खेले गए महिला एशिया कप के सेमीफाइनल में धीमी ओवर गति के लिए पाकिस्तान टीम पर भी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। आईसीसी अंतरराष्ट्रीय मैच रेफरी पैनल की जीएस लक्ष्मी ने यह सजा सुनाई। समय की छूट को ध्यान में रखने के बाद पाकिस्तान को निर्धारित लक्ष्य से एक ओवर कम पाया गया। आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत निर्धारित समय में टीम द्वारा प्रत्येक ओवर कम किए जाने पर खिलाड़ियों की मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने अपराध स्वीकार कर लिया और प्रस्तावित सजा को मान लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। मैदानी अंपायर वृंदा राठी और शथिरा जाकिर जेस्सी, तीसरे अंपायर रोकेया सुल्ताना तथा चौथे अंपायर रबाब अहसन ने धीमी ओवर गति का आरोप लगाया था।

तीसरी जयपुर जिला टेबल टेनिस रैंकिंग प्रतियोगिता का सफल आयोजन

तुषार रामचंदानी पुरुष व समृद्धि व्यास महिला वर्ग में बने चैंपियन

जयपुर 14 सितम्बर। प्रो स्टार टेबल टेनिस अकादमी में 12 एवं 13 सितंबर को तीसरीजयपुर जिला टेबल टेनिस रैंकिंग प्रतियोगिता का सफल एवं भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जयपुर जिले के विभिन्न आयु वर्गों के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और शानदार खेल का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता के प्रमुख परिणाम, **बालक वर्ग: अंडर-9:** प्रथम-शिवांश, द्वितीय-अद्वित बगड़ा, तृतीय-विहान सैनी व आरव्य जैन। **अंडर-11:** प्रथम-मानविक शर्मा, द्वितीय-याजत झा, तृतीय-यशवर्धन सिंह व अव्या सोगानी। **अंडर -13:** प्रथम-आरव सहनी, द्वितीय इशान गोयल, तृतीय-कविश सारण व निवान जैन। **अंडर -15:** प्रथम-भावित सिंह बिष्ट, द्वितीय दक्ष सोनी, तृतीय-इशान गोयल व प्रखर बग्गा। **अंडर -17:** प्रथम-युवान बकलिवाल, द्वितीय-प्रखर बग्गा, तृतीय-देव सोनी व दक्ष सोनी। **अंडर-19:** प्रथम-सौरभ कपूर, द्वितीय-नैतिकवीर यादव, तृतीय-तुषार रामचंदानी व युवान बकलिवाल। **पुरुष वर्ग:** प्रथम-तुषार रामचंदानी, द्वितीय सौरभ कपूर, तृतीय-भावित सिंह बिष्ट व युवान बकलिवाल। **बालिका वर्ग: अंडर -9:** प्रथम-दिविशा गुप्ता, द्वितीय प्रगति बिष्ट, तृतीय-अनन्या यादव। **अंडर -11:** प्रथम-अआंध्या नेगी, द्वितीय-मृगिया राजपूत, तृतीय-अर्शिया शर्मा। **अंडर -13:** प्रथम-आरना सहनी, द्वितीय-आराध्या, तृतीय तनिष्का व मायरा राजपूत। **अंडर -15:** प्रथम-आरना सहनी, द्वितीय इशान्या शर्मा, तृतीय-स्वर्णिमा जैन व आराध्या सैनी। **अंडर -17:** प्रथम-समृद्धि व्यास, द्वितीय-आरना सहनी, तृतीय ख्याति शर्मा व प्रत्यूषा शर्मा। **अंडर -19:** प्रथम-समृद्धि व्यास, द्वितीय-राधिका सोनी, तृतीय-आरना सहनी। **महिला वर्ग:** प्रथम-समृद्धि व्यास, द्वितीय-राधिका सोनी, तृतीय ख्याति शर्मा व अनुष्का आचार्य।

आरसीए चुनावों से सम्बंधित कुल 19 आपत्तियां आरसीए चुनाव अधिकारी को मिलीं

(नए जिलों, जिला संघ व व्यक्तिगत आपत्तियां शामिल)

जयपुर 14 सितम्बर। राजस्थान क्रिकेट संघ के चुनावों को संपन्न कराने के लिए नियुक्त चुनाव अधिकारी ए.के.पांडे, पूर्व राज्य निर्वाचन आयुक्त व पुष्पेंद्र सिंह हाडा (सहायक चुनाव अधिकारी) को राजस्थान क्रिकेट संघ के विभिन्न जिला संघो के तरफ से जिला संघो, व्यक्तगत व तीन नए जिलों को मान्यता के विरूद कुल 19 आपत्तियां प्राप्त हुई है। सभी आपत्तियों वाले जिले जोधपुर (5), हनुमानगढ़ (2), पाली (1), बांसवाड़ा (1), अजमेर (1), दौसा (1), चित्तौड़गढ़ (1), सवाई माधोपुर(2), करौली (1), डूंगरपुर (1) व तीन नये जिले (3)। आरसीए चुनाव अधिकारी द्वारा आरसीए चुनाव प्रोग्राम के अनुसार दिनांक 15 -16 सितम्बर को प्राप्त आपत्तियों पर जवाब मांगे जायेंगे व दिनांक 17 -18 सितम्बर को सम्बंधित विषय पर सुनवाई की जाएगी।

राज्य स्तरीय अंडर 16 प्रतियोगिता

अलवर, भीलवाड़ा, भरतपुर, जालोर, जोधपुर, धौलपुर, सीकर, करौली, चूरू, हनुमानगढ़ जीती

जयपुर 14 सितम्बर। बारां - अलवर मैच (अलवर जीती), बारां पारी 66 आल आउट, अलवर के गेंदबाज कृष्ण चौधरी 15 /4, सारांश 16 /3 व प्रणव 2 विकेट, अलवर पारी 70 /1, टीम के लिए तविष शर्मा नाबाद 41 रन।

जैसलमेर - भीलवाड़ा मैच (भीलवाड़ा जीती), जैसलमेर पारी 149 आल आउट, टीम के लिए भव्य सिंह 46, रामस्वरूप 25 व राजन मिश्रा 22 रन। भीलवाड़ा के गेंदबाज आरव अग्रवाल 25 /4, अथर्व 28 /3 व अवि सुवालका 37 /2 विकेट। भीलवाड़ा पारी 152 /4, टीम के लिए आदित्य ओझा 50 व आर्यवीर शर्मा 33 रन। भरतपुर - टोंक मैच (भरतपुर जीती)वीजेडी मेथड से लक्ष्य 35 ओवर में 153 रन)। भरतपुर पारी 207 आल आउट, टीम के लिए वशिष्ठ शर्मा 66, अनमोल 23 रन। दौसा -जालोर (जालोर जीती) दौसा पारी 162 आल आउट, टीम के लिए सचिन यादव 79 व ध्रुव 31 रन।

जालोर के गेंदबाज धीरज 43 /4, जालोर पारी 163 /2, टीम के लिए गीतेशपुरोहित नाबाद 114 रन। बांसवाड़ा - जोधपुर मैच (जोधपुर जीती), धौलपुर - चित्तोड़ मैच (धौलपुर जीती), अजमेर - सीकर मैच (सीकर जीती), अजमेर पारी 144 आल आउट, टीम के लिए चित्रांश54 रन। करौली-पाली मैच (करौली जीती), चूरू - बाड़मेर मैच (चूरू जीती), हनुमानगढ़ - डूंगरपुर मैच (हनुमानगढ़ जीती), हनुमानगढ़ पारी 215 /9, टीम के लिए शुभंकर 46, रमन 44 रन। डूंगरपुर के गेंदबाज भव्य पांडे 39 /3, डूंगरपुर पारी 97 /9, टीम के लिए केदार 41 हनुमानगढ़ के गेंदबाज सुमित चौधरी 25 /4, अनमोल 14 /3 व लक्ष्य 23 /2 विकेट

अमेरिका में डीज़ल की कीमतें ज़ैलैंस्की के कारण बढ़ीं- ट्रंप

उन्होंने आरोप लगाया कि रुस की तेल रिफाइनरियों पर हमले ने विश्व ईंधन बाजार पर दबाव बढ़ाया

वॉशिंगटन, 14 सितंबर। अमेरिका में डीज़ल की कीमतों में तेज़ उछाल के बीच राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने इसके लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर ज़ेलेंस्की को जिम्मेदार ठहराया है। ट्रंप का आरोप है कि रूस की तेल रिफाइनरियों और ईंधन प्रतिष्ठानों पर यूक्रेन के लगातार हमलों के कारण वैश्विक ईंधन बाजार पर दबाव बढ़ रहा है।

रूस की अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क रशिया टुडे (आरटी) के मुताबिक, अमेरिका में डीज़ल की राष्ट्रीय औसत कीमत इस सप्ताह पहली बार 6 डॉलर प्रति गैलन के पार पहुंच गई।

शुक्रवार को कीमत 6 डॉलर से अधिक दर्ज की गई, जबकि एक सप्ताह पहले यह करीब 5.85 डॉलर प्रति गैलन थी। पिछले साल इसी अवधि में डीज़ल की कीमत लगभग 3.71 डॉलर प्रति गैलन थी।

आयरलैंड की यात्रा के दौरान पत्रकारों से बातचीत में ट्रंप ने कहा कि उन्होंने ज़ेलेंस्की के सामने डीज़ल की बढ़ती कीमतों का मुद्दा उठाया है। उन्होंने यूक्रेनी नेतृत्व से रूस में डीज़ल उत्पादन से जुड़े ठिकानों को निशाना नहीं बनाने की अपील की।

- **ट्रंप का मानना है कि मध्यपूर्व में जारी संघर्ष तथा अमेरिका -ईरान के बीच तनाव डीज़ल की कीमतों में वृद्धि का मुख्य कारण नहीं है।**
- **अगर डीज़ल की कीमतें लम्बे समय तक ऊंची बनी रहीं तो इसका असर कृषि उत्पादन, खाद्य परिवहन और सप्लाई चेन पर पड़ेगा और यह अमेरिकी उपभोक्ता की जेब पर भारी पड़ेगा।**

ट्रंप ने कहा कि यूक्रेन के पास रूस में हमला करने के लिए कई दूसरे लक्ष्य हैं, लेकिन डीज़ल ईंधन से जुड़े प्रतिष्ठानों पर हमले वैश्विक स्तर पर ईंधन आपूर्ति को प्रभावित कर सकते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस बात से भी इनकार किया कि डीज़ल की कीमतों में मौजूदा तेजी मुख्य रूप से मध्य पूर्व में जारी संघर्ष और अमेरिका-ईरान तनाव के कारण है। उन्होंने इसके बजाय रूस-यूक्रेन युद्ध और यूक्रेनी हमलों को कीमतों में बढ़ोतरी का प्रमुख कारण बताया।

हालांकि, बाजार के जानकारों के मुताबिक, डीज़ल की कीमतों में हालिया उछाल के पीछे मध्य पूर्व में बढ़ता तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी अहम कारण हैं। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़े तनाव ने भी अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में अनिश्चितता बढ़ाई है। डीज़ल के निर्यात पर प्रतिबंध पहले लगाया गया था, जबकि बाद में इसे गैसोलीन उत्पादकों तक भी बढ़ाया गया। डीज़ल निर्यात पर मौजूदा प्रतिबंध को सितंबर के अंत तक जारी रखने की बात कही गई है और इसके आगे बढ़ने की संभावना भी जताई जा रही है।

अमेरिका में डीज़ल की कीमतों का असर सिर्फ परिवहन क्षेत्र तक सीमित नहीं है। कृषि मशीनरी, मालवाहक ट्रक और मालगाड़ियां बड़े पैमाने पर डीज़ल पर निर्भर हैं। इसलिए ईंधन की कीमत बढ़ने का सीधा असर कृषि उत्पादन, खाद्य परिवहन और सप्लाई चेन की लागत पर पड़ सकता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक, खाद्य वस्तुओं की कुल लागत में ईंधन की हिस्सेदारी अलग-अलग क्षेत्रों और उत्पादों के अनुसार काफी भिन्न हो सकती है। ऐसे में अगर डीज़ल की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रहती हैं, तो इसका असर अंततः अमेरिकी उपभोक्ताओं की जेब पर भी पड़ सकता है।

भारत नेपाल को 654 मेगावाट बिजली निर्यात करेगा

नई दिल्ली, 14 सितंबर। केंद्र सरकार ने नेपाल को 31 दिसंबर 2026 तक प्रतिदिन 18 घंटे बिजली निर्यात करने की मंजूरी दी है। इसके तहत नेपाल विद्युत प्राधिकरण को कुल 654 मेगावाट तक बिजली आपूर्ति की जा सकेगी।

ऊर्जा मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि 13 सितंबर से 31 दिसंबर 2026 तक मुजफ्फरपुर-ढल्केबार 400 केवी डबल सर्किट लाइन के माध्यम से 600 मेगावाट और टनकपुर-महेन्द्रनगर 132 केवी सिंगल सर्किट लाइन के जरिए 54 मेगावाट तक बिजली निर्यात की अनुमति दी गई है। जनवरी 2027 से निर्यात की जाने वाली बिजली की मात्रा की समीक्षा दिसंबर 2026 में की जाएगी। मंत्रालय के अनुसार, हाल में आई बाढ़ से नेपाल की जलविद्युत परियोजनाओं को काफी नुकसान पहुंचा है, जिससे वहां घरेलू बिजली उत्पादन प्रभावित हुआ है और अतिरिक्त बिजली की आवश्यकता पैदा हुई है। भारत की ओर से दी गई यह मंजूरी नेपाल की बिजली जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगी।

- **नेपाल को 31 दिसम्बर 2026 तक रोज 18 घंटे बिजली सप्लाई की जायेगी।**

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर तरुण तेजपाल ने गोवा में सरेंडर किया

अदालत द्वारा सरेंडर के लिये दी गई तीन सप्ताह की समय सीमा एक दिन बाद समाप्त हो रही थी

पणजी, 14 सितम्बर। मशहूर न्यूज मैगज़ीन "तहलका" के पूर्व एडिटर-इन-चीफ तरुण तेजपाल ने 2013 के एक रेप मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार सोमवार को गोवा की मापुसा अदालत में सरेंडर कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने 63 वर्षीय पूर्व संपादक को सजा के खिलाफ अपील पर सुनवाई शुरू होने से पहले सरेंडर करने के लिए तीन सप्ताह का समय दिया था। उनके सरेंडर करने की तीन सप्ताह की यह समय सीमा कल समाप्त हो रही है।

बॉम्बे हाई कोर्ट की गोवा पीठ ने 6 अगस्त को तेजपाल को 2013 में अपनी एक पूर्व सहकर्मी के साथ रेप करने का दोषी ठहराया था और उन्हें 10 साल जेल की सजा सुनाई थी।

इसके साथ ही, हाई कोर्ट ने 2021 में निचली अदालत द्वारा उन्हें बरी किए जाने के फैसले को भी पलट दिया था। हालांकि तेजपाल लगातार यह दावा करते रहे हैं कि वे इस मामले में खुद एक पीड़ित हैं।

- **बॉम्बे हाईकोर्ट की गोवा पीठ ने गत 6 अगस्त को तेजपाल को 10 साल की सजा सुनाई थी। तेजपाल ने फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील लिस्ट होने से पहले सरेंडर करने से छूट मांगी थी।**

पिछले महीने, सुप्रीम कोर्ट ने तेजपाल की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ दायर अपनी अपील शीर्ष अदालत में लिस्ट होने से पहले सरेंडर करने से छूट की मांग की थी।

तेजपाल की ओर से अदालत में पेश हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने दलील दी थी कि शीर्ष अदालत के पास यह अधिकार है कि वह उचित मामलों में सरेंडर की अनिवार्यता से छूट दे सकती है और आरोपी के सरेंडर न करने की स्थिति में भी आपराधिक अपील को सूचीबद्ध कर सकती है।

वहीं, गोवा राज्य की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया तुषार मेहता ने इस याचिका का कड़ा विरोध किया था। उन्होंने दलील दी कि छूट के आवेदन पर मामले की मेरिट्स के आधार पर विचार किया जाना चाहिए।

जिला उपभोक्ता ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुपरवाइजर को यह जानकारी दी। सुपरवाइजर ने उससे कहा कि वाहन की व्हील बैलेंसिंग करवाने पर यह समस्या खत्म हो जाएगी। ъ

एक अक्टूबर 2018 को दूदू के पास उसकी कार सड़क के बीच पड़े सांड से टकरा गई, लेकिन उसके आगे के एयरबैग नहीं खुले।

वर्ष 2020 के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तमाम निकायों में जाकर रोड शो करके अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं, उसका पूरा असर निकाय चुनावों में जनादेश के तौर पर स्पष्ट दिखाई दिया है। आंकड़ों पर गौर करें तो पिछले निकाय चुनाव में जहां 50 प्रतिशत नगर निगमों में भाजपा का बोर्ड था, वहीं इस बार 60 प्रतिशत बोर्ड भाजपा अपने स्तर पर तथा 80 से 90 प्रतिशत बोर्ड निर्दलीयों के समर्थन के साथ बनाने की स्थिति में है। इसके अलावा, 27 प्रतिशत नगर परिषदों से आगे बढ़ते हुए भाजपा इस बार 42 प्रतिशत बोर्ड अपने स्तर पर तथा 83 प्रतिशत निर्दलीयों के समर्थन के साथ बनाने की स्थिति में है।

इसी प्रकार, गत निकाय चुनाव में काबिज 31 प्रतिशत नगरपालिकाओं की तुलना में इस बार 60 प्रतिशत से अधिक बोर्ड भाजपा अपने स्तर पर बनाने जा रही है।

अगर राजधानी की बात करें तो जयपुर नगर निगम की स्थापना से अब तक लगातार 7वीं बार भाजपा ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार में जयपुर के टुकड़े करके 2 नगर निगम बनाने के निर्णय को भी जनता ने पूर्ण रूप से नकारा है। इस बार निकाय चुनाव में मात्र 63.55 प्रतिशत की वोटिंग होने के बावजूद, भाजपा एकतरफा बहुमत के साथ जयपुर नगर निगम में बोर्ड बनाएगी। जहाँ पिछली बार जयपुर संभाग में 17 प्रतिशत तथा भरतपुर संभाग में केवल 6 प्रतिशत निकायों में भाजपा का बोर्ड था, वहीं, इस बार जयपुर एवं भरतपुर दोनों संभागों में 60 प्रतिशत से अधिक निकायों में भाजपा बोर्ड बनाने जा रही है। इसी प्रकार 6 जिलों -बूंदी, दौसा, हनुमानगढ़, करौली, धौलपुर और भरतपुर में किसी भी निकाय में पिछली बार भाजपा का कोई बोर्ड नहीं था। लेकिन इस बार दौसा में 7, भरतपुर में 6, बूंदी में 5, हनुमानगढ़ में 5, करौली में 4 और धौलपुर में 2 निकायों में भाजपा बोर्ड बनाने जा रही है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का कहना है कि राजस्थान में शहरी क्षेत्र की जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन और राजस्थान सरकार के सुशासन पर मुहर लगाते हुए डबल इंजन में ट्रिपल इंजन भी जोड़ दिया है। 'वन स्टेट-वन इलेक्शन' के तहत, राजस्थान के सभी 309 निकायों में भाजपा को पिछली बार से दोगुने से अधिक निकायों में जनादेश मिला है।

तृणमूल से एनसीपीआई में गये 20 सांसदों में से 17 भाजपा में जायेंगे ?

मुर्शिदाबाद, बहरामपुर व जंगीपुर से सांसद सीधे भाजपा में नहीं जाना चाहते, वे राजग में बने रहेंगे

कोलकाता, 14 सितंबर। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से अलग होकर नैशनलिस्ट सिटिज़ंस पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल हुए 20 लोकसभा सांसदों में से 17 अगले महीने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो सकते हैं। कूचबिहार से लोकसभा सांसद और एनसीपीआई सांसदों के खेमे के प्रमुख नेताओं में शामिल जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया ने सोमवार को यह दावा किया।

बसुनिया ने कहा कि मुर्शिदाबाद से अबू ताहेर खान, बहरामपुर से यूसुफ पठान और जंगीपुर से खलीलुर रहमान सीधे भाजपा में शामिल नहीं होना चाहते। हालांकि, ये तीनों सांसद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के साथ बने रहेंगे। उन्होंने दावा किया कि शेष 17 सांसद दुर्गा पूजा से पहले या उसके तुरंत बाद एनसीपीआई छोड़कर भाजपा में शामिल होंगे। बसुनिया के मुताबिक, दो-तिहाई सांसदों के किसी दल में विलय के लिए 14 सांसदों की जरूरत होती है, जबकि उनके खेमे में 17 सांसद हैं। ऐसे में उनके खिलाफ दल-बदल कानून लागू नहीं होगा।

- **वर्ष 2026 के विधानसभा चुनाव में टीएमसी की हार के बाद तृणमूल के 20 सांसदों ने एनसीपीआई में शामिल होने का दावा किया था। उन्हें एनसीपीआई लोकसभा सदस्य के रूप में मान्यता देने का मामला लोकसभा अध्यक्ष के पास लम्बित है।**

उल्लेखनीय है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल की 42 में से 28 सीटों पर जीत दर्ज की थी। लेकिन वर्ष 2026 के विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद उसके 20 लोकसभा सांसदों के एनसीपीआई में शामिल होने का दावा किया गया है। यह बात भी कही गई है कि ये सांसद राजग का भी हिस्सा बन सकते हैं। इन 20 सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से उन्हें एनसीपीआई के लोकसभा सदस्यों के रूप में मान्यता देने का अनुरोध किया है। हालांकि, अभी तक लोकसभा अध्यक्ष की ओर से इस संबंध में कोई मान्यता नहीं दी गई है।

जाने-माने एआई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एआई के रैगुलेशन की उनकी मांगों ने एआई कंपनियों में निवेश करने वालों की सोच पर भी असर डाला है। ऐसी खबरें हैं कि एआई कंपनियों के शेयरों के मूल्यांकन में तेज गिरावट आई है। सैकेंडरी मार्केट के निवेशक अब सोच रहे हैं कि यदि उद्योग के नेता खुद एआई कंपनियों और उनके भविष्य के मुख्य कार्यक्रमों को नियंत्रित करने की मांग कर रहे हैं, तो इन कंपनियों का भविष्य क्या होगा।

अधिकांश बड़ी एआई कंपनियों के शेयरों के मूल्य में तेज गिरावट आई है और बाजार में एआई को लेकर पहले जो उत्साह था, वह अब कम होता दिख रहा है।

पहले जहाँ एआई कंपनियों के शेयरों की कीमतें तेजी से आसमान छू रही थीं, वहीं अब उनमें तेजी से गिरावट आ रही है। नए निवेशक इस क्षेत्र में प्रवेश नहीं करेंगे और इसलिए भविष्य के निवेश और ग्रोथ के लिए मिलने वाली पूंजी भी कम हो जाएगी।

हालांकि एआई को लेकर जो डर है, उसके बावजूद राजनेता, खासकर अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप, बेफिक्र हैं। वे नहीं चाहते कि अमेरिकी एआई उद्योग की रफ्तार थोड़ी भी धीमी हो, क्योंकि इससे अमेरिका के सबसे बड़े एआई प्रतिद्वंद्वी चीन के एआई उद्योग को आगे बढ़ने और मजबूत स्थिति में आने का मौका मिल सकता है।

इसे राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़कर देखा जा रहा है और ट्रंप इसमें किसी तरह का समझौता नहीं चाहते। अमेरिकी उद्योग को सबसे आगे रहना चाहिए और चीन को अपने अमेरिकी प्रतिद्वंद्वी से आगे निकलने नहीं दिया जा सकता। इसलिए ट्रम्प इस उद्योग के नेताओं की चिंताओं को महज डर फैलाने की कोशिश बता रहे हैं।

ट्रंप चाहते है कि अमेरिकी एआई अपनी पूरी रफ्तार के साथ आगे बढ़े। ट्रंप का कहना है कि अमेरिकी एआई को सबसे आगे रहना चाहिए और चीन को अमेरिका से आगे निकलने की अनुमति नहीं दी जा सकती। ऐसा करना एक ऐसी प्रतिस्पर्धा में हार मानने जैसा होगा, जो नए औद्योगिक युग की शुरुआत है। उनका मानना है कि अमेरिका इस नई औद्योगिक क्रांति में चीन से एआई की जंग नहीं हार सकता और न इस नए औद्योगिक युग में हार मान सकता है।

'जंगलों में से निजी भूमि, बाहर निकालने की व्यवस्था करें'

शिमला, 14 सितंबर। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने जंगलों के भीतर मौजूद निजी जमीन के साथ-साथ धीरे-धीरे वन भूमि को भी इस्तेमाल में लिए जाने पर चिंता जताई है। अदालत ने कहा है कि इस समस्या से निपटने के लिए केंद्र और राज्य स्तर पर एक व्यापक नीति की जरूरत है। अदालत का कहना है कि जंगलों के भीतर निजी जमीन का इस्तेमाल बढ़ने से वन भूमि के रखरखाव और प्रबंधन पर असर पड़ रहा है। हाईकोर्ट ने यह भी कहा है कि यह केवल हिमाचल प्रदेश से जुड़ी समस्या नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय स्तर की समस्या है।

- **हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने इसे राष्ट्रीय स्तर की समस्या बताया**

जंगलों में आग की घटनाओं से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान अदालत के सामने आया कि प्रदेश में वन भूमि के भीतर निजी भूमि के कुछ हिस्से मौजूद हैं। हाईकोर्ट ने अपने पिछले आदेश में कहा था कि इन निजी जमीनों के मालिक धीरे-धीरे वन भूमि पर अतिक्रमण कर रहे हैं और अपनी सुविधा के लिए उसका इस्तेमाल कर रहे हैं।

जयपुर, कोटा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जयपुर तथा नगरपालिका सुकेत के कुछ बूथों के परिणाम ईवीएम में तकनीकी खराबी के कारण जारी नहीं हो पाए हैं। ऐसे में इन नगरीय निकायों के चुनाव परिणाम पूर्ण रूप से घोषित नहीं हो पाए हैं। ऐसी स्थिति में अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पदों के चुनाव निर्धारित तिथियों पर कराया जाना संभव नहीं है। इसलिए राज्य निर्वाचन आयोग ने इन चारों निकायों में अध्यक्ष-उपाध्यक्ष पदों के चुनाव आगामी आदेश तक स्थगित कर दिये हैं। इनके लिए अलग से तिथियां जारी की जाएंगी।

'झूठ की गूंज के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साबित कर दिया है कि प्रदेशवासियों का डबल इंजन सरकार के सुशासन और विकास नीतियों को पूरा समर्थन प्राप्त है।" पीएम मोदी ने विश्वास जताया कि इस परिणाम से राज्य को प्रगति की नई ऊंचाइयों पर ले जाने और जन-जन के जीवन में खुशहाली लाने का सरकार का संकल्प और अधिक मजबूत होगा। प्रधानमंत्री ने सभी विजयी प्रत्याशियों के साथ-साथ, पार्टी के निष्ठावान और परिश्रमी कार्यकर्ताओं को इस ऐतिहासिक जीत के लिए बधाई दी।

सालियान केस में सी.बी.आई. की एफ.आई.आर में उद्धव व आदित्य ठाकरे का भी नाम

हाईकोर्ट के निर्देश पर सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर की मौत के मामले में सी.बी.आई. ने जांच शुरु की

मुंबई, 14 सितंबर। बॉम्बे उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत के मामले में प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की है। एफआईआर में शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे, पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख, मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह, पूर्व पुलिस अधिकारी सचिन वाझे और अभिनेता डीनो मोरिया समेत 33 से अधिक लोगों के नाम शामिल किए गए हैं। सीबीआई ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

सीबीआई के अनुसार, एफआईआर में हत्या, सामूहिक दुष्कर्म, आपराधिक साजिश, साक्ष्य नष्ट करने और आरोपियों को कथित तौर पर बचाने के लिए गलत जानकारी फैलाने जैसे गंभीर आरोपों की जांच की जा रही है।

- **एफआईआर में पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, उनके पुत्र आदित्य ठाकरे के अलावा पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख सहित 33 लोगों के नाम हैं**
- **दिशा सालियान की मौत मलाड में एक इमारत से गिरने से हुई थी। पुलिस ने जांच करके अदालत में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी। दिशा के पिता की मांग पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने मामले को जांच के लिये सौंपा था।**

जांच का दायरा दिशा सालियान की मौत की परिस्थितियों के साथ-साथ मामले को कथित तौर पर दबाने और जांच को प्रभावित करने से जुड़े पहलुओं तक रखा गया है। सीबीआई यह भी जांच करेगी कि क्या किसी सरकारी कर्मचारी या पुलिस अधिकारी ने सरकारी संसाधनों, पुलिस मशीनरी, दस्तावेजों अथवा आधिकारिक रिकॉर्ड का कथित तौर पर दुरुपयोग किया था। रिकॉर्ड से छेड़छाड़, दस्तावेजों को नष्ट करने या दबाने तथा जांच को प्रभावित करने के आरोपों की भी पड़ताल की जाएगी।

सीबीआई की जांच के दायरे में आदित्य ठाकरे, रोहन रॉय, डीनो मोरिया, सूरज पंचोली, आदित्य ठाकरे के अंगरक्षक, रिया चक्रवर्ती, शोविक चक्रवर्ती, सचिन वाझे, परमबीर सिंह, पुलिस उपायुक्त विशाल ठाकुर, उद्धव ठाकरे, तत्कालीन गृह मंत्री अनिल देशमुख समेत अन्य लोगों की भूमिका भी शामिल बताई गई है। सीबीआई की एफआईआर में दिशा सालियान के पोस्टमार्टम में कथित देरी से जुड़े डॉक्टरों और कर्मचारियों के अलावा डॉ. संजय जाधव तथा कलिना स्थित फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी के संबंधित अधिकारियों का भी उल्लेख किया गया है।

उल्लेखनीय है कि मालाड स्थित इमारत से गिरने के बाद दिशा सालियान की मौत हुई थी। इसके बाद मालवणी पुलिस ने मामले की जांच की और अदालत में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी। दिशा सालियान के पिता ने बाद में बॉम्बे उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर मामले की सीबीआई जांच की मांग की थी।

पाकिस्तान ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पाकिस्तानी रुपये कर दी है।

इसके साथ ही पाकिस्तान ने अपने नवीनतम सबसे वांछित आतंकवादियों की रेड लिस्ट में भगोड़ा घोषित किया है। हालांकि, पाकिस्तान की इस चाल को सिर्फ अंतरराष्ट्रीय समुदाय को गुमराह करने और अपनी सरजमीं पर पल रहे आतंकी आकाओं को छिपाने की सोची-समझी साजिश माना जा रहा है।

पाकिस्तान ने 2021 में दावा किया था कि अजहर अब देश में नहीं है और अफगानिस्तान भाग गया है। शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार तब से यही कहती आ रही है कि जैश-ए-मोहम्मद का प्रमुख पाकिस्तानी धरती पर नहीं है।

पंजाब के मु.मंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

द्विपक्षीय खेल मुकाबले की अनुमति नहीं देती, जिसके खिलाफ भारत ने पिछले साल ही पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद थोड़े समय का सैन्य अभियान चलाया था। इस आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी।

लेकिन ओलंपिक चार्टर का पालन करते हुए, खेल मंत्रालय ने कहा है कि दोनों देश बहुपक्षीय प्रतियोगिताओं में एक-दूसरे के खिलाफ खेल सकते हैं और ऐसे आयोजनों के लिए भारत सीमा पार से आने वाले खिलाड़ियों को यहां खेलने से नहीं रोकेगा।

इसके बावजूद, पाकिस्तान ने पिछले साल तमिलनाडु में हुए जूनियर विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया था। उसने ऑपरेशन सिंदूर के बाद दोनों देशों के बीच के जबरदस्त तनाव को इसका कारण बताया था।

मान ने कहा कि एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लीग चरण के मैच जालंधर में खेले जाएंगे, जबकि सेमीफाइनल और फाइनल मोहाली स्टेडियम में होंगे।

प्रतियोगिता की मेजबानी के लिए पूरा सहयोग देने का भरोसा दिलाते हुए मान ने कहा कि पंजाब, राज्य के इतिहास में पहली बार होने वाले इस टूर्नामेंट के सफल आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

"हॉकी इंडिया" के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के हॉकी महासंघों के बीच संबंध "बहुत अच्छे" हैं।

सिंह ने कहा, "मैं यह बात रिकॉर्ड पर कहना चाहता हूं कि भारत और पाकिस्तान के हॉकी महासंघों के बीच हमारे बहुत अच्छे संबंध हैं।"

उन्होंने कहा, "आपने जरूर देखा होगा कि जब भी मैं जाता हूं और भारतीय टीम पाकिस्तान को हरा देती है, तो मैं सबसे पहले पाकिस्तानी टीम से मिलता हूं। वहां के खिलाड़ी भी बहुत सम्मान दिखाते हैं।"

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी की शुरुआत 27 अक्टूबर को जालंधर में होगी और फाइनल मुकाबला 5 नवंबर को मोहाली में खेला जाएगा।

'एक देश पर निर्भरता को छोड़कर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चेतावनी दी कि प्रौद्योगिकी और महत्वपूर्ण खनिजों को हथियार बनाने से साझा आर्थिक प्रगति में बाधा आ सकती है। उन्होंने टैक्नॉलजी तक सभी की समान पहुंच की जरूरत पर भी जोर दिया। भारत ने पहले ही सीमित और कुछ ही देशों पर निर्भर आपूर्ति श्रृंखलाओं की कमजोरी का अनुभव किया है। 2020 में भारत-चीन सीमा पर संघर्ष के बाद चीनी सप्लाई और क्लियरैंस में कुछ बाधा आई थी। 2025 में अमेरिका के साथ व्यापारिक टकराव के दौरान, चीन द्वारा दुर्लभ-पृथ्वी मैग्नेटर के निर्यात पर लगाए गए प्रतिबंधों का असर भारत के ऑटोमोबाइल उत्पादन पर पड़ा था

इसलिए शी की पेशकश और मोदी की चेतावनी के बीच का अंतर ब्रिक्स के भीतर के एक मुख्य तनाव को उजागर करता है। चीन ग्लोबल साउथ में अपने तकनीकी प्रभाव का विस्तार करना चाहता है, जबकि भारत पश्चिमी देशों पर निर्भरता को खत्म करके चीन पर निर्भरता को नहीं बढ़ाना चाहता, बल्कि ब्रिक्स के भीतर सहयोग चाहता है।

विश्लेषकों का कहना है कि ब्रिक्स के विस्तार के साथ इस तरह के मतभेद स्वाभाविक हैं, क्योंकि इसमें अलग-अलग राजनीतिक व्यवस्थाओं, भू-राजनीतिक संबंधों, आर्थिक हितों और वाशिंगटन के साथ अलग-अलग रिश्ते रखने वाले देश शामिल हैं। चीन और भारत के बीच अविश्वास शायद इस समूह की सबसे बड़ी आंतरिक कमज़ोरी है। फिर भी जरूरी नहीं कि ये तनाव जरूरी नहीं कि सहयोग में बाधा बनें। इसके बजाय, ब्रिक्स अब आम सहमति और मतभेदों के मेल के साथ काम कर रहा है।

इसके बावजूद, शिखर सम्मेलन में काफी हद तक आम सहमति देखने को मिली। सदस्यों ने एक संयुक्त घोषणा पत्र अपनाया, जिसमें एकतरफा फैसलों, संरक्षणवाद और जबरदस्ती थोपे जाने वाले आर्थिक कदमों का विरोध किया गया। अमेरिका के टैरिफ, प्रतिबंध और डॉलर को चुनौती देने वाले देशों के खिलाफ राष्ट्रपति ट्रंप की धमकियों ने एकजुटता के लिए एक अहम बाहरी वजह का काम किया।

"डी-डॉलराइज़ेशन (डॉलर पर निर्भरता कम करना) सहयोग का एक और क्षेत्र था। ब्रिक्स देशों ने व्यापार को आसान बनाने और अमेरिकी वित्तीय दबाव के प्रति अपनी कमज़ोरी कम करने के लिए स्थानीय मुद्राओं के अधिक इस्तेमाल और आपस में जुड़े पेमैंट सिस्टम के ज्यादा इस्तेमाल का समर्थन किया। हालांकि, इस बात पर अब भी सहमति नहीं है कि समूह को डॉलर से कितनी तेजी से और किस हद तक दूरी बनानी चाहिए, क्योंकि अमेरिका के साथ सदस्य देशों के आर्थिक और राजनीतिक संबंध अलग-अलग हैं।

इसलिए भारत के लिए यह सम्मेलन रणनीतिक संतुलन बनाने की एक कवायद था। नई दिल्ली ने ब्रिक्स की एकता बनाए रखने, चीन और रूस के साथ संबंधों को गहरा करने और ग्लोबल साउथ को मजबूत करने की कोशिश की, साथ ही अमेरिका और पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं के साथ किसी तरह के टकराव से बचने का प्रयास किया।

इस सम्मेलन का व्यापक महत्व उभरती हुई टैक्नॉलजी, फायनैंस और ग्लोबल ट्रेड को नियंत्रित करने वाले नियमों को प्रभावित करने की ब्रिक्स की बढ़ती महत्वाकांक्षा में निहित है। चीन का तर्क है कि ग्लोबल साउथ को इन नियमों को बनाने में बड़ी भूमिका मिलनी चाहिए, क्योंकि यह विशाल बाजारों और बड़ी आबादी का प्रतिनिधित्व करता है। लेकिन ग्लोबल गवर्नैंस के एक वैकल्पिक केन्द्र के रूप में ब्रिक्स की क्षमता इस बात पर निर्भर करेगी कि उसके सदस्य देश अपने आपसी मतभेदों और प्रतिद्वंद्विता को संभाल पाते हैं या नहीं।

नई दिल्ली सम्मेलन ने दिखाया कि ब्रिक्स अधिक महत्वपूर्ण तो बन रहा है, लेकिन जरूरी नहीं कि अधिक एकजुट भी हो रहा हो। इसकी ताकत उसके सामूहिक प्रभाव में है, जबकि इसकी कमज़ोरी इसी सामूहिक शक्ति के भीतर मौजूद परस्पर विरोधी हितों में है।

'75 जिलों के लिए ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पार्टी और कांग्रेस ने अपने-अपने अलग घोषणापत्र जारी किए। कांग्रेस का घोषणापत्र, जिसे "न्याय पत्र" कहा गया, 5 अप्रैल 2024 को जारी हुआ, जबकि समाजवादी पार्टी का घोषणापत्र इसके कुछ समय बाद 10 अप्रैल 2024 को जारी किया गया।

लेकिन लगभग हर चुनाव में घोषणापत्रों पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया। गठबंधन के कारण पार्टी का राज्यव्यापी घोषणापत्र अक्सर लोगों की नज़र में नहीं आ पाता था। सहयोगी दल अलग-अलग पार्टी दस्तावेजों के आधार पर प्रचार करते थे, हालांकि सत्तारूढ़ भाजपा के खिलाफ दोनों दलों के मुद्दे काफी हद तक समान थे। फिर भी कई मुद्दों पर उनके खास वादे अलग-अलग थे। उदाहरण के लिए, समाजवादी पार्टी ने पुरानी पेंशन योजना को फिर से लागू करने का वादा किया था, जिसका कांग्रेस के घोषणापत्र में उल्लेख नहीं था। इस बार अखिलेश यादव इस कमी को दूर करने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि घोषणापत्र तैयार करने की पूरी प्रक्रिया वास्तव में चुनाव में असरदार साबित हो।

करीब दो महीने पहले जिला स्तर के पदाधिकारियों के साथ हुई एक रणनीतिक बैठक में अखिलेश यादव ने यह विचार रखा था। उन्होंने पार्टी नेताओं से कहा था कि पूर्वांचल, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, अवध और बुंदेलखंड क्षेत्रों के सामने मौजूद चुनौतियां एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं।

उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा था, अतीत में पूरे यूपी के लिए एक साझा व्यापक घोषणापत्र अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों की खास मांगों को पूरा नहीं कर पाता था। इसके बाद पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने इसे लागू करने के निर्देश जारी किए।

समाजवादी पार्टी के जिला स्तर के नेताओं से कहा गया है कि वे हर जिले की आकांक्षाओं और चुनौतियों की एक विस्तृत सूची तैयार करें। उन्हें पांच प्रमुख समस्याओं, ऐसी परियोजनाओं जो लंबे समय से बंद या उपेक्षित पड़ी हैं, और जमीनी स्तर पर पहले से मौजूद रोजगार के अवसरों की सूची तैयार करनी होगी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908